बहाने बनाकर मुआवजा देने से नहीं बच सकतीं बीमा कंपनियां - 10

यूपी वेस्ट सर्किल में जियो के 2.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल सब्सक्राइबर : ट्राई- 10

शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन पर टैरिफ घटाकर 47 प्रतिशत किया - 11

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने के बाद दूसरे मैच में भारत के हौसले बुलंद - 12

आज का मौसम
24.0° अधिकतम तापमान
22.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.17
सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी 10:03 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 271, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

STATUE OF UNITY
एक भारत, श्रेष्ठ भारत

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

एकता दिवस
31 अक्तूबर

सरदार वल्लभभाई पटेल
की 150वीं जयंती के अवसर पर
कृतज्ञ राष्ट्र का शत-शत नमन

प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी
भारत के लौह पुरुष को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे
और उनकी स्मृति में राष्ट्र को संबोधित करेंगे

इस एकता दिवस पर, आइए अपने जिले में हो रही 'रन फॉर यूनिटी' में अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लें और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत बनाएँ

एकता दिवस कार्यक्रम

- एकता परेड
- ब्रास बैंड प्रदर्शन
- घोड़े, श्वान और ऊँट के सैन्यदल
- महिला कलाकारों द्वारा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन
- बीएसएफ डॉग शो (स्वदेशी नस्ल)
- डेयरडेविल राइडर्स का प्रदर्शन
- स्कूल बैंड प्रस्तुति
- भारतीय वायु सेना द्वारा एयर शो
- "लौह-पुरुष" - सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर आधारित एक नाट्य प्रस्तुति
- एकता प्रकाश उत्सव का आयोजन
- भारत पर्व के अंतर्गत 1 से 15 नवंबर तक राज्यों में प्रदर्शनियाँ

"राष्ट्र को एकजुट करने में सरदार पटेल के अमूल्य योगदान का राष्ट्रीय एकता दिवस सम्मान करता है। आइए, इस दिन हम अपने समाज में एकता के बंधन को और मजबूत बनाएं।"
-नरेन्द्र मोदी

CBC 19101/13/0022/2526

दिनांक : शुक्रवार, 31 अक्तूबर 2025
स्थान परेड ग्राउंड, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर, गुजरात
समय : सुबह 7 बजे से

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर किया जाएगा

न्यूज ब्रीफ

एचटी लाइन पोल से तार चोरी, तीन गिरफ्तार

निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : राजकीय नलकूप के पास बिजली के खंभों से 11 केवी लाइन का डेढ़ कुंतल तार चोर उतार ले गए। जिससे बड़ा इलाका अंधेरे में डूब गया। जेई की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने तीन चोरों को तार समेत गिरफ्तार किया है। मामला बड्डूपुर क्षेत्र के आलमपुर रोड स्थित राजकीय नलकूप संख्या-104 के पास का है। पुलिस ने इस मामले में दिलबहार अली, इश्तियाक अली व दीपू को काजीबेहटा पुल से गिरफ्तार किया।

निजी गौशाला में आग से लाखों का नुकसान

बाराबंकी, अमृत विचार : बुधवार देर रात जेनरेटर में शार्ट सर्किट से निजी गौशाला में आग लग गई। गौशाला मालिक उमाशंकर राय के अनुसार बुधवार को मध्यरात्रि के बाद आग लगते ही कर्मचारियों ने तुरंत गौशाला में बंधी गायों को खोलकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, जिससे उनकी जान बच गई। आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना पर तत्काल पहुंची फायर ब्रिगेड रास्ते की कमी के चलते देर से पहुंची पर आग पर काबू पाया। जहांगीराबाद थाना प्रभारी डीपी शुक्ला के अनुसार लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

लखनऊ के लिए निकला युवक लापता

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : लखनऊ के लिए निकला युवक लापता हो गया। समसीपुर निवासी विनोद कुमार ने बताया कि उसका पुत्र रितेश (30) मंगलवार को उनके साथ फतेहपुर आया था। रितेश को लखनऊ जाना था। पिता ने उसे ऑटो में बैठा दिया। बताया कि रितेश अपना मोबाइल घर पर ही छोड़ गया। पिता ने गुमशुदगी दर्ज कराई है।

नारायणी मंगल महोत्सव का आयोजन स्थल बदला

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : नारायणी मंगल महोत्सव अब सार्वजनिक इंटर कॉलेज की बजाय मंडपम लॉन में संपन्न होगा। आयोजन स्थल में बदलाव खराब मौसम के कारण किया गया है। महोत्सव का शुभारंभ रामलीला कोठी से भव्य शोभा यात्रा के साथ होगा।

शिव-पार्वती विवाह की सुनाई कथा

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : ग्राम पंचायत काशीपुर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का तीसरा दिन श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति से भरा रहा। अयोध्या धाम से पधारे व्यास सत्यम महाराज ने शिव-पार्वती विवाह की कथा सुनाकर भक्तों को भावविभोर कर दिया। कथास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। मुख्य यजमान गंगा प्रसाद पांडेय सहित सभी ने कथा सुनी।

धूमधाम से मनाया गया गोपाष्टमी महोत्सव

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गौ सेवा गतिविधि के अंतर्गत भिटरिया स्थित निजी गौशाला में गोपाष्टमी महोत्सव उत्साह से मनाया गया। कार्यक्रम में गौ माता का पूजन, आरती और हवन किया गया। विभाग संघचालक गंगा बख्श, जिला कार्यवाह वेद प्रकाश, संजय सिंह, रवीन्द्र पाण्डेय सहित नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. ज्ञान यादव और अन्य गौभक्त उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत कथा का समापन

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : धमेड़ी चार में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा गुरुवार को हवन पूजन और भंडारे के साथ संपन्न हो गयी। प्रयागराज से आए प्रपन्नाचार्य महाराज ने श्रद्धालुओं की भक्ति की सराहना की। कथा का आयोजन लक्ष्मी नारायण शुक्ला द्वारा किया गया, जिसमें लवकेश शुक्ला, मुकेश शुक्ला और शुभम जायसवाल सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा।

महिला का पर्स छीनकर बदमाश फरार

निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : कुर्सी क्षेत्र में बुधवार को दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाश महिला से पर्स छीनकर फरार हो गए। मोहित प्रजापति निवासी सीतापुर पत्नी लता और दो बच्चों के साथ बाइक से लखनऊ जा रहे थे। वे ग्राम बसारा के पास पहुंचे, तभी हेलमेट लगाए दो युवक बाइक से आए और मोहित की पत्नी के कंधे पर टंगा पर्स झपट कर फरार हो गए। महिला के पर्स में एक टच मोबाइल फोन, दस हजार रुपये नकद और एक जोड़ी पायल रखी हुई थी।

बेमौसम बरसात से लुढ़का तापमान

वातावरण में बढ़ी ठिठुरन, खेत में पड़ी धान की फसल के सड़ने की आशंका

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

बारिश के दौरान सड़क से गुजरते राहगीर। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मानसून की विदाई के बाद भी हो रही बारिश ने पारा तो लुढ़काया ही साथ ही किसानों को सिर पर हाथ धरने को मजबूर कर दिया है। एक ओर पारा गिरने से ठंडक का एहसास बढ़ा और पंखे तक बंद हो गए तो दूसरी ओर खेत की ओर निहारते किसान के सामने फसल कटाई व बोवाई दोनों खतरे में नजर आ रही। इस बीच खेत में पड़ी धान की फसल के सड़ने की आशंका बलवती हो गई। बारिश जारी रही और हवा का साथ मिला तो फसल तबाह हो जाएगी।

बेमौसम बारिश को मोंथा चक्रवात का असर बताया जा रहा। एक दिन पूर्व बारिश बाद धूप निकली और दिन में गर्मी जैसा एहसास रहा तो बुधवार की देर रात से बादलों ने आसमान पर ऐसा कब्जा जमाया कि गुरुवार की शाम तक रुक-रुक कर बारिश होती रही। दिन का तापमान लुढ़क कर 25 डिग्री तक पहुंच गया वहीं यातायात भी सिमटा नजर आया। सबसे बड़ी मुसीबत किसानों के सामने आन खड़ी हुई है। देर से धान लगाने वाले किसानों के खेतों में पड़े बोझ बारिश से भीग गए हैं, बारिश लगातार हुई और हवा का साथ मिला तो इसे सड़ने से कोई रोक नहीं पाएगा। वहीं खड़ी फसल ज्यादा पानी न बरसने से बच जाएगी। इसी तरह आलू, राई व सरसों के जमाव में देरी करने वाले किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उपकृषि निदेशक प्रसार डीके सिंह ने बताया कि अभी बारिश नुकसान करने की स्थिति में नहीं है लेकिन अधिकता होने व हवा का साथ मिलने पर फसल खतरे में पड़ सकती है। आलू, राई सरसों के जमाव होने की दशा में नुकसान न के बराबर है।

उम्र पूछने पर दूल्हे की बहन से मारपीट

निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : बड्डूपुर थाना क्षेत्र स्थित एक मंदिर में शादी के दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि लड़की की उम्र पूछने पर लड़की पक्ष के लोगों ने दूल्हे की बहन से मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। सीतापुर निवासी नेहा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अपने भाई विपिन (21) की शादी के लिए स्वामी मंदिर बड्डूपुर आई थी। इसी दौरान उसने लड़की चांदनी निवासी बिलौली नानकारी सीतापुर की उम्र पूछी, जिस पर लड़की पक्ष नाराज हो गया। आरोप है कि लड़की के पिता रमेश कुमार ने नेहा का गला पकड़ लिया और मुकेश ने मारपीट का प्रयास किया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

डॉ. दिनेश शर्मा के साथ आईआईए के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

स्वदेशी उद्योग आर्थिक शक्ति के प्रतीक: डॉ. शर्मा

बाराबंकी, अमृत विचार : पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा गुरुवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कुर्सी रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के तत्वावधान में उद्यमियों ने उनसे भेंट कर औद्योगिक विकास और स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन पर चर्चा की। डॉ. दिनेश शर्मा ने उद्यमियों की पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वदेशी उद्योग न केवल आत्मनिर्भर भारत की नींव हैं, बल्कि देश की आर्थिक शक्ति के भी प्रतीक हैं। इस अवसर पर आईआईए औद्योगिक क्षेत्र के अध्यक्ष राजेश तिवारी, उपाध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, राष्ट्रीय सचिव प्रमित कुमार सिंह, सचिव अमन अग्रवाल, सार्थक अग्रवाल, उमेश राय एवं अमित अग्रवाल सहित कई उद्योगपति उपस्थित रहे।

हादसों में तीन लोगों की थमीं सांसें, दो लोग घायल

बाराबंकी: अमृत विचार : अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गये।

हैदरगढ़ प्रतिनिधि के अनुसार, लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर खरसतिया गांव के निकट बुधवार की रात लगभग सवा दस बजे बाइक सवार युवक की डिवाइडर से टकराकर मौत हो गई। पुलिस ने उसे सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव की शिनाख्त अनिकेत तिवारी (25) निवासी मोमिनपुर थाना शिकारा सदर जौनपुर के रूप में हुई है। निन्दूरा प्रतिनिधि के अनुसार, बड्डूपुर थाना क्षेत्र के रीवा सीवां कस्बे के पास हुई। पिपरौली निवासी सुनील कुमार (31) रात में बाइक से घर लौट रहे थे, तभी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस ने सुनील को सीएचसी घुंघटेर पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उधर, असंद्रा क्षेत्र के पलौली निवासी उदयभान सिंह उर्फ गुड्डू (48) का शव बाराबंकी-हैदरगढ़ मार्ग पर नूरपुर के पास मिला। पुलिस के अनुसार, उन्हें किसी अज्ञात वाहन ने रौंद दिया था। सफदरगंज प्रतिनिधि के अनुसार, उधौली ओवरब्रिज पर कार की टक्कर से युवक-युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान बीरू (25) निवासी बीकापुर थाना दरियाबाद और लक्ष्मी (20) निवासी पूरेबरजोर थाना रामसनेहीघाट के रूप में हुई।

तीन वाहन टकराये बाल-बाल बचे सवार

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर गुरुवार रात करीब 9 बजे ट्रैक्टर, बस व कार टकरा गये। हादसे में कार के परखचे उड़ गए वहीं वाहन सवार लोग बाल-बाल बच गए। गोरखपुर निवासी आदित्य मिश्रा पत्नी और चालक के साथ लखनऊ जा रहे थे। मोहम्मदपुर कीरत चौराहे के निकट बस ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर से कार आगे जा ट्रैक्टर से टकरा गयी। गनीमत रही कि कार सवार बाल-बाल बच गये। हादसे के बाद बस का चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए। बस में सवार गोरखपुर निवासी प्रीतम दास ने बताया कि वह साथियों के साथ खाटू श्याम के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए बस से जा रहा था।

सरकार का निर्णय गन्ना किसानों के लिए वरदान

● जनपद के किसानों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ देते किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रामबाबू द्विवेदी।

अमृत विचार : गन्ना मूल्य में हुई वृद्धि को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास लखनऊ में किसान संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद के किसान प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिनंदन करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा गन्ने के दाम में 30 रुपये प्रति कुंतल की वृद्धि के निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया।

किसानों ने कहा कि यह ऐतिहासिक फैसला प्रदेश के गन्ना उत्पादक किसानों के लिए वरदान साबित होगा, जिससे उन्हें लगभग 3000 करोड़ का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों की समृद्धि ही राज्य की प्रगति का आधार है। सरकार किसानों की आय दोगुनी करने और कृषि को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। कार्यक्रम में किसानों की ओर से भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह और प्रदेश महामंत्री रामबाबू द्विवेदी ने मुख्यमंत्री को हल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। जनपद बाराबंकी से पहुंचे किसान प्रतिनिधिमंडल में अशोक कुमार, आशुतोष, नवीन, आशीष वर्मा, राम मूर्ति निषाद, रवि उपाध्याय, भवन कुमार, राजा राम निषाद, राकेश मिश्र, रामनाथ कोरी, धरासिंह यादव, विनोद वर्मा और हंसराज त्रिपाठी शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान राजेश पांडेय, रामसहाय और संतोष बाजपेई (अमोली हिसामपुर) ने मुख्यमंत्री के समक्ष किसानों की समस्याओं और सुझावों को प्रमुखता से रखा। इस अवसर पर अशोक शुक्ला, अमित सिंह, श्रवण शुक्ला सहित अनेक जनप्रतिनिधि, किसान नेता और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार सवार दबंगों ने युवक पर किया हमला

बाराबंकी: अमृत विचार : कार सवार दबंगों ने हमला कर युवक को घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। थाना सुबेहा क्षेत्र के रहने वाले राघवेंद्र मिश्रा पुत्र सुरेश कुमार मिश्रा ने पुलिस को बताया कि वह गुरुवार को अपनी कार से कार्यालय जा रहे थे। नगर पंचायत सुबेहा के समीप पहुंचने पर बृजेश सिंह व अर्पित ने तीन कारों पर सवार करीब एक दर्जन दबंगों ने उसे रोक लिया और पीटा। वह किसी तरह जान बचाकर कार्यालय पहुंचा तो विपक्षियों ने वहां भी पहुंचकर मारपीट की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घायल का चिकित्सकीय परीक्षण कराया है।

प्राथमिकता से किया जाए उद्यमियों की समस्याओं का समाधान

बाराबंकी: अमृत विचार : जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने गुरुवार को आयोजित जिला स्तरीय उद्योग बंधु एवं श्रम बंधु समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता और समयबद्धता के साथ किया जाए। बैठक में यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र कुर्सी रोड और माती में सड़क, नाली, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, फायर स्टेशन व सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के समयांतर्गत और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम नवाबगंज आनंद कुमार तिवारी, उपायुक्त उद्योग, सहायक श्रमायुक्त, उपायुक्त वाणिज्य कर, व्यापारी व उद्यमीगण उपस्थित रहे।

अतिक्रमणमुक्त होगा शहर : डीएम

बाराबंकी, अमृत विचार : डीएम शशांक त्रिपाठी ने वाणिज्य बंधु समिति की बैठक में यातायात और बाजार व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने शहर के प्रमुख चौराहों को अतिक्रमणमुक्त करने के निर्देश दिए। डीएम शशांक त्रिपाठी ने कहा कि दुकानदारों ने दुकानों के सामने अतिक्रमण कर रखा है, जिससे आमजन को परेशानी होती है।

फंदे से लटका मिला किशोरी का शव

बाराबंकी, अमृत विचार : घुंघटेर थाना क्षेत्र में एक किशोरी का शव फांसी के फंद से लटकता मिला। घर पहुंचे भाई से यह खबर परिजनों को मिली तो कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम दिकोलिया में रहने वाले स्वर्गीय अमृत लाल गौतम की 15 वर्षीय पुत्री लक्ष्मी बुधवार दोपहर घर में अकेली थी। स्कूल से घर पहुंचे छोटे भाई शोभित ने घर के एक कमरे में छत के कुंडे से बने दुपट्टे के फंदे से बहन को लटका देखा तो शोर मचाने लगा। बाहर गई मां कुसुमा को घर पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई।

कॉलोनी में घर से आभूषण और नकदी चोरी

बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली नगर क्षेत्र के देवा रोड स्थित कॉलोनी में एक बंद मकान का ताला तोड़कर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। चोरी की घटना में चोर सोने की अंगूठी, एक सोने का लॉकेट तथा 50 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। जानकारी के अनुसार संदीप कुमार पुत्र श्रीरामचन्द्र मूल निवासी ग्राम औरंगाबाद पुरवा थाना फतेहपुर बीते कई महीनों से जिला मुख्यालय पर कमल विहार कॉलोनी में किराए पर रह रहे हैं। 25 अक्टूबर को दिनदहाड़े घर में चोरी हुई। उस समय संदीप डॉ. रेनू अस्पताल में ड्यूटी पर थे। अगले दिन सुबह जब वह घर पहुंचे तो चोरी की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही पीड़ित ने तत्काल 100 नंबर पर कॉल कर पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद पुलिसकर्मी, विद्यालय के छात्र व स्टाफ। ● अमृत विचार

नए आपराधिक कानून पर जागरूकता कार्यक्रम

सफदरगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना सफदरगंज क्षेत्र में फतेहचंद इंटर कॉलेज में "दंडसेन्यायकीओर" विषयपरजागरूकताकार्यक्रमआयोजितकियागया।पुलिसअधिकारीछात्रोंकोनएकानूनोंकेप्रावधानोंकीजानकारीदीऔरकानूनकेप्रतिजागरूकरहनेकासंदेशदिया।कार्यक्रममेंवाद-विवादप्रतियोगिताभीहुई, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अधिकारियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों की सराहना की और उन्हें समाज में जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

कुश्ती में अजीमुद्दीन अशरफ इस्लामिया कॉलेज का दबदबा

बाराबंकी, अमृत विचार : जनपदीय कुश्ती प्रतियोगिता गुरुवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित हुई, जिसमें अजीमुद्दीन अशरफ इस्लामिया इंटर कॉलेज, जीआईसी निंदूरा, जीआईसी बेलहरा, लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज दरियाबाद, नेशनल इंटर कॉलेज फतेहपुर और यूपीएस रसूलपुर के खिलाड़ियों ने भाग लिया। सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में पुरुष और महिला दोनों वर्गों के विजेताओं की घोषणा हुई। पुरुष वर्ग में शौर्य प्रताप सिंह, हम्मा सिद्दीकी, चंदन, प्रिंस गौतम, मोहम्मद असद, रितेश कुमार, सत्यम सिंह, मोहम्मद आदिल, मोहम्मद अर्श, रोहन, हिमांशु भारती, सलाउद्दीन, विपिन कुमार, हर्षित यादव सहित कई खिलाड़ियों ने मुकाबले जीते। महिला वर्ग में कसक, रेखा, राकिया बानो, अनामिका मिश्रा, बबीता, आराधना मिश्रा, तैयबा, संध्या गौतम, स्वाति देवी, इकरा फातिमा, आरोही कनौजिया, सौम्या झा, साधना पाल, संजू, कशिश और सृष्टि वर्मा विजयी रहीं। प्रतियोगिता में अजीमुद्दीन अशरफ इस्लामिया इंटर कॉलेज के खिलाड़ियों ने अधिकतर मुकाबलों में जीत हासिल कर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया।

सिटी डायरी

कारागार का निरीक्षण करने जाते डीएम व एसपी।

डीएम और एसपी ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

बाराबंकी : अमृत विचार : जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने गुरुवार को संयुक्त रूप से जिला कारागार बाराबंकी का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मुख्य द्वार की सुरक्षा व्यवस्था, बैरकों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, भोजन और पेयजल की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने महिला बैरक और किशोर सदन का भी निरीक्षण कर बंदियों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। डीएम ने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएँ निर्धारित मानकों के अनुसार नियमित रूप से संचालित हों तथा बंदियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। दोनों अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा और स्वच्छता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिविर में जानकारी देते श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को आगे बढ़ाने का लें संकल्प

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला महिला चिकित्सालय में गुरुवार को महिला कल्याण और महिला स्वच्छता एवं सैनेटरी पैड के उपयोग विषय पर विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा. अरूना सिंह, अस्पताल प्रबंधक एस.पी. तिवारी, अस्पताल कर्मचारी, आम जनमानस व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी मौजूद रहे। श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह ने अपील की कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लें।

डॉक्टर सीए जावेद को बधाई देते अंकुर माथुर।

सीए जावेद बने ग्राउंड एवं पिच कमेटी के अध्यक्ष

बाराबंकी, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने कानपुर स्थित लैंडमार्क होटल में अपनी वार्षिक सामान्य बैठक आयोजित की। इस बैठक में बाराबंकी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. सी. ए. जावेद को ग्राउंड एवं पिच कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर बाराबंकी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के चेयरमैन अख्तर अजीज खान, अध्यक्ष जतिन वर्मा, कोषाध्यक्ष राजेश अरोड़ा बब्बू, अंकुर माथुर, अफाक अली, तारिक जिलानी, जतिन गुप्ता, सरफराज और मो. आसिफ सहित अन्य सदस्यों ने उन्हें बधाई दी।

युवा सम्मेलन | **राष्ट्र पुनर्जागरण का आंदोलन है आत्मनिर्भर भारत अभियान**

स्वदेशी उत्पादों का उपयोग बढ़ाएं युवा : मुकेश

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

युवा सम्मेलन को संबोधित करते एमएलसी व मुख्य अतिथि मुकेश शर्मा।

अमृत विचार : अयोध्या हाईवे पर लक्ष्बरबजहा स्थित सिटी लॉ कॉलेज में गुरुवार को भाजयुमो के तत्वावधान में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि एमएलसी मुकेश शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान केवल आर्थिक नीतिगत कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह राष्ट्र पुनर्जागरण का आंदोलन है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह अभियान नई सोच, नए आत्मविश्वास और नए युग की शुरुआत है। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक स्वावलंबन प्राप्त करना भी है। एमएलसी शर्मा ने कहा कि जब देश का युवा अपने कार्य, विचार और कर्म से आत्मनिर्भर बनेगा, तभी सशक्त भारत का निर्माण संभव होगा। उन्होंने युवाओं से वोकल फॉर लोकल को जीवनशैली में शामिल करने और स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों व स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। विशिष्ट अतिथि भाजयुमो प्रदेश महामंत्री हर्षवर्धन सिंह ने कहा कि युवा मोर्चा का यह अभियान युवाओं को राष्ट्रहित में समर्पित करने का माध्यम है। अध्यक्षता भाजयुमो जिलाध्यक्ष रोहित सिंह ने की। कार्यक्रम के अंत में युवाओं को 12 बिंदुओं पर आधारित संकल्प दिलाया गया। संचालन जिला मंत्री अरुण रावत ने किया। इस अवसर पर हर्षवर्धन सिंह, अम्बरीष रावत, सूरज भान, अनुज वर्मा, प्रमोद गोस्वामी, कृष निगम, महेश यादव, प्रेम कुमार और हरिकेश दीक्षित सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुरुद्वारे से निकाली गई प्रभात फेरी

बाराबंकी, अमृत विचार : गुरुवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा लाजपत नगर द्वारा सिख धर्म के प्रथम गुरु धन धन श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व से पूर्व प्रातः प्रभात फेरी निकाली गई। इस फेरी में महिलाएं, पुरुष और बच्चे ढोलक-मंजीरे बजाते हुए और शब्द कीर्तन करते हुए लाजपत नगर गुरुद्वारे पहुंचे। गुरुद्वारे पहुंचने पर अरदास की गई और उसके बाद चाय-छोले का लंगर वरताया गया।

प्रभात फेरी में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

बहाने बनाकर मुआवजा देने से नहीं बच सकतीं बीमा कंपनियां
- 10

यूपी वेस्ट सर्किल में जियो के 2.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल सब्सक्राइबर : ट्राई- 10

शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन पर टैरिफ घटाकर 47 प्रतिशत किया
- 11

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने के बाद दूसरे मैच में भारत के हौसले बुलंद
- 12

आज का मौसम
24.0° अधिकतम तापमान
22.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.17
सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी 10:03 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 271, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

अमेरिका से बेहतर भारत निर्मित हार्ट स्टेंट, वैश्विक स्तर पर मान्यता

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

- अंतर्राष्ट्रीय बाजार के अग्रणी स्टेंट की तुलना में उच्च जोखिम वाले रोगियों के लिए बेहतर कार्य किया

भारत में निर्मित नई पीढ़ी के हार्ट स्टेंट ने अमेरिका में निर्मित अंतर्राराष्ट्रीय बाजार के अग्रणी स्टेंट की तुलना में उच्च जोखिम वाले रोगियों के लिए बेहतर कार्य किया है। इसके साथ ही संबंधित भारतीय चिकित्सा नवाचार ने वैश्विक स्तर पर एक बड़ी पहचान हासिल कर ली है।

बुधवार को यहां संपन्न हुए हार्ट रोग विशेषज्ञों के एक वैश्विक सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसमें जाने-माने भारतीय हृदय रोग विशेषज्ञ एवं दिल्ली के बत्रा अस्पताल के चेयरमैन एवं डीन डॉ. उपेन्द्र कौल ने भारत में 'टक्सेडो-2' नामक एक परीक्षण के परिणाम प्रस्तुत किए, जिसमें भारत में निर्मित नई पीढ़ी के हार्ट स्टेंट 'सुप्राफ्लेक्स क्रुज' की तुलना अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अग्रणी अमेरिका के 'एक्सिएंस' नामक स्टेंट से की गई। डॉक्टर कौल के नेतृत्व में यह परीक्षण 66 भारतीय हृदय रोग केंद्रों में आयोजित किया गया। इसमें विशेष रूप से अत्यधिक जटिल स्थिति वाले रोगियों, जैसे मधुमेह व उन्नत बहु-वाहिका रोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि परीक्षण में शामिल 80 प्रतिशत लोगों को त्रि-वाहिका रोग था। भारतीय उपकरण के लिए परिणाम अत्यधिक सकारात्मक रहे।

अफगानिस्तान की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के लिए भारत प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

- पाकिस्तान से तनाव के बीच विदेश मंत्रालय का बड़ा बयान
- जम्मू कश्मीर पर ओआईसी के बयान को सिरे से खारिज किया

भारत ने गुरुवार को कहा कि वह अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत का यह बयान अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच आया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, पाकिस्तान इस बात से नाराज है कि अफगानिस्तान अपने क्षेत्रों पर संप्रभुता का उपयोग कर रहा है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को लगता है कि उसे दंड से मुक्ति के साथ सीमा पार आतंकवाद को अंजाम देने का अधिकार है। उन्होंने कहा, इसके पड़ोसी इसे अस्वीकार्य मानते हैं। भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस महीने की शुरुआत में काबुल पर पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष शुरू हो गया था। अफगानिस्तान ने हमले का कड़ा जवाब दिया जिसके बाद संघर्ष बढ़ गया। वहीं, भारत ने जम्मू कश्मीर के बारे में इस्लामिक सहयोग संगठन के बयान को खारिज कर कहा है कि संगठन को भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। ओआईसी ने हाल ही में जम्मू कश्मीर पर पाकिस्तान का राग अलापते हुए कहा था कि भारत ने जम्मू कश्मीर पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है।

चाबाहर बंदरगाह पर अमेरिकी प्रतिबंधों में भारत को मिली 6 माह की छूट

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर चल रही कवायद के बीच चाबहार बंदरगाह पर प्रतिबंध के मामले में भारत को अमेरिका से बड़ी तात्कालिक राहत मिली है जिसमें अमेरिका ने बंदरगाह के संचालन पर लगाए गए प्रतिबंधों में छह महीने की छूट दे दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा, अमेरिका ने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र की ईरान पर परमाणु कार्यक्रम को लेकर लगायी गई पाबंदियों के मद्देनजर भारत के चाबाहार बंदरगाह के संचालन को लेकर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। भारत ने इस बंदरगाह को संचालन के लिए दस वर्ष के लिए लीज पर लिया हुआ है।

दो रूसी तेल कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभावों का अध्ययन जारी

नई दिल्ली। कच्चे तेल की उसकी खरीद किफायती कीमतों पर विविध स्रोतों से ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने पर आधारित है और वह रूसी तेल कंपनियों 'लुकोइल' तथा 'रोसनेफ्ट' पर अमेरिका द्वारा लगाए गए नवीनतम प्रतिबंधों के प्रभावों का अध्ययन कर रहा है। रणधीर जायसवाल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब संकेत मिल रहे हैं कि भारतीय रिफाइनरी धीरे-धीरे सब्सिडी वाले रूसी कच्चे तेल की खरीद कम कर रही हैं और अमेरिका से पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर विचार कर रही हैं।

ब्रीफ न्यूज

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने गुरुवार को बोर्ड परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा करते हुए बताया कि 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। सीबीएसई ने पहली बार परीक्षा शुरू होने से 110 दिन पहले डेटशीट जारी की है। दसवीं की परीक्षा 17 फरवरी से 10 मार्च तक और 12वीं की 17 फरवरी से 09 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। सीबीएसई ने कहा कि दोनों कक्षाओं में विद्यार्थियों द्वारा लिए जाने वाले दो विषयों के बीच पर्याप्त अंतराल दिया गया है। मूल्यांकन के दौरान, सभी विषयों के शिक्षक एक साथ और लंबे समय तक अपने विद्यालय से दूर नहीं रहेंगे। डेटशीट तैयार करते समय 40,000 से अधिक विषय संयोजनों को ध्यान में रखते हुए डेटशीट तैयार की गई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत अगले सीजेआई नियुक्त

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को गुरुवार को भारत का 53वां प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया और वह 24 नवंबर को पदभार ग्रहण करेंगे। केंद्रीय कानून मंत्रालय के न्याय विभाग ने एक अधिसूचना जारी करके उनकी नियुक्ति की घोषणा की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति गवई का स्थान लेंगे, जो 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत अगले 15 महीने तक प्रधान न्यायाधीश के पद पर रहेंगे।

शौर्य व संस्कृति का प्रेरणास्थल बनेगा शिवाजी महाराज संग्रहालय : योगी

मुख्यमंत्री ने की संस्कृति विभाग की समीक्षा, जनवरी तक निर्माण पूरा करने के निर्देश

- 7डी तकनीक से दिखेगी शिवाजी की 'ग्रेट एस्केप' गाथा, आधुनिक प्रस्तुति में झलकेगा स्वतंत्रता संग्राम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

संस्कृति विभाग के मंत्री और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगरा में बन रहा छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय भारत के शौर्य, स्वाभिमान और सांस्कृतिक वैभव का प्रेरणास्थल बनेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि भवन निर्माण कार्य जनवरी तक हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि संग्रहालय का स्वरूप समय से निखर सके।

योगी ने गुरुवार को अपने आवास पर संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि यह संग्रहालय केवल इतिहास का स्थिर प्रदर्शन न होकर भारत की गौरवगाथा का जीवंत अनुभव होना चाहिए। हर गैलरी ऐसी थीमैटिक और इंटरएक्टिव हो, जहां दर्शक सिर्फ देखने वाले न रहकर भारत की आत्मा को महसूस करने वाले सहभागी बनें। योगी ने 'शिवाजी एवं द ग्रेट एस्केप गैलरी' में 7डी तकनीक, डिजिटल साउंड और विजुअल इफेक्ट्स के माध्यम से आगरा किले से शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक मुक्ति का सजीव चित्रण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अनुभाग शिवाजी महाराज के स्वराज्य संकल्प और वीरता का प्रतीक बने। मुख्यमंत्री ने संस्कृति विभाग और निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिया कि परियोजना की साप्ताहिक समीक्षा करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय सीमा और गुणवत्ता में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय आगरा की पहचान को नई ऊंचाई देगा और उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक गौरव का जीवंत प्रतीक बनेगा।

मुख्यमंत्री ने 'अग्रदूतों की गैलरी' में 1857 के अमर सेनानियों रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहेब, तात्या टोपे जैसे वीरों की गाथा आधुनिक तकनीक से प्रदर्शित करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह गैलरी उन अग्रदूतों को समर्पित होगी, जिन्होंने स्वतंत्रता की नींव रखी। इसी तरह, 'त्योहारों की गैलरी' में काशी की देव दीपावली, ब्रज का रंगोत्सव और प्रयागराज का महाकुंभ जैसे प्रमुख पर्वों को ध्वनि, संगीत, प्रकाश और रंगों के माध्यम से जीवंत रूप में दिखाया जाएगा। 'नदियों की गैलरी' में गंगा, यमुना, सरयू जैसी नदियों से जुड़ी आस्था और लोक जीवन का चित्रण होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय का हर स्थापत्य तत्व उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतिनिधि बने। उन्होंने 'आगरा गैलरी' में शहर की स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रदर्शित करने और 'ओरिएंटेशन गैलरी' को संग्रहालय की प्रस्तावना के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। योगी ने कहा कि संग्रहालय अतीत का संग्रह नहीं, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा केंद्र बनेगा।

संग्रहालय की विशेष गैलरियां

- **शिवाजी एवं द ग्रेट एस्केप गैलरी :** 7डी तकनीक से शिवाजी की वीरता का सजीव चित्रण
- **अग्रदूतों की गैलरी :** 1857 के सेनानियों की गाथा आधुनिक तकनीक से
- **त्योहारों की गैलरी :** देव दीपावली से महाकुंभ तक, उत्सवों का जीवंत अनुभव
- **नदियों की गैलरी :** गंगा और यमुना की आस्था और लोक जीवन का सजीव चित्रण
- **आगरा गैलरी :** मुगल स्थापत्य से आधुनिक आगरा तक की झलक

कांग्रेस-राजद नेता छठी मैया का कर रहे अपमान

छपरा/मुजफ्फरपुर, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने का लगाया आरोप
- मुजफ्फरपुर और छपरा में अपनी रैलियों में विपक्ष पर जमकर बरसे मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बिहार में विपक्षी दल कांग्रेस-राजद गठबंधन पर छठी मैया का अपमान करने, अयोध्या में राम मंदिर से समस्याएं होने और वोट बैंक तथा तुष्टिकरण की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने मुजफ्फरपुर और छपरा में अपनी रैलियों में यह टिप्पणी की।

उनका यह बयान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा बुधवार को यह आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद आया है कि प्रधानमंत्री ने छठ पूजा के अवसर पर दिल्ली में यमुना में डुबकी लगाने की योजना बनाकर नाटक करने की कोशिश की, लेकिन यह बात उजागर होने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया कि नदी अस्वच्छ होने के कारण एक गड्ढा बनाकर उसमें साफ पानी भरा गया है।

प्रधानमंत्री ने राज्य के लोगों से 'नरेन्द्र-नीतीश' गठबंधन में अपना विश्वास बनाए रखने का आग्रह किया। उनका स्पष्ट इशारा जद(यू) अध्यक्ष की ओर था, जो बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं। मुजफ्फरपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, छठ पूजा अब दुनिया भर में प्रसिद्ध है और छठ के बाद यह बिहार का मेरा पहला दौरा है। यह पर्व न केवल भक्ति का प्रतीक है बल्कि समानता का भी प्रतीक है। यही कारण है कि मेरी सरकार इस पर्व को यूनेस्को विरासत का दर्जा दिलाने का प्रयास कर रही है। मोदी ने कहा, मैं यात्रा के दौरान छठ के गीत सुनता हूं। एक बार नागालैंड की एक लड़की द्वारा गाए गए इन गीतों में से एक को सुनकर मैं भावुक हो गया था। लेकिन जब आपका यह बेटा यह सुनिश्चित करने में व्यस्त है कि छठ को उसका उचित सम्मान मिले तब कांग्रेस-राजद के लोग इस पर्व का उपहास उड़ा रहे हैं और इसे नाटक, नौटंकी कह रहे हैं।

दरअसल कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जिले में एक चुनावी रैली की थी और दिल्ली में यमुना के किनारे छठ पूजा के आयोजन का हवाला देते हुए कहा था कि एक तरफ यमुना नदी में गंदा पानी था और बगल में साफ पानी का तालाब बनाया गया था ताकि प्रधानमंत्री उसमें नहाकर 'ड्रामा' कर सकें, जबकि उन्हें छठ पूजा से कोई लेनादेना नहीं है। गांधी ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं, यहां तक कि नाच भी सकते हैं।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 1 से 15 नवंबर तक मनाया जाएगा भारत पर्व

गुजरात : राष्ट्रीय एकता दिवस परेड को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल करती पुलिस बल की टुकड़ी।

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास पुलिस टुकड़ियों की लेंगे सलामी

सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में देश में एक से 15 नवंबर तक 'भारत पर्व 2025' मनाया जाएगा। नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड की तर्ज पर हर साल 31 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्मस्थली गुजरात के एकता नगर में भव्य परेड के साथ मनाया जाएगा।

यह परेड मूलरूप से भारत की एकता की परेड होगी, जो देश के सर्वोच्च आदर्शों को जमीन पर उतारने का एक माध्यम होगी। यह वार्षिक कार्यक्रम देश के युवाओं को सरदार पटेल के सिद्धांतों और राष्ट्र के लिए उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के बारे में शिक्षित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। शुक्रवार को होने वाले समारोह के दौरान प्रधानमंत्री मोदी 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास से मार्च करती विभिन्न पुलिस टुकड़ियों की सलामी लेंगे। शुक्रवार की परेड में महिला पुलिस अधिकारी टुकड़ियों का नेतृत्व करेंगी, तथा विभिन्न राज्यों और अर्धसैनिक बलों के कर्मी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण टीम एक शानदार 'एयर शो' प्रस्तुत करेगी, जो परेड का मुख्य आकर्षण होगा। देश भर से 900 कलाकार अपनी सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने पेश करेंगे।

ऑडिशन के बहाने 17 बच्चे बनाए बंधक, आरोपी ढेर

मुंबई, एजेंसी

- मुंबई में 15 वर्ष की आयु के लड़कों और लड़कियों को आरोपी ने बुलाया था

पवई इलाके में गुरुवार को एक स्टूडियो के अंदर बंधक बनाए गए 17 बच्चों और दो व्यक्तियों को मुक्त करा लिया गया और इस अभियान के दौरान पुलिस गोलीबारी में घायल हुए आरोपी ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। बच्चों को बंधक बनाने के आरोपी की पहचान 50 वर्षीय रोहित आर्य के रूप में हुई।

आर्य पर पुलिस ने उस समय गोली चलाई जब वह 'एयर गन' से बच्चों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावडे ने बताया कि टीम ने बचाव अभियान चलाया और सभी बच्चों को सुरक्षित मुक्त करा लिया। गुरुवार दोपहर एलएंडटी बिल्डिंग के पास आर ए स्टूडियो में एक घंटे से ज्यादा समय तक नाटकीय स्थिति बनी रही। आर्य ने 15 वर्ष की आयु के लड़कों और लड़कियों को एक वेब सीरीज के 'ऑडिशन' के लिए बुलाया था।

आरोपी ने वीडियो किया था जारी

पुलिस के स्टूडियो में घुसने से पहले, आर्य ने एक वीडियो जारी किया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। आर्य ने कहा, मैं रोहित आर्य हूं। आत्महत्या करने के बजाय, मैंने एक योजना बनाई और कुछ बच्चों को बंधक बना लिया। मेरी बहुत ही साधारण मांगें हैं। बहुत ही नैतिक मांगें। मेरे कुछ सवाल हैं। मैं कुछ लोगों से बात करना चाहता हूं और उनके जवाबों के आधार पर, अगर कोई प्रति-प्रश्न हों, तो मैं उनसे पूछना चाहता हूं। तुम्हारी तरफ से जरा सी भी गलती मुझे इस पूरी जगह को आग लगाने के लिए मजबूर कर सकती है, मैं मरूं या न मरूं, बच्चों को बेवजह चोट पहुंचेगी।

कार सवार दंपत्ति ने 2 किमी दौड़ाकर गिग वर्कर को कुचला

- बेंगलुरु में दिल दहला देने वाली वारदात, टक्कर मारने के आरोप में दंपति गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु में कार सवार दंपत्ति ने जान बूझकर स्कूटी सवार एक 24 वर्षीय गिग वर्कर टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दंपत्ति ने टक्कर मारने के लिए उसका दो किमी तक पीछा किया था। गिग वर्कर्स उन श्रमिकों को कहा जाता है जिनका काम अस्थायी होता है।

हादसे में उसका दोस्त घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि बदला लेने की इस घटना को जानबूझकर अंजाम दिया गया था। 25 अक्टूबर को रात साढ़े 11 बजे पुट्टेनहल्ली थानाक्षेत्र में हुई इस घटना के सिलसिले में पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोपहिया वाहन सवारों ने पहले कार को टक्कर मारी थी, जिससे उसका साइड मिरर टूट गया था। गुस्से में आकर दोपहिया वाहन का पीछा किया था।

साक्षात्कार | आईआईटी कानपुर निदेशक मनिंद्र अग्रवाल ने कहा- बारिश कराने के लिए रसायनों की बहुत कम मात्रा का होता है उपयोग

कृत्रिम बारिश एसओएस उपाय, मानव व पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

आईआईटी-कानपुर के निदेशक मनिंद्र अग्रवाल ने कहा है कि कृत्रिम बारिश (क्लाउड सीडिंग) अत्यधिक प्रदूषण से निपटने के लिए एक संकटकालीन (एसओएस) उपाय है और यह तकनीक मनुष्यों या पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं है, क्योंकि इसमें बारिश कराने के लिए रसायनों की बहुत कम मात्रा का उपयोग होता है।

अग्रवाल की टीम ने हाल ही में दिल्ली में कृत्रिम बारिश परीक्षणों का नेतृत्व किया था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के निदेशक ने एक साक्षात्कार में कहा कि हालांकि दोनों प्रयासों से कृत्रिम वर्षा नहीं हुई, लेकिन इससे भविष्य के कार्यों के लिए मूल्यवान डेटा और वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। उन्होंने कहा, इससे हमें कृत्रिम बारिश के लिए इस्तेमाल की गई सामग्री की मात्रा, बादलों की नमी और उनके जमीनी स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव के बीच के संबंध को समझने में मदद मिलती है। इससे हमें भविष्य के कार्यों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। अग्रवाल ने बताया कि बादलों में नमी की मात्रा कम होने के कारण यह कवायद रोक दी गई।

उन्होंने कहा, हमें बादलों में कम से कम 30 से 50 प्रतिशत नमी की आवश्यकता है। चूंकि यह उपलब्ध नहीं थी, इसलिए हमने स्थिति में सुधार होने तक प्रतीक्षा करने का निर्णय लिया। अग्रवाल ने कहा कि अनुकूल मौसम होने पर परीक्षण पुनः शुरू किए जाएंगे। पर्यावरण या स्वास्थ्य संबंधी खतरों के बारे में आशंकाओं को दूर करते हुए अग्रवाल ने कहा कि बादलों में छिड़के जाने वाले मिश्रण में मुख्य रूप से साधारण नमक और थोड़ी मात्रा में सिल्वर आयोडाइड होता है। हम 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक किलोग्राम से भी कम सिल्वर आयोडाइड का उपयोग करते हैं - प्रति वर्ग किमी 10 ग्राम से भी कम। यह इतना कम है कि इसका मनुष्यों, पशुओं या वनस्पतियों पर कोई हानिकारक प्रभाव नहीं पड़ेगा। अग्रवाल ने स्वीकार किया कि कृत्रिम बारिश वायु प्रदूषण का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। यह एक एसओएस उपाय है, जिसका उपयोग केवल तभी किया जा सकता है जब प्रदूषण का स्तर बहुत अधिक हो और उपयुक्त बादल उपलब्ध हों। वास्तविक समाधान उत्सर्जन को कम करने और स्रोत पर प्रदूषण को नियंत्रित करने में निहित है। पर्यावरणविदों ने मिट्टी और पानी में सिल्वर आयोडाइड के संचयन की संभावना के बारे में चिंता व्यक्त की है जो फसलों, जलीय जीवन और पेयजल की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है।

2017-18 में कानपुर में किए थे सफल परीक्षण

अग्रवाल ने कहा कि प्रयुक्त सांद्रता नगण्य है और इससे पारिस्थितिकीय जोखिम उत्पन्न नहीं होता। उन्होंने कहा कि संस्थान ने इससे पहले 2017-18 में कानपुर में सफल परीक्षण किए थे, लेकिन दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में यह इस तरह का पहला प्रयोग है। दिल्ली सरकार ने आईआईटी कानपुर के सहयोग से मंगलवार को बुराड़ी, उत्तरी करोल बाग और मयूर विहार में कृत्रिम बारिश के दो परीक्षण किए लेकिन बारिश नहीं हुई।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

क्रय केंद्रों का हाल: कहीं तौल नहीं तो कहीं केंद्र प्रभारी नदारद

नवीन गल्ला मंडी पर मौजूद किसान बोले, एक सप्ताह से तौल है बाधित, किया हंगामा, लहरपुर के कई धान क्रय केंद्रों पर पसरा सन्नाटा

अमृत विचार पड़ताल

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

धान क्रय केंद्रों पर अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। ऐसे में नगर स्थित नवीन गल्ला मण्डी में किसानों ने सप्ताह भर से तौलाई में बाधा होने का दावा करते हुए हंगामा काटा। गनीमत रहा कि समय से उपजिलाधिकारी सदर पहुंच गईं, किसी तरह तौल शुरू कराई गई, उधर लहरपुर तहसील क्षेत्र के धान क्रय केंद्रों पर जिम्मेदार ही नदारद मिले। किसानों का दावा है कि बिचौलियों की तौल की जा रही है।

नवीन गल्ला मण्डी स्थित धान क्रय केंद्र पर किसान नेता पिंदर सिंह, गुरुपाल सिंह सहित कई अन्य मिले। पूछने पर दावा किया कि एक सप्ताह से ट्रालियों में धान लगे हुए हैं। बारिश और तेज हवाओं के बीच किसी तरह अनाज को बचाया जा रहा है। कब तौलाई होगी, कोई बताने को तैयार नहीं है। यहीं पर खैराबाद के रमेश, सुरेश और बीहगौड़ के अशोक भी थे। इनका दावा था कि तौल की रोक से ट्राली का अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ रहा है, क्योंकि अधिकतर किसान ट्रालियां किराए पर लेकर आए है। उधर, बढ़ते विरोध और हंगामें की सूचना पर एडीएम सदर धामिनी एम दास मौके पर पहुंचीं, उन्होंने डिप्टी आरएमओ उदय प्रताप सिंह को निर्देश दिए, इसी के बाद स्थितियां सामान्य हो सकीं।

डीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपते किसान संगठन के पदाधिकारी और सदस्य।

तंबौर क्रय केंद्र पर खड़ीं धान लदी ट्रालियां और पसरा सन्नाटा। अमृत विचार

किसानों ने किए घाल-मेल के दावे

लहरपुर तहसील क्षेत्र स्थित मण्डी समिति तंबौर रेउसा निवासी केशव मिले। पूछने पर बताया कि धान तौल कराने आया हूं। कोड़वा धमधमपुर निवासी रामलखन पाल बताते हैं कि हमारा धान बिसवां तहसील स्थित केंद्र पर नहीं बिक सका, तो यहां तौल कराने आया हूं। किसान आलोक कुमार का दावा है कि 74 कुंटल का सत्यापन कराया है। ट्राली में इतना ही धान है, बाधित तौल के कारण मौसम से धान भीगकर सड़ने का खतरा है। केंद्र पर बोरियां लदी थी। केंद्र प्रभारी पवन मिश्रा नदारद थे, फोन पर बातचीत करने पर बताया कि वे खाद का पेमेंट जमा करने बैंक में हूं, इसलिए वितरण में विघ्न है।

किसान नेताओं ने सौंपा ज्ञापन: भारतीय किसान यूनियन (राष्ट्रवादी) संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रामराखन मौर्य समर्थकों के साथ तहसील सदर पहुंचे। डीएम को संबोधित पत्र किसान नेता ने किसानों के साथ मिलकर दिया। मांग करते हुए कहा कि केंद्रों पर हो रही कालाबाजारी पर तत्काल रोक लगाई जाए, ताकि किसानों का शोषण बंद हो सके। इस दौरान बृजलाल, कल्लू, संजय कुमार, वीरेंद्र, नीरज आदि किसान मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

शराबी की पिटाई से पत्नी की हालत गंभीर

लहरपुर, सीतापुर : कस्बे में शराबी ने अपनी पत्नी की बुरी तरह पिटाई कर दी। गंभीर अवस्था में उसे स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। पुलिस ने मामले में केस दर्ज करते हुए पड़ताल शुरू की है। बिसवां कोतवाली क्षेत्र की ग्राम बसैहा पोस्ट हथिया गाजीपुर निवासी सुनीता देवी के मुताबिक, उसका विवाह केसरीगंज निवासी सत्यप्रकाश के साथ हुआ था। उसके तीन पुत्री व एक पुत्र है। देर रात उसके शराबी पति सत्यप्रकाश और ससुराल के अन्य लोगों ने निर्ममता पूर्वक पिटाई की। कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है, जांच कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने मवेशी तस्कर को किया गिरफ्तार

सीतापुर, अमृत विचार : बिसवां इलाके में भैंस चुराकर ले जाने वाले गिरोह का एक सदस्य का गिरफ्तार किया गया। क्षेत्राधिकारी अमन सिंह ने बताया कि चेकिंग के दौरान बिसवां कोतवाली क्षेत्र के मियांगंज निवासी असगर अली पुत्र बरकत अली कुरैशी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से भैंस और पड़िया बरामद की गई है।

एकता की दौड़ में शामिल होने की अपील

सीतापुर, अमृत विचार : सरदार पटेल की 150 जयंती पर सीतापुर शहर दौड़ेगा। इसे लेकर एसपी अंकुर अग्रवाल ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि कदम से कदम मिलाने का समय आ गया है। शुक्रवार सुबह सात बजे सरदार पटेल चौराहा नेपालापुर से रन फार यूनिटी आरंभ होगी। एकता की इस दौड़ में सभी क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल होंगे। जिसमें कोतवाली नगर पुलिस, महिला थाना पुलिस रिक्रूट्स और आमजन भी शामिल होगा।

खेत में कटी हुई धान की फसल। अमृत विचार

बारिश से धान की फसल को खतरा

अमृत विचार टीम, सीतापुर : 24 घंटे से हो रही बारिश के कारण रोजमर्रा के कार्य प्रभावित हुए। ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों पर आंशिक असर भी देखने को मिला। शहर में सुबह से लेकर देर शाम तक बारिश की बाधा बनी रही। बारिश के चलते जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में अन्य दिनों की अपेक्षा सन्नाटा पसरा रहा। क्षेत्रीय प्रशासनिक कार्य भी प्रभावित हुए। पुलिस कार्यालय में नाम मात्र के ही फरियादी पहुंचे। यहीं हाल जिला अस्पताल में देखने को मिला। लगभग तीन हजार से अधिक रोजाना होने वाले रूटीन टेस्ट 792 में ही सिमट गए। बस अड्डे के बाहर पानी भरने से यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। उधर, जनपद में दूसरे दिन भी बारिश जारी रही। हल्की बारिश ने ठंड तो बढ़ाई साथ ही ठंडी हवाओं से धान की फसल को भी खतरा बढ़ गया। संजय, कुंवारे, रमेश, सहजू, बदलू, राधेलाल, मटरू सहित अन्य किसानों ने धान की फसल को नुकसान पहुंचने की बात बताई है।

बच्चों को यातनाएं दीं, अस्पताल में भर्ती

सीतापुर, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के खपरैला गांव में शराबी ने अपनी पत्नी के साथ बच्चों को अमानवीय यातनाएं दी, बिगड़ी हालत में बच्चों को मां ने जिला अस्पताल में लाकर भर्ती कराया। भर्ती हुए बच्चों में प्रज्ञा, अर्पित, अजीत और हर्षित शामिल हैं। सुनीता का कहना है कि उसका पति मिथुन अत्यधिक शराब का सेवन करता है। जमीन-जायदाद न होने के कारण परिवार मिथुन की मजदूरी पर आश्रित है। ऐसे में जब मिथुन काम पर नहीं जाता तो मारपीट करता है। इधर कई दिनों से घर में खाने को नहीं है। बच्चों के साथ मारपीट के कारण कान और शरीर के अन्य हिस्सों में तकलीफ है।

खंती में गिरा बारातियों से भरा वाहन, 8 घायल

रफ्तार की मार

- **सिधौली कोतवाली क्षेत्र में हुआ हादसा, पांच लोग लखनऊ रेफर**

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार: बारात लेकर लौट रही वैन अनियंत्रित होकर खंती में पलट गई। सिधौली कस्बा स्थित ईदगाह के नजदीक हुए हादसे में 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पांच बरातियों को गंभीर अवस्था में लखनऊ ट्रामा सेंटर ले जाया गया है।

सिधौली कोतवाली क्षेत्र के भंडिया से मोहम्मद दानिश की बारात लखनऊ स्थित नौबस्ता गई थी। बताते हैं कि विवाह के उपरांत बराती कुछ बराती वैन से लौट रहे थे। जिसमें मोहम्मद दानिश पुत्र मोहम्मद अहमद परिवार के लोग भी थे। वाहन सिधौली कस्बे के ईदगाह के पास पहुंची, तभी अचानक वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया से टकराकर सड़क किनारे खंती में पलट गई। हादसे के बाद वाहन सवार वाहन में फंस गए। किसी तरह राहगीरों की मदद से हसीन बानो पत्नी फरीद अहमद, मेहविश पुत्री फरीद अहमद, रजिया पुत्री फुरकान, सल्तनत पुत्री फुरकान, अक्सा पुत्री फुरकान, मुजम्मिल पुत्र फुरकान, तौफीक पुत्र रमजान और ईशा पुत्री उस्मान को बाहर निकाला गया। अफरातफरी के बीच सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली ले जाया गया। जहां हसीन बानो, मेहविश, रजिया, सल्तनत, अक्सा और मुजम्मिल की हालत गंभीर होता देख उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर भेजा गया है।

खंती में पलटा वाहन। अमृत विचार

ई-रिक्शा पलटा, मासूम की मौत

इमलिया सुल्तानपुर : इमलिया सुल्तानुर इलाके में ई रिक्शा पलट गया। सड़क हादसे में एक की मौत हो गई, चार लोग गंभीर भी हैं। ई-रिक्शा में कोतवाली देहात क्षेत्र के नेपालापुर निवासी विनोद उसका भाई गुड्डू, बहन विनीता और रीता सहित उसकी पांच वर्षीय बच्ची क्रांति सवार थे। ये सभी लोग अपनी रिश्तेदारी में गए थे, जहां से वापस लौट रहे थे। वाहन अचानक हेमपुर नेरी के नजदीक पहुंचकर सड़क पर आए गड्ढे में पहिया जाने से पलट गया। ई रिक्शा पलटने सभी लोग सड़क पर गिरकर वाहन में फंस गए। राहगीरों की मदद से ई रिक्शा सीधाकर घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां पांच वर्षीय क्रांति को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अन्य का उपचार हो रहा है।

शील्ड और प्रमाण पत्र लेती छात्रा। अमृत विचार

निबंध प्रतियोगिता में रोशनी ने मारी बाजी

रामपुर मथुरा, सीतापुर : एकता दिवस और सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में दो दिन पूर्व ही गोण्डा देवरिया स्थित बाबा बालकराम इण्टर कालेज में सरदार बल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व व कृतित्व पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें इंटरमीडिएट के 58 छात्र, छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में छात्रा रोशनी को प्रथम, दिव्या राजपूत को द्वितीय तथा सुधा वर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। परीक्षा का आयोजन हिंदी प्रवक्ता वीरेंद्र शुक्ल व चक्रेश पाण्डे तथा संस्कृत प्रवक्ता रविन्द्र कुमार सिंह व सूरज वर्मा की देखरेख में आयोजित हुई। मुख्य अतिथि प्रभारी निरीक्षक रामपुर मथुरा संजय कुमार पांडे द्वारा तीनों बच्चों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य एबी सिंह, वीरेंद्र शुक्ल मौजूद रहे।

रूस भेजने के नाम पर सवा लाख ठगे

लहरपुर, सीतापुर : रूस में कार्य करने का वीजा दिलाने के नाम पर एक लाख 27500 रुपए की ठगी का आरोप लगाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कराया है। नगर के मोहल्ला कटरा नई आबादी निवासी मोहम्मद जकी पुत्र मोहम्मद समी के मुताबिक, लखनऊ के पुरनिया निवासी सद्दाम हुसैन और फैजान इजहान इमीग्रेशन में कार्य करते हैं उन लोगों ने रूस में काम करने के लिए जाने के लिए वीजा दिलाने के नाम पर 1 लाख 27500 रुपए ठग लिए हैं। आरोप है कि 60 दिन के भीतर वीजा दिलाने का भरोसा दिया था, अब उक्त लोग उसका फोन नहीं उठा रहे हैं।

छात्र-छात्राओं को जानकारी देते क्षेत्राधिकारी। अमृत विचार

नया कानून बेटियों को दे सुरक्षा : विशाल गुप्ता

लहरपुर, सीतापुर : कोतवाली पुलिस द्वारा खेमकरन इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं को भारतीय न्याय संहिता के लागू होने के एक वर्ष पूर्ण होने पर दंड से न्याय की ओर कार्यक्रम क्षेत्राधिकारी विशाल गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस मौके पर उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए क्षेत्राधिकारी विशाल गुप्ता ने भारतीय न्याय संहिता की जानकारी देते हुए बताया कि अब दंड के स्थान पर न्याय की व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता में महिला और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है और इनसे संबंधित अपराधों में सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह ने बताया कि 83 अपराधों में जुर्माने की रकम बढ़ाई गई है। साथ ही 33 अपराधों में सजा की अवधि बढ़ाई गई है। इस मौके पर प्रमुख रूप से प्रधानाचार्य नीरज पांडे, शिक्षक गजराज वर्मा, रीता देवी, जनार्दन दत्त शुक्ला, राजेश सिंह, दिलीप कुमार व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

जिला जज ने किया जेल का निरीक्षण

सीतापुर, अमृत विचार: जनपद न्यायाधीश कुलदीप सक्सेना की अध्यक्षता में जिला कारागार सीतापुर का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर., पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल व अपर जिला जज नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे। जिला कारागार में जेल अधीक्षक सुरेश कुमार सिंह व जेलर राजेश कुमार वर्मा, सहित अन्य जेल अधिकारीगण भी उपस्थित रहें। निरीक्षण के दौरान महिला बैरक, किशोर बैरक सहित अन्य बैरकों का निरीक्षण कर बन्दियों से बातचीत की गई।

किसानों को प्रशिक्षण देने के दौरान मौजूद वन क्षेत्राधिकारी व अन्य। अमृत विचार

किसानों को वनीकरण और पौधशाला का प्रशिक्षण

बिसवां/ लहरपुर, सीतापुर : बिसवां पौधशाला में वृक्षारोपण महाभियान के तहत वनीकरण और पौधशाला का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। वनक्षेत्राधिकारी ने किसानों को प्रशिक्षण संबंधी जरूरी जानकारियां भी साझा कीं। कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय वन अधिकारी एके सिद्दीकी की अध्यक्षता में हुआ। इसमें विकास खण्ड बिसवां, सकरन और रेउसा के ग्राम विकास विभाग के अधिकारी, कर्मी, प्रधान और किसान सम्मिलित हुए। पौध उगान, रोपण, बीज, थैला भरान सहित अन्य जानाकारियां दी गईं। इस मौके पर उप क्षेत्रीय वन अधिकारी आदित्य सिंह चौहान, एसके शैलेश सहित अन्य वन अधिकारी सम्मिलित थे। उधर, इसी कड़ी में लहरपुर स्थित रेंज कार्यालय परिसर में क्षेत्रीय वन अधिकारी अभिषेक सिंह की अध्यक्षता में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। पौध शाला के रख रखाव की विस्तार से जानकारी दी गई।

ऐप के माध्यम से दें शिक्षा की जानकारी

सीतापुर, अमृत विचार: कलेक्ट्रेट सभागार में राजकीय माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य की स्कॉलर प्लानेट ऐप के संबंध जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में ऐप के माध्यम से शैक्षिक गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जाये। प्रधानाचार्य स्वयं ऐप की उपयोगिता को समझें एवं शिक्षकों, छात्र-छात्राओं को सक्रिय रूप से जोड़ें। उन्होंने कहा कि स्कूलों जो भी सुविधाओं की कमी है, उसको सुविधाओं को जल्द से जल्द पूर्ण कराया जायेगा, जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षा मुहैय्या करायी जा सके।

कार्यों में शिथिलता हुई तो होगी कार्रवाई: डॉ. अरविंद

लहरपुर, अमृत विचार: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गोल्डन कार्ड, टीकाकरण व स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुचारु बनाने के उद्देश्य से बैठक की गई। अधीक्षक डॉ. अरविंद वाजपेई ने फैमिली प्लानिंग, नियमित टीकारण, उपकेंद्रों पर दवाई वितरण, ई कवच, आयुष्मान कार्ड सहित सभी स्वास्थ्य सेवाओं की बिंदुवार समीक्षा की। आयुष्मान आरोग्य मंदिर, एमसीडी स्कैनिंग, ओपीडी में 70 साल से ऊपर सभी का गोल्डन कार्ड बनाना, सी बैक फॉर्म भरना, टीकाकरण सत्र को अपडेट रखने के लिए निर्देशित किया और कहा कि अगले सप्ताह सभी कार्यों की समीक्षा की जाएगी। यदि कार्यों में कोई भी शिथिलता पाई गई तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मरीजों से मिलने वाली दवाइयों की जानकारी ली। बैठक डॉ. आदित्य कुमार, फार्मासिस्ट दिनेश गुप्ता, बीपीएम गौरव सक्सेना, बीसीपीएम मनोज कुमार, एसके चौधरी, डब्लूएचओ मॉनीटर, यूनिसेफ मॉनिटर सहित सभी स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

शातिरों ने समेटी लाखों की गृहस्थी

सीतापुर, अमृत विचार : महमूदाबाद कोतवाली में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अत्याधुनिक संसाधनों और तकनीकी सुविधा से लैस मित्र पुलिस की सक्रियता के तमाम दावों के बावजूद चोरों के हौसले इन दिनों बुलंद हैं। खाकी का मुखबिर तंत्र भी इन दिनों काम नहीं आ रहा। शातिर लगातार पुलिसिया इकबाल को दुस्साहसिक वारदातों को अंजाम देकर जमींदोज कर रहे हैं। मंगलवार देर रात महमूदाबाद कस्बे के अमीरगंज मोहल्ले में चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू करी है।

मोहल्ला अमीरगंज निवासी हिमांशु वर्मा अपनी बहन के घर लखनऊ गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने घर की रेकी कर वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से करीब 60 हजार नकद, घरेलू सामान और आठ से दस लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। सुबह होने पर गृहस्वामी को जानकारी हुई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का मुआयना किया और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए। क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद वेद प्रकाश श्रीवास्तव का कहना है कि वारदात के खुलासे के लिए टीमें लगी हैं, जल्द वर्कआउट किया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले भी मोहल्ला कुरैशी टोला में करीब दस लाख रुपये की चोरी की वारदात हो चुकी है। कमोबेश कस्बा और उससे सटे इलाकों में भी कई वारदातें हुई, जिनका खुलासा पुलिस अब तक नहीं कर सकी। सूत्रों की माने तो कई घटनाएं ऐसी भी हैं, जिनका जिक्र पुलिस ने अपने रोज़नामचे पर नहीं किया। हाल फिलहाल लगातार बढ़ रही चोरी, टप्पेबाजी और लूट की वारदातों से लोगों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर खासा नाराजगी है।

सीतापुर डायरी

युवक पर जानलेवा हमला, मौत

रामपुर मथुरा, सीतापुर : थाना रामपुर मथुरा क्षेत्र के ग्राम पाडुखा मजरा समदा में हुए जानलेवा हमले युवक की मौत हो गई। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की है। रामपुर मथुरा थानाक्षेत्र के ग्राम पाडुखा निवासी संदीप सिंह पुत्र विमल प्रकाश सिंह पर पुरानी रंजिश के चलते हमला हो गया। जानलेवा हमले में पाडुखा निवासी शुभम सिंह पुत्र पंकज सिंह, और छतवार निवासी मुरारी पुत्र राम अवतार पर आरोप हैं। हमले में घायल संदीप सिंह को गंभीर अवस्था में लखनऊ ट्रामा सेंटर ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान संदीप ने दम तोड़ दिया। रामपुर मथुरा थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी शुभम सिंह को जेल भेजा जा चुका है।

बंदरों से तंग ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

सीतापुर, अमृत विचार : विकासखंड पिसावां के गुरसंडा और आसपास के इलाकों में बंदरों की बढ़ते हमले से परेशान ग्रामीणों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। बंदरों को पकड़कर जंगल में छोड़ने की मांग की। गुरसंडा निवासी ग्रामीण लाल मणि मिश्रा के नेतृत्व में गांव वासी कलेक्ट्रेट पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि पिसावां के अलावा मुल्लाभीरी, अमजदपुर, नेवदिया सहित अन्य गांव में बंदर लगातार फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। लोगों को काट भी रहे हैं। हमले के कारण कई ग्रामीण जख्मी हो चुके हैं। बड़ी संख्या में बच्चे डरकर स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई-लिखाई भी बाधित हो रही है। समस्या से निजात पाने के साथ ही स्वास्थ्य केंद्र पर एंटी-रेबीज इंजेक्शन बढ़ाए जाने की भी मांग की गयी है।

एसडीएम से अन्नपूर्णा भवन के निर्माण स्थल पर जताई आपत्ति

मिश्रिख, सीतापुर : विकासखंड मिश्रिख के ग्राम पंचायत नरसिंघौली निवासी सुनील अवस्थी ने उपजिलाधिकारी मिश्रिख को प्रार्थना पत्र देकर अन्नपूर्णा भवन के निर्माण स्थल पर आपत्ति जताई है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में निर्मित किए जा रहे अन्नपूर्णा भवन का स्थान चयन गलत तरीके से किया गया है। सुनील अवस्थी ने प्रशासन से तत्काल निर्माण कार्य को रुकवाने और जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

गड़बड़झाला: सकरन इलाके में ऑनलाइन हाजिरी पर उठे सवाल

बिसवां, सीतापुर : बाढ़ व कटान प्रभावित क्षेत्रों में अजब खेल रहे हैं। कभी मोमबत्ती, कभी राशन तो कभी स्टड निर्माण में घोटाले को लेकर आंदोलन हुए। इधर मनरेगा कार्य चर्चाओं में है। ताजा मामला बिसवां तहसील के सकरन से जुड़ा है। तब जबकि डीएम के आदेश मातहतों को है। दो दिन से बारिश का सामना लोग कर रहे हैं। ऐसे में फसलों को सुरक्षित रखना भी किसी चुनौती से कम नहीं, इस बीच मनरेगा में नया खेल हो गया। ग्रामीणों का दावा है कि जब इतना खराब मौसम है तो अच्छे मौसम का फोटो वो भी बड़ी संख्या में जमा मजदूरों के साथ कैसे अपलोड हो गया। सकरन ब्लाक की ग्राम पंचायत कंकर कुई में 74 मनरेगा मजदूर छोटेलाल के खेत से नरसारी, पुलिया से जुलाहन पुरवा, कटन्नी बाग से झब्बू कहार के खेत तक तीन चकबंद कार्य होना बताया गया। वहीं, दावा है कि खम्हरिया खुन खुन में शंकर दयाल के खेत से मायाराम के खेत तक चकबंद निर्माण पर 37 मनरेगा मजदूरों की हाजिरी नियमों से इतर भरी गई। इसी क्रम में ग्राम पंचायत भिठमनी में कधीले के खेत से सोने के खेत तक चकबंद निर्माण पर 30 मनरेगा मजदूरों को काम करते हुए हाजिरी भरी गई। उधर, इस मामले में एपीओ विकास श्रीवास्तव ने कहा कि मुझे लगता है कि ऐसा नहीं हुआ है फिर भी प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए मामले में जांच कराई जाएगी।

तीन शातिरों को किया गिरफ्तार

सीतापुर, अमृत विचार : एसपी के निर्देश पर अलग अलग स्थानों से तीन शातिर गिरफ्तार किये गए। थाना लहरपुर पुलिस टीम द्वारा रामजीवन निवासी मो0 अम्बरसराय थाना लहरपुर और कलामू पुत्र ईतवारी निवासी गौरा झबरा नई बस्ती थाना ईसानगर जनपद लखीमपुर खीरी को असलहा और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया गया। बताया कि पकड़े गए शातिरों के विरूद्ध पूर्व में भी लूट, चोरी, अवैध शस्त्र, गैंगेस्टर एक्ट, गुण्डा एक्ट, एनडीपीएस एक्ट जैसे कई अभियोग जनपद सीतापुर व जनपद लखीमपुर खीरी के विभिन्न थानों पर पंजीकृत हैं।

पहले आओ पहले पाओ के तहत मिलेगा योजनाओं का लाभ

संवाददाता, सीतापुर, अमृत विचार : जिला उद्यान अधिकारी राजश्री ने बताया कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनान्तर्गत कृषि गन्ना, गेहूं, सरसों /औद्यानिक शाक भाजी, आलू, मटर, आम आदि फसलों में कृषकों को पहले आओ पहले पाओ के तहत किसानों को पोर्टेबल स्प्रिंकलर, ड्रिप, मिनी स्प्रिंकलर और रेनगन आदि सिंचाई उपकरणों की स्थापना पर अनुदान दिया जाएगा। इसके जरिए सिंचाई करने पर भूगर्भ जल की बचत होगी। ड्रिप/स्प्रिंकलर सिस्टम के सेट पर लघु, सीमांत किसानों को 90 व सामान्य किसान को 80 फीसद अनुदान दिया जाएगा। किसानों को पर ड्राप मोर क्रॉप माइक्रो इरीगेशन योजना का लाभ लेने के लिए www.upmip.in पर विजिट करना होगा एवं शासन की ओर से स्वीकृत फर्म/संस्था के माध्यम से किसानों की सिंचाई प्रणाली स्थापित की जायेगी।

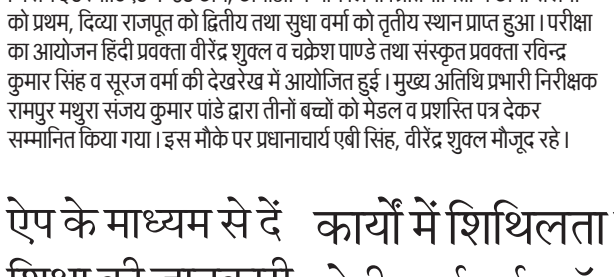

गोपाष्टमी पर पूजन-अर्चन करते लोग। अमृत विचार

गोपाष्टमी पर गौशालाओं में हुआ भव्य आयोजन

नेरी, सीतापुर : गोपाष्टमी के पावन पर्व पर कारीपाकर स्थित व नेरी गौशाला में धार्मिक उल्लास और आस्था के साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर केसरिया हिंदू वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने गौमाता की विधिवत पूजा-अर्चना कर गोसेवा का संकल्प लिया। गौशाला परिसर को फूलों, तोरण और दीपों से सजाया गया था। भक्तों ने सुबह से ही गौसेवा और पूजा में भाग लेना शुरू कर दिया। इस अवसर पर केसरिया हिंदू वाहिनी के कुलदीप बाजपेई ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की जीवंत प्रतीक हैं। वहीं, नेरी गौशाला मे ग्राम प्रधान नूर हसन शाह द्वारा गोवंशो की पूजा कर हवन किया गया व गौवंशो को गुड़ चना व फल खिलाये गए। इस अवसर पर पिसावां ब्लॉक प्रमुख मिथलेश यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज मिश्रा, सर्वेश वर्मा, ग्राम पंचायत सचिव ओम प्रकाश, शिवराम राममूर्ति शर्मा, जमुना प्रसाद, शशिकांत शुक्ला विदुर सिंह, सरोज शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

हिंदू संगठनों ने जतायी नाराजगी

लहरपुर, सीतापुर: ग्राम मुशियाना में चल रही भागवत कथा में लगे लाउडस्पीकर पर आपत्ति करने वालों पर हिन्दू संगठनों में आक्रोश है। मुशियाना में नीरज भार्गव के घर कथा का आयोजन किया गया। भारतीय हिंदू परिषद के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने गांव पर पहुंच कर लाउडस्पीकर पर आपत्ति किए जाने पर काफी नाराजगी जताई, मौके की स्थिति को देखते हुए ग्राम प्रधान आलम व इस्माइल ने खेद प्रकट करते हुए माफी मांगी। जिला अध्यक्ष विश्व सनातन आर्मी अमन मिश्रा ने बताया कि सनातन धर्म और हमारी संस्कृति परंपराओं का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विकास कार्यों का जायजा लेकर उपजिलाधिकारी को निर्देश देते जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर। अमृत विचार

नवागत डीएम ने लिया विकास कार्यों का जायजा

संवाददाता, सीतापुर, अमृत विचार : नवागत डीएम डॉ. राजा गणपति आर. ने तीर्थ नगरी नैमिषारण्य पहुंचकर मां ललिता देवी मंदिर में माथा टेका, फिर पर्यटन से जुड़े विकास कार्यों का जायजा लिया। कुछ विशेष निर्देश भी उपजिलाधिकारी को देते देखे गए। नवागत डीएम चार्ज लेने के दूसरे दिन नैमिषारण्य पहुंचे। पूजन अर्चन के बाद साधु संतों से संवाद स्थापित किया। फिर तीर्थ नगरी का भ्रमण किया। हैलीपैड से लेकर अन्य कार्यों का जायजा लिया। जरूरी जानकारी एसडीएम मिश्रिख शैलेंद्र कुमार मिश्रा से लेकर कुछ स्थानों पर श्रमिकों से भी बातचीत की। निर्माण कार्यों से जुड़े तथ्य भी हासिल किये। इस दौरान उपजिलाधिकारी मिश्रिख सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

अखिल भारतीय हिंदू महासभा का शपथ ग्रहण समारोह आज

रायबरेली : वरिष्ठ समाजसेवी और सरेनी ब्लॉक के पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख शैलेंद्र अग्निहोत्री ने बताया कि शुक्रवार को होटल गोल्डन दीप में अखिल भारतीय हिंदू महासभा का शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय नारायण भट्ट और विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संयोजक अनिल कुमार शर्मा एवं महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष रेखा निषाद हैं। महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के संगठनात्मक चुनाव के उपरांत शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हो रहा है। शैलेंद्र अग्निहोत्री को अखिल भारतीय हिंदू महासभा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है।

कवि सम्मेलन एक नवम्बर को

डलमऊ : शंभू मुखिया स्मृति सेवा संस्थान के तत्वावधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन एक नवम्बर को ब्लाक प्रांगण में सायं आठ बजे से किया गया है। कवि सम्मेलन एवं मुशायरा में प्रख्यात कवि डॉ. सुरेश (नोएडा), डॉ विनोद श्रीवास्तव (कानपुर), डॉ. अशोक अज्ञानी (लखनऊ), डॉ. रामानंद सागर (अयोध्या), डॉ. रामशंकर वर्मा (लखनऊ), डॉ. प्रतिभा इंदु (भिवाड़ी, राजस्थान), नाज़ प्रतापगढ़ी, राम नारायण रमण (डलमऊ), जय चक्रवर्ती, सुधीर बेकस, अज़हर, रमाकांत (रायबरेली), गोविन्द गज़ब (सरेनी) आदि प्रतिभाग करेंगे। सम्मेलन में अनेक स्थानीय कवि भी काव्यपाठ करेंगे। कार्यक्रम में रिटायर्ड पुलिस आफिसर रमेश भारतीय का नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। यह जानकारी कवि वाई. वेद प्रकाश ने दी।

रंजिशन दो पक्षों में मारपीट, केस दर्ज

लालगंज : कोतवाली लालगंज क्षेत्र के सुआ खेड़ा गांव में पारिवारिक विवाद को लेकर भाइयों में मारपीट हो गई। इसमें दोनों पक्षों के छह लोग घायल हुए हैं। एक पक्ष से चंद्रावती ने राकेश, राहुल, कौशल्या और अंकिता के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। दूसरे पक्ष से कौशल्या ने राज किशोर, मनोज, चंद्रावती और गुड़िया के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। आंचल, राज किशोर, गंगा प्रसाद, चंद्रावती, मनोज और कौशल्या को चोट आई है।

कार्यकर्ता सम्मेलन में बनी रणनीति

बछरावां : विकास क्षेत्र के अंतर्गत इचौली ग्राम सभा में जस्टिस पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्रपाल पासी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने आगामी पंचायत और 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर रणनीति तैयार की। राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्रपाल पासी ने कहा कि जस्टिस पार्टी पिछड़े वर्गों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्यालय की वार्षिक पत्रिका का लोकार्पण

बछरावां : उत्कर्ष पब्लिक इंटर कॉलेज में वार्षिक पत्रिका के द्वितीय संस्करण का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। अतिथियों को विद्यालय के संस्थापक भगवान कुमार अवस्थी ने माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र भेटकर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदेव प्रसाद यादव ने किया। यहां सीओ प्रदीप कुमार, ट्रेनी सीओ ऋतिक कपूर, नायब तहसीलदार उमेश त्रिपाठी, बीओबी शाखा प्रबंधक हनुमंत शरण त्रिपाठी, भाजपा जिला महामंत्री डॉ मारुति मिश्रा, पत्रकार त्रिभुवन नाथ मिश्रा आदि रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब में उतराता मिला युवक का शव

संवाददाता, सलोन (रायबरेली)

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के जौदहा मेले में पानी बेच रहे युवक का शव दो दिन बाद संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब में उतराता मिला है। परिजनों ने नहाने के दौरान डूबने से युवक की मौत की आशंका जताई है। करहिया चौकी अंतर्गत साहबगंज बाजार निवासी महेश कुमार (36) पुत्र रामफेर चार भाइयों में परिवार में सबसे छोटा लड़का था। युवक जौदहा मेले में रोजी रोटी की खातिर काउंटर लगाकर पाउच वाला पानी बेचता था। 28 अक्टूबर को रहस्यमय तरीके से लापता हो गया। परिजनों ने चौकी पुलिस को सूचना देने के बाद युवक की खोजबीन शुरू कर दी। गुरुवार की सुबह युवक का शव जगद्यनी तालाब में उतराता हुआ दिखाई दिया। मेला परिसर में मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। युवक अपने पीछे पत्नी और 3 बेटियां पायल, पलक, पल्लवी को छोड़ गया है।

हड़ताल पर अड़े अधिवक्ता, एसडीएम और सीओ से वार्ता बेनतीजा

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन लालगंज के वकील अपने साथी के साथ हुई मारपीट को लेकर आंदोलित हैं। तीन दिनों से हड़ताल चल रही है। उप जिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी ने क्षेत्राधिकारी अमित सिंह के साथ अपने कार्यालय में अधिवक्ताओं के साथ बैठक किया, लेकिन कोई भी हल नहीं निकल सका है। हालांकि अधिकारियों ने नरेंद्र अधिवक्ता की रिपोर्ट दर्ज करने का आश्वासन दिया है। लेकिन अधिवक्ता एसोसिएशन के महामंत्री सुरेश निगम ने बताया कि एफआईआर के साथ-साथ जब तक मारपीट करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

नहीं निकला हल

- घूम-घूम कर नारेबाजी की और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जताया आक्रोश

बैठक के पहले गुरुवार को भी अधिवक्ताओं ने तहसील में घूम-घूम कर नारेबाजी की और पुलिस प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया। वही सरेनी प्रभारी निरीक्षक रमेश चंद्र यादव ने बताया कि अधिवक्ता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र नाथ चौधरी, शैलेश त्रिवेदी, केपी सिंह, घनश्याम यादव, सरोज बाजपेई, अशोक शुक्ला, सुंदर बाजपेई आदि मौजूदरहे।

अधिवक्ताओं के साथ बैठक करते एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी। अमृत विचार

बारिश से किसान परेशान, खेतों में गिरी फसल

अन्नदाताओं की उड़ी नींद: मोंथा तूफान से जिलेभर में दिनभर हुई रिमझिम बरसात, कई गांवों में बिजली गुल

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। मोंथा तूफान का असर मैदानी भागों में भी होने लगा है। पिछले तीन दिन से आसमान में बादल छाए रहे। वहीं गुरुवार को सुबह से ही रिमझिम बरसात शुरू हो गई, जो दिनभर होती रही। इससे खेतों में तैयार धान की फसल को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा है। कुछ लोगों ने काट कर फैला दिया था। बारिश के कारण पूरी फसल भीग जाने से अन्नदाताओं की नींद उड़ गई है।

विगत तीन दिन से मौसम बदला था और रुक रुक कर हल्की बरसात हो रही थी, किंतु गुरुवार सुबह से लगातार रिमझिम बारिश हो रही है। जिसके कारण मौसम का तापमान भी गिरा और ठंडी बढ़ गई है। दिन भर हुई बरसात के कारण लोग घरों में दुबके रहे। नगर क्षेत्र के व्यवसाय पर भी इसका असर पड़ा और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में सन्नाटा पसरा रहा।

फसलों और सब्जियों को नुकसान, ऊंचाहार: बरसात के कारण खेतों में कटी पड़ी धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

बछरावां क्षेत्र में बारिश से खेत में गिरी धान की फसल। अमृत विचार

ऊंचाहार के कई भागों में खेतों में पानी भर जाने के कारण फसल डूब गई है। सबसे ज्यादा नुकसान रोहनिया विकास खंड के बकुलाही झील से प्रभावित क्षेत्रों में हुआ है। नजनपुर गांव के किसान होरीलाल पाल ने बताया कि कटी पड़ी फसल में पानी भर जाने से धान फूल जायेगा और काफी अनाज खेत में ही गिर जाएगा। सब्जी की खेती करने वाले किसानों ने बताया कि हरी मेथी , सोया , पालक, हरी धनिया आदि में पानी भर जाने से यह सब्जियां पीली पड़ जाएगी और हरी पत्तियां झड़ जाएगी। बरसात का विद्युत आपूर्ति पर भी असर पड़ा है। ऊंचाहार के जमुनापुर उपकेंद्र से गुरुवत सुबह से आपूर्ति बाधित है। जो देर शाम तक बहाल नहीं हो पाई है। बताया जाता है कि डलमऊ से जमुनापुर उपकेंद्र को आने वाली 33 केवीए विद्युत लाइन में खराबी है। अधिशाषी अभियंता धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि विद्युत लाइन ठीक करने की कोशिश की जा रही है।

बेमौसम बारिश से अन्नदाता परेशान, मदद की गुहार, बछरावां: बीते 24 घंटे से तेज हवा के साथ लगातार हो रही बारिश क्षेत्र के किसानों के लिए अभिशाप बन गई है। किसान आशीष मिश्रा (चुरुवा), प्रमोद शुक्ला (जीगो), विनीत द्विवेदी (बन्नावा), राजेश सिंह (खालेगाव), वीरेंद्र त्रिवेदी (सुदौली), सुधीर मिश्रा (पश्चिम गांव), शैलेंद्र मिश्रा (राजामऊ), लाला सिंह (इचौली), अनंत सिंह (उचौरी) आदि ने बताया कि लगातार 24 घंटे से हो रही इस बेमौसम बारिश के साथ तेज हवा ने हम सभी किसानो की सैकड़ो बीघे कटी एवं कटने के कगार पर खड़ी धान की फसल को चौपट कर दिया है। क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन एवं सरकार से प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग की है।

धान की फसल पर मंडराया संकट

जगतपुर, रायबरेली। गुरुवार को हुई तेज बारिश से खेतों में खड़ी धान की फसल पर विपरीत असर पड़ने लगा है। किसान रामसजीवन, नंदलाल, रामनरेश, प्यारेलाल और राजाराम साहू ने बताया कि बारिश से खेतों में पानी भर गया है, जिससे कटाई में भी देरी होगी। वहीं मनोज कुमार शुक्ला, संतोष कुमार और रमेश कुमार का कहना है कि अगर धूप नहीं निकली तो धान की गुणवत्ता घट जाएगी और बाजार में उचित मूल्य नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि पहले ही लागत बढ़ चुकी है, ऐसे में उपज खराब होने से भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है।

जगतपुर क्षेत्र में खेत में कटी पड़ी धान की फसल।

एनटीपीसी की 3 यूनिटें बंद, घटा उत्पादन

ऊंचाहार, रायबरेली। समुद्र में मोंथा तूफान का तटीय राज्यों से टकराने के बाद भारी तबाही हुई है, जिसका असर विद्युत मांग पर पड़ा है। इसलिए एक एक करके एनटीपीसी की ऊंचाहार परियोजना की कुल तीन यूनिटों को बंद कर दिया गया है। इस प्रकार से 1550 मेगावाट क्षमता वाली ऊंचाहार परियोजना का विद्युत उत्पादन 630 मेगावाट घट गया है। ग्रिड को नियंत्रित करने वाली संस्था नॉर्दर्न रीजन लोड डिस्पैच सेंटर ने एनटीपीसी की ऊंचाहार परियोजना में विद्युत उत्पादन घटाने का निर्देश दिया। इस निर्देश के क्रम में सबसे पहले 210 मेगावाट की क्षमता वाली यूनिट संख्या 2 को बंद किया गया। उसके बाद 210 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट संख्या 5 को भी बंद कर दिया गया। गुरुवार को 210 मेगावाट की ही क्षमता वाली यूनिट संख्या एक को भी बंद कर दिया गया है। इस प्रकार से 1550 मेगावाट की उत्पादन क्षमता वाली ऊंचाहार परियोजना में कुल 630 मेगावाट का उत्पादन घटा दिया गया है। एनटीपीसी के जनसंपर्क अधिकारी ऋषभ शर्मा ने बताया कि बिजली की मांग कम होने के कारण विद्युत उत्पादन घटाया गया है। मांग बढ़ते ही जल्द ही बंद की गई यूनिटों को चलाया जाएगा।

नाले पर बनी सर्विस लेन के चौड़ीकरण में बारिश बनी बाधा

सर्विस लेन से मिट्टी हटाती जेसीबी। अमृत विचार

संवाददाता, महराजगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। महराजगंज-इन्हौना मुख्य मार्ग पर कैर नइया नाले पर निर्माणाधीन पुल के बगल स्थित जर्जर हुए सर्विस लेन को विभाग ने दुरुस्ती व चौड़ीकरण का काम बुधवार से शुरू किया था। गुरुवार सुबह से ही हो रही लगातार बारिश के चलते ऊपर से डाली गई मिट्टी आने जाने वाले लोगों के लिए मुसीबत बन गई। मिट्टी की चिकनाहट से फिसलकर कई लोग गिर कर चोटिल भी हो गए।

बीते छह महीने से महराजगंज इंहौना मुख्य मार्ग पर नया पुल बनाने के लिए काम चल रहा है। लोगों को आने जाने के लिए सर्विस लेन भी बनाया गया है। बारिश में नइया नाले के जलस्तर बढ़ने से सर्विस लेन क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसे सुधारकर चौड़ाई बढ़ाने के लिए बाहर से मिट्टी डलवाई गई थी। बुधवार सुबह से लगातार हो रही बारिश से सर्विस लेन पर फिसलन बढ़ने से कई राहगीर गिर कर चोटिल हो गए। राहगीरों को हो रही परेशानी को देखते हुए विभाग के जेई ओपी गोड़ के निर्देश पर सर्विस लेन पर उपर से डाली गई मिट्टी को जेसीबी लगाकर हटाए जाने के बाद लोगों को आवागमन में राहत मिल सकी। मोन गांव निवासी धनंजय सिंह, अमरेश कुमार, रोहित, सुनील ने बताया कि रास्ते के चौड़ाई बढ़ाने के लिए इस मिट्टी की बजाय बालू या गिट्टी डाली जाए तो बेहतर रहेगा।

बीज के लिए इंतजार करते रहे किसान, कई लौटे मायूस

संवाददाता, सरेनी (रायबरेली)

अमृत विचार। खेतों में धान की फसल तैयार है। कई जगह कट भी गए हैं। ऐसे में किसान गेहूं की बुआई को लेकर तैयारी शुरू करने लगे हैं। इसके लिए जहां डीएपी के लिए चक्कर लगा रहे हैं। वहीं पहले से ही बीज लेने के लिए अन्नदाता बीज भंडारों में पहुंचने लगे हैं। इस दौरान सरेनी राजकीय बीज भंडार में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। कई किसान इंतजार करते रहे। बाद में नहीं मिलने पर मायूस होकर लौट गए।

बुधवार को गेहूं का बीज खरीदने के लिए बीज भंडार में सैकड़ों किसान सरेनी बीज भंडार में पहुंच गए। किसी तरह की असुविधा ना हो इसके लिए किसानों ने आधार कार्ड लेकर पंजीकरण पहले ही करा लिया, लेकिन भीड़ के कारण बीज लेने में पसीना छूट गया। दोपहर एक बजे तक 100 क्विंटल बीज का वितरण किया गया। खाद की मारामारी के बीच अब गेहूं के बीज को लेकर भी किसानों को चक्कर लगाना पड़ रहा है। इससे बचने के लिए किसान बुआई

राजकीय कृषि बीज भंडार सरेनी में गेहूं के बीज लेने के लिए उमड़े किसान।

के पहले गेहूं का बीज खरीद कर घर में रख लेना चाहते हैं। इस दौरान गेहूं की 187 व 222 दो प्रजातियां बीज भंडार में आने की जैसे ही किसानों को भनक लगी तो वह आवश्यक कागजात लेकर टूट पड़े। बीज लेने के लिए सबको जल्दी थी इससे किसान बीज भंडार में पहुंचकर अपनी बारी का इंतजार करने लगे। इस संबंध में गोदाम प्रभारी देशराज का कहना है कि अभी तक 100 क्विंटल बीज किसानों को वितरित किया गया है। किसानों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। पर्याप्त मात्रा में गेहूं का बीज मौजूद है। सबको उपलब्ध करा दिया जाएगा।

हत्या के मामले में दो भाइयों को आजीवन कारावास की सजा

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार। कोर्ट ने नसीराबाद थाना क्षेत्र से जुड़े हत्या के एक मामले में दोषसिद्ध होने पर आरोपी दो भाइयों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 10-10 हजार रुपए अर्थदंड भी लगाया। वहीं पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में आरोपी मां-बेटी को बरी कर दिया।यह फैसला जिला एवं सत्र न्यायालय स्थित कोर्ट संख्या एक के अपर सत्र न्यायाधीश कुशलपाल ने सुनाया। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी करने वाले एडीजीसी (क्रिमिनल) विवेक सिंह राठौर के मुताबिक मामले की रिपोर्ट नसीराबाद थाना क्षेत्र के पूरे ब्रह्मचारी मजरे बिरनावाँ निवासी लालाराम ने दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार वादी के छोटे भाई राजेंद्र की गांव के ही श्रवण कुमार से जमीनी रंजिश थी। 18 जून 2020 की शाम करीब चार बजे श्रवणकुमार,लालबाबू,लालती व रानी राजेंद्र द्वारा बनाए गए पिलर को गिराने लगे। मना करने पर सभी ने राजेंद्र पर प्राणघातक हमला कर दिया, मौके पर ही वादी के भाई राजेंद्र की मौत हो गई। पुलिस ने विवेचना के बाद नसीराबाद थाना क्षेत्र के पूरे ब्रह्मचारी मजरे बिरनावाँ निवासी श्रवण कुमार उसके भाई लालबाबू,बहन लालती व मां रानी के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी।कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर हत्या का आरोप सिद्ध होने पर आरोपी श्रवण कुमार व लालबाबू को आजीवन कारावास के साथ अर्थदंड की सजा सुनाई।वहीं आरोपी लालती व रानी को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

युवक की मौत से परिजनों में मचा कोहराम

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। महीनों से गायब लावारिश युवक की अचानक मौत की सूचना थाने से मिलने के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया। आक्रोशित परिजनों ने स्वास्थ्य महकमा व पुलिस पर समय से सूचना न देने जैसे कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

महराजगंज के चंदापुर थाना क्षेत्र के मऊ गर्वी के ग्रामीण उमानाथ सिंह, विकास मिश्रा, राजकुमार शर्मा, ओमप्रकाश सिंह भोलू के अनुसार शुभम पुत्र स्व. मनोज दो वर्ष पूर्व रोजी रोटी के चक्कर में दिल्ली गया था। शुभम तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। ग्रामीणों का कहना है कि जबसे वह दिल्ली गया तब से परिजनों से उसका कोई संपर्क नहीं हो सका। ग्रामीणों ने कहा कि बुधवार को चंदापुर पुलिस ने जब अचानक जिला अस्पताल में भर्ती शुभम की मौत होने की सूचना दी तो मृतक की मां मनोरमा व ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पाकर जिला अस्पताल पहुंचे परिजन व ग्रामीणों ने स्वास्थ्य महकमा व पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि भर्ती करने के दौरान इसकी सूचना परिजनों को नहीं दी गई। अस्पताल कर्मियों की लापरवाही, खान-पान व देखरेख के आभाव में मौत होने के बाद 29 अक्टूबर को इसकी सूचना परिजनों को दी गई। अस्पताल में भर्ती होने के दौरान परिजन के मौके पर मौजूद न होने से शुभम को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। यदि जिम्मेदारों ने समय से इसकी सूचना दी होती तो शायद शुभम आज जिंदा होता। मृतक के आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने सीएमओ को शिकायती पत्र देकर उपरोक्त मामले की जांच कराकर सभी दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर सख्त-से-सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

इस संबंध में सीएमओ डॉ. नवीन चंद्रा का कहना है कि पीड़ित परिजनों के शिकायती पत्र के आधार पर जांच कराकर संबंधित जिम्मेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लावारिश युवक की सूचना न देने का जिम्मेदार कौन: एंबुलेंस से लाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए लावारिश युवक की सूचना समय से परिजनों को न देना सवालिया निशान खड़ा रहा है। जबकि जिला अस्पताल में जीवित युवक शुभम को 19 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक इलाज चलता रहा। जिसकी 29 अक्टूबर को इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। अस्पताल में भर्ती किए गए लावारिश युवक की सूचना इमजरेंसी में उस वक्त ड्यूटी पर तैनात ईएमओ ने अस्पताल में स्थित चौकी में नहीं दी या फिर चौकी के पुलिस कर्मियों ने परिजनों को इसकी सूचना नहीं दी? फिलहाल यह जांच का विषय है।

जांच की मांग

- ग्रामीणों और परिजनों ने लगाया सूचना न देने का आरोप

चिकित्सालय में मौजूद मृतक के परिजन।

> अस्पताल में भर्ती लावारिश मरीजों की बेहतर देखभाल के लिए स्वास्थ्य कर्मी लगाए गए हैं। 19 अक्टूबर को एंबुलेंस से लाकर एक लावारिश को भर्ती कराया गया था। जिसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। जिसकी 29 अक्टूबर को मृत्यु हो गई। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं।
>
> -डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार, सीएमएस, जिला पुरुष चिकित्सालय रायबरेली।

बैठक डीएम-एसपी ने सुरक्षित और सुगम यातायात के दिए दिशा-निर्देश

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उठाएं आवश्यक कदम

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक चर्चा की गई और यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए गए। डीएम ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। हिट एंड रन मामलों में परिवहन विभाग को कराधान अधिनियम/नियमावली के अंतर्गत प्रतिकार कार्रवाई सुनिश्चित कराने के

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

निर्देश दिए गए।

बैठक का मुख्य एजेंडा राजमार्गों पर अवैध कटों को बंद कराने, पार्किंग व्यवस्था सुधारने, नेशनल हाईवे को मॉडल सेफ रोड के रूप में विकसित करने, ब्लैक स्पॉट्स के निवारण, अतिक्रमण हटाने तथा प्रवर्तन कार्रवाई को प्रभावी बनाने पर केंद्रित रहा। बैठक में हाईवे किनारे संचालित विद्यालयों के आसपास अवैध कटों पर विशेष चर्चा की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने बीएसए व डीआईओएस को निर्देशित किया कि स्कूलों में सुरक्षा गार्ड की तैनाती सुनिश्चित कराने के लिए विद्यालयो को निर्देशित किया जाए तथा समय समय पर विद्यालयों में संचालित पुराने वाहनों की फिटनेस भी जांची जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मानकविहीन व पुराने हो चुके वाहनों को सीज करने की कार्रवाई की जाए और रॉन्ग साइड चलने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे पर एंबुलेंस पेट्रोलिंग व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए।

बैठक के दौरान एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ, पीडब्ल्यूडी अधिशासी अभियंता महिपाल सिंह, डीआईओएस संजीव सिंह, एआरटीओ अरविंद यादव, ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह, एसीएमओ डॉ. अरविंद, बीएसए राहुल सिंह आदि उपस्थित रहे।

एनकार्ड की बैठक सम्पन्न

संवाददाता, रायबरेली। कलेक्ट्रेट सभागार में एनकार्ड की बैठक हुई। इसमें नशीली दवाओं, अवैध शराब निर्माण तथा अवैध अफीम खेती की रोकथाम के लिए अब तक हुई कार्रवाइयों की विस्तार से समीक्षा की गई और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई।जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर अवैध अफीम की खेती पाई जाए, वहां तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही नशीली दवाओं के अवैध व्यापार में लिप्त मेडिकल स्टोरों के विरुद्ध भी सख्त कदम उठाए जाएं।

पंखे के हुक से लटककर किशोरी ने दी जान

सलोन, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र में एक किशोरी ने घर के अंदर साड़ी को फंदा बनाकर घर में लगे पंखे के हुक से लटककर संदिग्ध परिस्थितियों में जान दे दी है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

क्षेत्र के दुबहन गांव निवासी खुशी (17) पुत्री मेवालाल ने संदिग्ध परिस्थितियों में छत के ऊपर बने कमरे में साड़ी का फंदा बना पंखे के हुक से लटककर जान दे दी। पुलिस ने बताया कि गुरुवार तड़के लगभग पांच बजे किशोरी सोकर उठी थी। जिसके बाद छत पर जाकर स्कूल जाने वाले बच्चो के नाश्ता बनाने की तैयारी करने लगी। इसी दौरान अचानक बगल के कमरे में जाकर खुदखुशी कर ली है। परिजनों ने बताया कि किशोरी सिलाई सीखने जाती है। इसके अलावा उन्हें कोई जानकारी नही है। कोतवाल राघवन कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

एनएच की मनमानी के चलते किसानों का लटक गया मुआवजा

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। एनएच के जिम्मेदारों की मनमानी का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। सेमरी चौराहा में लगभग 30 से 40 किसानों की रोड साइड बेस कीमती करोड़ों की जमीन सर्किल रेट कम होने के कारण कौड़ी के भाव चली गई। सारे कागजात लगभग एक वर्ष पहले ही जमा करा चुके हैं, लेकिन अभी तक उनके खातों में पैसा नहीं पहुंचा। इससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है।

सेमरी चौराहा निवासी अंजनी कुमार दीक्षित व अन्य लोगों की फाइलें सात से आठ माह तक कम्प्यूटर की खराबी के कारण रूकी रही। हर बार यही जवाब मिलता रहा कि कम्प्यूटर खराब है अभी ठीक नहीं हुआ। काश्तकार अंजनी कुमार दीक्षित ने इसकी शिकायत एडीएम न्यायिक रायबरेली से किया तब उन्होंने एक पत्र कानपुर के कार्यालय को लिखा। इसके बाद कहीं जाकर कम्प्यूटर ठीक हुआ। उनका आरोप है कि यहां के कर्मचारी किसानों को गुमराह किया करते हैं। अपने उच्चाधिकारियों को छोटी छोटी समस्या बताने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। किसान रुपये खर्च करके कार्यालय का चक्कर लगाकर लौट जा रहे हैं। वहीं चेतन बाजपेई निवासी केशौली ने बताया कि कार्यालय के कई चक्कर लगा चुका हूं। सारे कागजात लगभग एक वर्ष पहले जमा कर दिया था, लेकिन अभी तक भुगतान नहीं हुआ। वहीं एनएच के संजय श्रीवास्तव ने बताया कि उनके बजाये अजीत कुमार को फिर से चार्ज मिल गया है उनसे इस विषय पर बात करिये।

अमृत विचार
लखनऊ, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बेहतर कार्य पर बीडीओ वर्षा सिंह की हुई पदोन्नति

महराजगंज (रायबरेली) : प्रदेश सरकार द्वारा बीडीओ वर्षा सिंह को उनकी बेहतर कार्यशैली व उत्कृष्ट कार्य प्रणाली को लेकर पदोन्नति किया गया है। वह 2013 बैच की पीडीएस अधिकारी हैं। अपने कार्यकाल में वह कई जिलों में सफलतापूर्वक अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। प्रमुख सचिव हिमांशु कुमार ने उनकी पदोन्नति को लेकर आदेश जारी किया है। बीडीओ वर्षा सिंह रायबरेली जिले में पीडीएस संघ की अध्यक्ष का पद भी संभाल रही हैं। कहा जाता है कि प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ संगठन में भी उनकी सक्रिय भूमिका रहती है। उनके बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए प्रदेश सरकार का यह निर्णय उन्हें और उनके सहयोगियों के लिए प्रेरणा है।

बीडीओ वर्षा सिंह।

अमेठी में आज निकलेगी एकता दौड़

अमेठी : सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर अमेठी में शुक्रवार को एकता दौड़ का आयोजन किया जाएगा। यह दौड़ सुबह 8 बजे नवीन पुलिस लाइन गौरीगंज से शुरू होकर ओवरब्रिज कस्बा गौरीगंज तक संपन्न होगी। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक हरी झंडी दिखाकर करेंगी। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर रिक्रूट आरक्षी, थाना गौरीगंज, महिला थाना, साइबर क्राइम थाना सहित पुलिस कार्यालय की सभी शाखाओं के अधिकारी और कर्मचारी प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकजुटता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

डीएलएड की परीक्षा 243 बच्चे गैरहाजिर

प्रतापगढ़ : जिले के सात परीक्षा केंद्रों पर डीएलएड के तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा गुरुवार से शुरू हुई। इस परीक्षा में कुल दो पाली में कुल 9355 परीक्षार्थियों में से 9112 ने परीक्षा दी एवं 243 अनुपस्थित रहे। पहली पाली में 126 तथा दूसरी पाली में 117 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। डायट प्राचार्य उप शिक्षा निदेशक रमेश कुमार तिवारी ने चार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा का जायजा लिया। तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा में 20 मिनट पहले परीक्षार्थियों को तलाशी के बाद केंद्रों में प्रवेश दिया गया। पहली पाली में शैक्षिक मूल्यांकन क्रियात्मक शोध एवं नवाचार तथा दूसरी पाली में समावेशी शिक्षा की परीक्षा हुई। पहली पाली की परीक्षा में पंजीकृत 4695 परीक्षार्थियों में से 4569 ने परीक्षा दी। वहीं दूसरी पाली में पंजीकृत 4658 परीक्षार्थियों में से 4543 ने परीक्षा दी। डीएलएड परीक्षा के सह प्रभारी करुणेश कुमार शुक्ला ने बताया कि डायट प्राचार्य रमेश कुमार तिवारी ने केपी हिंदू इंटर कालेज, पीबी इंटर कालेज, तिलक इंटर कालेज और राजकीय इंटर कालेज में जाकर परीक्षा का जायजा लिया। डायट प्राचार्य ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा तीन पाली में होगी।

बेमौसम बारिश ने तोड़ी किसानों की कमर

बढ़ी चिंता: हजारों एकड़ से अधिक खेतों में कटी धान की फसल हुई अंकुरित, फसल बर्बाद होने का खतरा

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। अक्टूबर माह का अंतिम सप्ताह अमेठी जिले के किसानों के लिए प्राकृतिक आपदा से कम साबित नहीं हो रहा है। लगातार हो रही रिमझिम बारिश के कारण कटाई के बाद खेतों में फैलाई गई पकी धान की फसल अब अंकुरित होने लगी है, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिरता दिख रहा है। जिले के सैकड़ों गांवों में लगभग हजारों एकड़ से अधिक खेतों में कटी हुई धान की फसल अभी भी पड़ी हुई है। बारिश के कारण अनाज सूख नहीं पा रहा है और उसमें अंकुर निकल आए हैं। इसके चलते किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें दिख रही हैं।

जिले के किसान राम कुमार, रमेश सुरेश कुमार आदि ने बताया कि धान काटकर खेत में फैला रखा था, लेकिन लगातार बारिश से धान अंकुरित हो गया है। अब अनाज आने की उम्मीद नहीं बची। पशुओं के चारे के लिए हाथ से धान काटा था ताकि भूसा बच सके, मगर बारिश ने फसल खराब कर दी। खेतों में पड़ा सारा धान अब अंकुरित हो रहा है। किसानों का कहना है कि इस बे-मौसम बरसात ने उनकी कमर तोड़ दी है। न तो फसल सही-सलामत घर पहुंच सकी और न ही अनाज बचा है। खेतों में पड़ी फसल अब सड़ने लगी है, जिससे भारी नुकसान का खतरा मंडरा रहा है। वहीं किसानों ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द नुकसान का सर्वे कराने और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

खेतों में पड़ी धान की कटी हुई फसल। अमृत विचार

शुकुल बाजार क्षेत्र में 18 घंटे बाधित रही बिजली

शुकुल बाजार (अमेठी) अमृत विचार। लगातार हो रही बूंदाबांदी के बीच बुधवार की आधी रात से शुकुल बाजार और महोना विद्युत उपकेंद्रों की सप्लाई ठप हो गई। अचानक गई बिजली से क्षेत्र के 23 गांवों में अंधियारा पसर गया। करीब 50 हजार की आबादी बिजली और पानी के लिए परेशान रही। ठंडी हवाओं और बारिश के बीच लोग पूरी रात लोग रतजगा करने को मजबूर दिखे। रातभर संबंधित उपकेंद्रों के अधिकारियों को फोन करते रहे लेकर फोन नहीं उठा। अचानक 33 केवीए कठौरा-जगदीशपुर लाइन की आपूर्ति बुधवार की रात करीब 12 बजे से अचानक तकनीकी कमी आने के कारण बाधित हो गई। जो करीब 18 घंटे बाद भी खबर लिखे जाने तक बिजली बहाल नहीं हो सकी थी। बिजली कटने से घरों के साथ-साथ सरकारी दफ्तरों और बाजारों का कामकाज भी ठप पड़ा रहा। बिजली न रहने से लोगों के घरेलू कार्य प्रभावित रहे। पानी की मोटरें बंद होने से कई गांवों में पेयजल संकट गहराया। बता दें कि महोना उपकेंद्र के महोना पूरब, महोना पश्चिम, ऊंचगांव, नेवाज मदारगढ़, दारानगर, नीमपुर, सेवरा, हुसैनपुर, हरखूमऊ और शुकुल बाजार उपकेंद्र से जुड़े मवैया, रहमतगढ़, अहमदपुर, इंदरिया, तेंदुआ, धनेशा राजपूत, शिवली, दक्खिन गांव, क्यार, मांझगांव, बूबूपुर, खेममऊ, संसारपुर व पाली गांवों में पूरी रात अंधियारा रहा। वहीं एसडीओ राजेश कुमार चौहान ने बताया कि कठौरा-जगदीशपुर से आने वाली 33 हजार वोल्ट की लाइन में तकनीकी कमी आने के कारण आपूर्ति बाधित हुई है। मरम्मत कराकर बिजली शीघ्र बहाल कर दी जाएगी।

विद्युत पोल में मरम्मत कार्य करता लाइनमैन।

डीएपी खाद के लिए उमड़े किसान सीमित आपूर्ति से बढ़ी निराशा

संवाददाता, संग्रामपुर (अमेठी)

अमृत विचार। संग्रामपुर क्षेत्र के गोरखापुर सहकारी समिति केंद्र पर गुरुवार को डीएपी खाद का वितरण शुरू होते ही बड़ी संख्या में किसान खाद लेने पहुंच गए। डीएपी वितरण की जानकारी मिलते ही मधुपुर खदरी, बड़गांव, सरैया कनू, गोरखापुर, पुन्नपुर सहित आसपास की कई ग्रामसभाओं के किसान सुबह से ही केंद्र पर लाइन में लग गए। हालांकि, सुबह से जारी रिमझिम बारिश के चलते किसान पंक्तिबद्ध नहीं हो पाए, जिससे वितरण व्यवस्था कुछ देर के लिए बाधित रही।

किसानों का कहना है कि धान की फसल पकने के बाद खेतों में ही अंकुरित हो रही है, जिससे उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ा है। अब वे समय से गेहूं की बुवाई करने के उद्देश्य से खाद लेने पहुंचे हैं। किसानों ने बताया कि जरूरत के मुकाबले खाद की आपूर्ति बेहद कम आई है, जिससे किसानों में निराशा देखने को मिली। कुछ किसानों ने सरकारी आपूर्ति व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा वर्ष में डीएपी की जरूरत केवल दो बार पड़ती है धान की रोपाई और गेहूं की बुवाई का समय होने की बावजूद भी किसानों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

वहीं इस संबंध में केंद्र प्रभारी निर्भय सिंह ने बताया कि केंद्र पर कुल 300 बोरी डीएपी खाद प्राप्त हुई थी, जिसे नियमानुसार किसानों के बीच वितरित कर दिया गया है।

खाद के लिए खड़े किसान।

प्रतापगढ़ में मत्स्य निरीक्षक 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार। विजिलेंस टीम प्रयागराज ने प्रतापगढ़ में तैनात मत्स्य निरीक्षक विकास कुमार दीपांकर को रिश्वत लेते गुरुवार को गिरफ्तार किया। वह 15 हजार रुपये घूस ले रहे थे, इसी दौरान टीम सदस्यों ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार पकड़ लिया।

कुछ दिन पूर्व प्रदीप कुमार सिंह निवासी रायगढ़ पट्टी प्रतापगढ़ ने सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) प्रयागराज सेक्टर में शिकायत दी थी। बताया कि उसकी माता रीता द्वारा रायगढ़ ग्राम स्थित तालाब का मत्स्य पालन के लिए 25 अक्टूबर 2022 से 25 अक्टूबर 2032 तक के लिए पट्टा आवंटित हुआ है। प्रदीप को मत्स्य पालनार्थ किसान क्रेडिट कार्ड की आवश्यकता है, जिसके सम्बन्ध में 17 अक्टूबर 2025 को मत्स्य पालक को किसान क्रेडिट कार्ड निर्गत किए जाने के लिए आवेदन किया। शिकायतकर्ता की माने तो मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की गई तो उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र हमने देखा है। आपको लगभग एक लाख रुपये का किसान क्रेडिट कार्ड जारी हो सकता है। इससे संबंधित डीपीआर बैंक को भेजने के लिए 15,000 रुपये रिश्वत की मांग की गई। इसके बाद इंस्पेक्टर विजिलेंस धनंजय वर्मा के नेतृत्व में टीम ने गुरुवार को विकास भवन प्रतापगढ़ में स्थित कार्यालय मत्स्य पालक विकास अभिकरण प्रतापगढ़ पहुंचकर विकास कुमार दीपांकर, मत्स्य निरीक्षक को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ विजिलेंस थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

नोटिस के बिना चला बुलडोजर, किसानों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, कमरौली (अमेठी)

- न्यायालय में मामला लंबित विरोध के चलते जिला प्रशासन को रोकनी पड़ी कार्रवाई
- बारिश में भी सड़क पर डटे रहे किसान, बोले-न्याय मिले बिना जमीन नहीं देंगे

अमृत विचार। जगदीशपुर औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार को उस समय बड़ा टकराव देखने को मिला, जब यूपीसीडा की टीम जमीन अधिग्रहण को लेकर कब्जा करने पहुंच गई। कोईलारा के पास रोड किनारे लगभग 60 एकड़ भूमि पर खड़ी धान की फसल को यूपीसीडा की टीम ने बुलडोजर व जेसीबी से जोतना शुरू कर दिया। इस खबर से आक्रोशित बड़ी संख्या में किसान तत्काल मौके पर पहुंच गए। किसानों ने देखा कि उनकी लहलहाती फसल को नष्ट किया जा रहा है, जिसके बाद उन्होंने एकजुट होकर जोरदार विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। तेज बारिश में भीगते हुए आक्रोशित किसान सड़क पर उतर आए और प्रशासन व यूपीसीडा की कार्रवाई को मनमानी बताते हुए उन्होंने जमकर नारेबाजी की। आक्रोशित किसानों ने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन की ओर से बिना नोटिस दिए ही हमारे खेतों पर कब्जा करने के लिए जेसीबी से फसल को बर्बाद कर दिया गया है। वहीं किसानों के विरोध के चलते जिला प्रशासन को कार्रवाई रोककर वापस लौटना पड़ा।

हंगामा कर रहे किसानों ने बताया कि सैकड़ों किसान की जमीन सन 1984-85 में अधिग्रहित की गई थी, इसके बावजूद अब तक मुआवजे से वंचित हैं। किसानों का कहना है कि अधिग्रहण के दौरान जिन अधिनियम प्रपत्रों पर उनके नाम दर्ज किए गए, उन पर भी उनके कोई हस्ताक्षर तक नहीं हैं। इसके बावजूद उनकी जमीन को अधिग्रहीत दिखाकर उस पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि गुरुवार की सुबह अचानक 25 से 30 एकड़ पैतृक खेती की खड़ी फसल पर कुल 8 बुलडोजर व जेसीबी चलाकर फसलें रौंद दी गईं और लगभग आधा दर्जन ट्यूबवेल ध्वस्त कर दिए गए। किसानों का आरोप था कि जमीन अधिग्रहण का यह मामला अभी भी उच्च न्यायालय में विचाराधीन है, फिर भी प्रशासन ने बिना किसी पूर्व नोटिस के मनमाने ढंग से कब्जा करने की कोशिश की। प्रदर्शन के दौरान मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों और किसानों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। हंगामा कर रहे किसानों ने साफ कर दिया है कि वे मुआवजे और न्याय मिलने तक पीछे नहीं हटेंगे।

वहीं किसानों के प्रदर्शन की सूचना पर तहसीलदार राहुल सिंह, थानाध्यक्ष मुकेश पटेल और भारी पीएसी बल भी मौके पर पहुंचा। विरोध के बीच प्रशासनिक टीम ने किसानों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन किसानों का विरोध इतना प्रबल था कि अधिकारियों को आखिरकार पीछे हटना पड़ा। किसानों के संघर्ष के आगे प्रशासनिक कार्रवाई रोकनी पड़ी और यूपीसीडा की जेसीबी मशीनें लौट गईं। वहीं यूपीसीडा के एक्सईएन प्रदीप कुमार को कई बार फोन किया गया, परंतु उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा।

वहीं थाना अध्यक्ष मुकेश पटेल ने बताया कि यूपीसीडा के तरफ से खेती वाली जमीन को खाली कराया जा रहा था। मौके पर पहुंचे किसानों ने विरोध-प्रदर्शन के चलते कब्जा करने की कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है।

खेत में खड़ी फसल पर चलती हुई जेसीबी।

कार्रवाई के चलते प्रदर्शन करते किसान व मौजूद पुलिस। अमृत विचार

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, परिवार में कोहराम

अमेठी, अमृत विचार। मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के मठा भुसुंडा गांव में बुधवार की देर शाम एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया। मृतक महिला की पहचान नीलम (32) पत्नी सुनील यादव के रूप में हुई है। बुधवार शाम वह अपने कमरे में थी, जबकि उसकी सास घर के बाहर एक वर्षीय बच्ची के साथ मौजूद थीं। जब काफी देर तक नीलम कमरे से बाहर नहीं निकली, तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। संदेह होने पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ा। अंदर नीलम अचेत अवस्था में पड़ी मिली। परिजन आनन-फानन में उसे सीएचसी मुसाफिरखाना ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लापता नाबालिग की गुमशुदगी की दी गई तहरीर, कार्रवाई की मांग

कमरौली (अमेठी) अमृत विचार। थाना कमरौली क्षेत्र के यूपीएसआईडीसी कॉलोनी मजरे कठौरा निवासी बलराम चौबे ने अपने नाबालिग पुत्र शिवांश चौबे (16 वर्ष) की गुमशुदगी की तहरीर थाना कमरौली में दी है। पिता ने आरोप लगाया है कि उनके पुत्र को उसके कुछ साथियों ने बहला-फुसलाकर घर से गायब कर दिया है तथा घर में रखे करीब 70 हजार रुपये नकद और करीब छह तोला सोने के आभूषण भी साथ ले गए हैं। बलराम चौबे ने अपनी तहरीर में नाबालिग पुत्र की सकुशल बरामदगी तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

इं. रामाशीष जिला अध्यक्ष, रणवीर वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का अधिवेशन जिला पंचायत सभागार में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह, जॉइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, प्रांत से अपर महामंत्री डॉ नरेश कुमार, मंडल अध्यक्ष डीबी सिंह, मंत्री दिग्विजय सिंह की उपस्थिति में निर्विरोध कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसमें इं. रामाशीष यादव जिला अध्यक्ष, रणवीर सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसी तरह सीएम श्रीवास्तव जिला मंत्री, जबकि रोहित बाजपेई संप्रेक्षक के रूप में निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत कर्मचारी नेता स्व. बीएन सिंह के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सभी जनपदों के आए हुए पदाधिकारी का बैच लगाकर माल्यार्पण कर एवं प्रतीक चिन्ह भेट करके सम्मान किया गया। इस अधिवेशन में डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ से इं. अंमरेन्द्र सिंह, इं. जितेंद्र कुमार, अच्युत अग्रवाल, राजस्व संग्रह अमीन संघ से राजेंद्र प्रसाद, शिव प्रसाद शुक्ला कोषागार, नीरज श्रीवास्तव, रोहित बाजपेई, ग्राम विकास अधिकारी संघ से रणविजय सिंह, पुष्पराज सिंह, अधीनस्थ किसी सेवा संघ से डॉ. गोविंद सिंह, कुंवर विक्रम सिंह, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी संघ से डीएस अस्थाना, पशुधन प्रसार अधिकारी संघ से प्रशांत सिंह, पंकज गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

संघ का निर्वाचन अधिकारी प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश कुमार चौधरी के द्वारा कराया गया। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र श्रीवास्तव अध्यक्ष पेंशनर एशोसिएशन के द्वारा किया गया।

जिला पंचायत सभागार में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अधिवेशन शपथ लेते पदाधिकारी।

सिटी डायरी

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते विश्व हिंदू महासंघ के मंडल प्रभारी अनुज सिंह व मौजूद अन्य लोग। अमृत विचार

संस्कार ग्लोबल स्कूल ने जीता मैच

प्रतापगढ़ : जिला कबड्डी एसोसिएशन के तत्वावधान में पूर्व प्रधानाचार्य स्व .अमर बहादुर सिंह एवं लेखपाल महेंद्र प्रताप सिंह की स्मृति में सीनियर महिला कबड्डी चैंपियनशिप में संस्कार ग्लोबल स्कूल की टीम विजेता रही। स्पोर्ट्स स्टेडियम में समाजसेवी शैलेंद्र सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभारंभ किया। फाइनल मुकाबले में संस्कार ग्लोबल स्कूल टेउंगा की टीम ने लाल बहादुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोपालपुर आसपुर देवसरा को 34 - 16 के अंतर से शिकस्त देकर खिताबी जीत दर्ज की। वहीं मुख्य अतिथि विश्व हिंदू महासंघ प्रयागराज प्रभारी अनुज सिंह एवं अंजना ग्रुप ऑफ फार्मेसी के निदेशक रंजन सिंह ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। यहां मो .आसिफ खान, लालमणि सिंह, कर्मराज सिंह मंजीत, रवि प्रकाश सिंह, यशवंत यादव, राजीव कुमार सिंह, लेखपाल अभिषेक सिंह, क्रीड़ाधिकारी पूनम लता राज, डॉ. धीरेंद्र प्रताप, अजय कुमार, शैलेश सिंह, आशुतोष सिंह रहे।

बच्ची को जिला अस्पताल के एनआईसीयू में ले जाती टीम।

नाले के पास मिली नवजात बच्ची

फुरसतगंज (अमेठी), अमृत विचार : फुरसतगंज थाना क्षेत्र के ग्राम चेतपुर पोस्ट पीढ़ी में सुबह लगभग 5 बजे नाले के पास एक लावारिस नवजात शिशु मिलने की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन को कृष्ण कुमार द्वारा सूचना दी गई। सूचना प्राप्त होते ही चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने तत्काल पुलिस के सहयोग से मौके पर पहुंचकर बच्ची को सुरक्षित निकाला। इसके बाद नवजात को प्राथमिक उपचार हेतु फुरसतगंज सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने प्रारंभिक चिकित्सा प्रदान करने के पश्चात बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल गौरीगंज रेफर कर दिया। चाइल्ड हेल्पलाइन टीम द्वारा नवजात बच्ची को जिला अस्पताल गौरीगंज के एनआईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है। जहां चिकित्सकों की देखरेख में बच्ची का उपचार जारी है।

बदहाल भवानीगढ़-सूरजपुर सम्पर्क मार्ग।

सूरजपुर सम्पर्क मार्ग बदहाल

शिवगढ़ (रायबरेली) : पीएमजीएसवाई विभाग की लापरवाही एवं कार्यदाई संस्था की मनमानी से भवानीगढ़-सूरजपुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण की टेण्डर प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी मरम्मत का कार्य नहीं शुरू कराया गया। इसको लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। गौरतलब हो कि भवानीगढ़ सूरजपुर सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण एक करोड़ 87 लाख की लागत से होना है। जिसके नवीनीकरण के लिए जनवरी में टेण्डर हुआ और हर हाल में मई 2025 तक कार्यदाई संस्था को कार्य पूरा करना था, किन्तु यह कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ। इस संबंध में पीएमजीएसवाई विभाग के जेई ओपी वर्मा ने बताया कि मौसम सही रहा तो दो दिन में नवीनीकरण का कार्य शुरू हो जाएगा।

हस्ताक्षर के दौरान एनटीपीसी ओर सीवीपीएस के अधिकारीगण। अमृत विचार

एनटीपीसी व सीवीपीएस के बीच हुआ समझौता

रायबरेली : एनटीपीसी ऊंचाहार और चकरिय विकास प्रणाली संस्था (सीवीपीएस) के बीच रायबरेली जनपद में टीबी जागरूकता शिविरों के आयोजन एवं पोषण सामग्री वितरण के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह कार्यक्रम परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक अभय कुमार श्रीवास्तव की उपस्थिति में संपन्न हुआ। समझौते पर रूमा डे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख, एनटीपीसी ऊंचाहार और पीएन शुक्ला सचिव चकरिय विकास प्रणाली संस्था ने हस्ताक्षर किए।

आयोजन भारत विकास परिषद के अध्यक्ष अरविंद बोले-यह पहल महिला सशक्तिकरण के प्रति देती है जागरूकता का संदेश

बालिकाओं के लिए स्कूल में सैनेटरी पैड मशीन स्थापित

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। भारत विकास परिषद द्वारा संचालित सेवा कार्यक्रमों की श्रृंखला में बालिकाओं की स्वच्छता और सुविधा को ध्यान में रखते हुए राइजिंग चाइल्ड स्कूल और दयावती मोदी पब्लिक स्कूल में निःशुल्क सेनेटरी पैड मशीनें प्रदान की गईं। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि परिषद की यह पहल समाज में स्वच्छता, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता का संदेश देती है।

परिषद के पूर्व क्षेत्रीय संरक्षक डॉ. आरबी श्रीवास्तव ने बताया कि ज़रूरत के मुताबिक अन्य स्थानों पर भी मशीने निःशुल्क लगाई जाएंगी। क्षेत्रीय सेवा संयोजक अम्बरीष अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष नवल किशोर बाजपेयी, सचिव अजय त्रिवेदी, नीतू चतुर्वेदी, निशा सिंह, शाखा सेवा संयोजक राजा राम मौर्य, चंद्र प्रकाश सिंह, शिव कुमार गुप्ता सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि भारत विकास परिषद सदैव समाज के सर्वांगीण विकास और मानवीय मूल्यों के उत्थान के लिए कार्य करती है। बालिकाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी यह पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन सीमा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजिका निक्की पोपली ने सभी अतिथियों एवं परिषद सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में एकता मेहरोत्रा, शिखा श्रीवास्तव, प्रेरणा श्रीवास्तव, बबिता रुपेनवार, रवींद्र नाथ हर, स्नेहलता श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

राइजिंग चाइल्ड स्कूल में बालिकाओं को सैनेटरी पैड मशीन के बारे में जानकारी देते भारत विकास परिषद अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव। अमृत विचार

समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम ने मोहा मन

सरेनी, रायबरेली, अमृत विचार। सरेनी क्षेत्र के बाबू सिंह इंटर कालेज में विद्यालय के संस्थापक स्व. अम्बर सिंह की पुण्य तिथि मनाई गई। इस दौरान वार्षिकोत्सव एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व नगर विकास मंत्री तरुण दुबे रहे।

मुख्य अतिथि का स्वागत करते कार्यकर्ता व अन्य।

समारोह में विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि ने कहा विद्यालय एक शिक्षा का मंदिर है जहां न सिर्फ बच्चों को शिक्षा अर्जित कराई जाती है, बल्कि उन्हें यहां पर संस्कारवान भी बनाया जाता है। कांग्रेस नेत्री सुधा द्विवेदी ने कहा कि मनुष्य के जीवन की शुरुआत शिक्षा के मंदिर से होती है। विद्यालय में शिक्षकों द्वारा दी अर्जित कराई गई शिक्षा से ही मनुष्य को जीवन में सफलता प्राप्त होती है। इसके अलावां समारोह में कवियों ने अपने काव्य पाठ के माध्यम से श्रोताओं को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान कवियों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर विजय शंकर अग्निहोत्री, अरिवंद मिश्रा, अंजय सिंह, अमित, महेश शर्मा, संतोष त्रिवेदी, दीपेन्द्र गुप्ता, कामता गौढ़, गिरीश सिंह, नीरज शुक्लाा, प्रवीण श्रीवास्तव, डा गोविंद गजब, उमाकांत मिश्रा, कुमार मयंक मिश्र, संध्या त्रिपाठी, जयराम, सतीश सिंह आदि लोग मौजूद रहे। प्रबंधक रामशकल सिंह ने सभी अतिथियों का आभार ज्ञापित किया।

न्यूज ब्रीफ

किशोर को सर्प ने डसा, हुआ उपचार

हरपालपुर, हरदोई, अमृत विचार। हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के भूसेहरा गांव निवासी पप्पू के लगभग 16 वर्षीय पुत्र मोहन को बुधवार की रात घर के बाहर चारपाई पर सोते समय सांप ने डस लिया। जानकारी होने पर परिजनों ने सर्प को पकड़कर पॉलीथीन में भर लिया और किशोर व सर्प को लेकर अस्पताल पहुंच गए। सीएचसी पर किशोर का इलाज चल रहा है। वहीं अस्पताल में जब पॉलीथीन खोली गई तो उसमें सर्प देखकर वहां भर्ती मरीज व तीमारदार डरकर दूर भाग खड़े हुए। चिकित्सक डॉ .आशीष तिवारी ने बताया कि किशोर को धामन सर्प ने डसा था। जो जहरीला नहीं होता है। प्राथमिक उपचार के बाद हालत ने सुधार होने पर छुट्टी देकर घर भेज दिया गया हैं।

घर जा रहे युवक से तनख्वाह के रुपये छीने

सांडी, हरदोई। दो महीने की तनख्वाह लेकर घर जा रहे युवक से रास्ते में चार युवकों ने रुपए छीन लिए हैं। पीड़ित ने थाने जाकर मामले की शिकायत की। युवक ने आरोपियों की पहचान भी कर ली है। स्थानीय कस्बे के पूर्वी नवाबगंज मोहल्ला निवासी विमलेश सांडी कस्बे के मुख्य मार्ग पर एक शर्राफा दुकान पर नौकरी करता है। बुधवार की देर रात वह दुकान से दो माह की तनख्वाह में मिले नौ हजार लेकर घर जा रहा था। तभी चार युवकों ने बस अड्डा मस्जिद के पास उसे रोक लिया और रुपये छीन लिए। पीड़ित ने बताया कि दो आरोपी कस्बे के कंजड़ पुरवा मोहल्ले में रहते हैं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करते हुए युवकों की तलाश करने में जुट गई है।

महिला को पीटकर किया घायल

शाहाबाद, हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नगला लोथू निवासी महिला ने बच्चों के विवाद में पिटाई कर घायल करने वाले की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़िता पूजा पत्नी दिनेश के अनुसार 26 अक्तूबर की शाम बच्चों के बीच हुए विवाद की रंजिश में पंकज ने अपने परिजनों के साथ मिलकर लात घूंसों से मारपीट कर घायल कर दिया।

दबंगों के कहर से गांव छोड़ गया एक परिवार, दूसरा भी पलायन की तैयारी में

संवाददाता, हरदोई/हरियावां

- एक माह पहले गांव में हुए विवाद में बीच-बचाव और दबंगों के खिलाफ गवाही देना पड़ रहा भारी

अमृत विचार। तालाब से मछली पकड़ने को लेकर गांव में हुए विवाद में बीच-बचाव और पुलिस में गवाही देना दो परिवारों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। हालत यह है दबंगों के आए दिन उत्पीड़न, मारपीट और धमकियों से परेशान होकर पीड़ित परिवार गांव से पलायन को मजबूर हो गए हैं। दबंगों पर पुलिस भी सख्त कार्रवाई करने वे परहेज कर रही है, जिसके चलते हालात ऐसे बन गए हैं। एक परिवार गांव छोड़ चुका है जबकि दूसरा पलायन को मजबूर हो रहा है।

पीड़ित परिवारों के घर में पड़ा ताला, दरवाजे पर चस्पा कागज का टुकड़ा दबंगों के खौफ की कहानी बयां कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार करीब एक माह पहले पिपरिया गांव में तालाब में मछली पकड़ने को लेकर विवाद हुआ था। दबंगों ने कहार बिरादरी के एक व्यक्ति को बेरहमी से पीटा था। हरिपाल ने बीच-बचाव किया तो उन पर भी हमला हुआ। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज की और मनोज व हरिपाल ने दबंगों के खिलाफ गवाही दी। तभी से यह दोनों परिवार दबंगों की आंख की किरकिरी बन गए।

गांव निवासी मनोज पुत्र जगदीश ने बताया कि 22 अक्तूबर को गांव के ही दबंग राम हरि, रामकिशन और रामपाल ने रंजिश मानते हुए विवाद किया। सूचना देने पर पुलिस आई लेकिन बिना कार्रवाई के लौट गई। उसी शाम करीब 5 बजे वही लोग फिर से आकर गाली-गलौज करते हुए सड़क पर हमला बोल गए। दबंगों ने मनोज और उनके परिवार को जमकर पीटा और जान से मारने की धमकी देकर चले गए। डर के साये में मनोज ने घर पर ताला लगाकर परिवार सहित गांव छोड़ दिया।

इसके बाद इसी के गांव के हरिपाल तिवारी के बेटे राहुल तिवारी ने भी कुछ दिन पहले दबंगों से परेशान होकर गांव छोड़ने की तैयारी की। लेकिन इसकी जानकारी होने पर एसएचओ पिहानी छोटेलाल खुद उनके घर पहुंचे और भरोसा दिलाया कि डरने की जरूरत नहीं, पुलिस उनकी सुरक्षा करेगी। इसके बाद कुछ दिन तक दबंग शांत रहे, लेकिन फिर वही कहानी दोहराई गई, पुलिस गई और दबंग लौट आए। जियो सेंटर में काम करने वाले राहुल गुरुवार की सुबह नौकरी पर जा रहे थे। तभी रास्ते में दबंगों ने गाड़ाबंदी कर दी। राहुल ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को आते देख दबंग भाग गए। लेकिन दबंगों पर सख्त कार्रवाई न होने से कई परिवार भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं। पीड़ित परिवारों के बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे। भय के चलते लोग खेतों पर काम करने नहीं जा पा रहे हैं। जिन दीवारों पर कभी त्योहारों के रंग चढ़ते थे, अब वहां 'हम गांव छोड़ रहे हैं, पलायन मजबूरी है' जैसे स्लोगन लिखे हैं।

दरवाजे पर घर छोड़ने की वजह लिखकर पलायन कर गए परिवार का बंद मकान।

घटना की जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

पुलिस ने परिवार से मिलकर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। अगर किसी को डर या असुरक्षा की भावना है तो पुलिस तत्परता से मदद करेगी। एसएचओ को निर्देश दिए गए हैं कि वह नियमित रूप से क्षेत्र में गश्त करें।

-अजीत सिंह चौहान, सीओ हरियावां

सड़क पर शव रखकर किया हंगामा

दबंगों की पिटाई से हुई थी युवक की मौत, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

संवाददाता, हरदोई, माधौगंज

अमृत विचार। गर्भवती पत्नी को बचाने में पीटे गए पति की मौत हो गई। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को माधौगंज चौराहे पर रखकर वहां जाम लगाया और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए न नारेबाजी व प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस द्वारा भीड़ को हटाने का प्रयास करने पर हंगामा कर रहीं महिलाओं ने चप्पल तक उतार ली। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि 'अमृत विचार' वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

माधौगंज थाने के गांव गोपलिया में 22 सितंबर को देवेंद्र (35) के घर के बगल में मकान बना रहे रामनाथ से देवेंद्र की गर्भवती पत्नी सुनीता से नोंकझोंक होने लगी। विवाद के दौरान रामनाथ, उसकी पत्नी और पुत्र संदीप ने सुनीता की पिटाई कर दी। जानकारी होने पर देवेंद्र घर पहुंचा और दबंगों से चंगुल से अपनी गर्भवती पत्नी को बचाने लगा। इस दबंगों ने देवेंद्र की भी लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। देवेंद्र को सीएचसी से लखनऊ ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, वहां इलाज चलता रहा, 6 अक्टूबर को उसकी छुट्टी कर दी गई। देवेंद्र का घर से इलाज चल रहा था। उसी बीच बुधवार को उसकी मौत हो गई। माधौगंज पुलिस ने गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। शाम को शव माधौगंज पहुंचा और उसे चौराहे पर रखकर जाम लगा दिया गया। लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस के खिलाफ नारेबाज़ी करते हुए हंगामा कर रहीं महिलाओं ने पुलिस पर चप्पल उतार ली। बवाल बढ़ने पर बिलग्राम पुलिस को बुलाया गया। एसएचओ माधौगंज विजय कुमार के समझाने पर करीब ढाई घंटे बाद जाम हटाया जा सका।

- गर्भवती पत्नी को पीट रहे दंपति व उनके पुत्र से बचाने पहुंचा था पति

पुलिस पहले ही दर्ज कर चुकी थी मामला

देवेंद्र की मौत के मामले में एसएचओ माधौगंज विजय कुमार ने बताया कि 22 सितंबर को हुई मारपीट के मामले में देवेंद्र की पत्नी सुनीता की तहरीर पर आरोपी रामनाथ, उसकी पत्नी और पुत्र संदीप के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और धमकाने का केस दर्ज किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद धाराएं तरमीम कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

माधौगंज पुलिस ने गुरुवार को देवेंद्र के शव का पोस्टमार्टम कराया। उसकी रिपोर्ट में आया है कि पेट में अंदरूनी चोंट पहुंचने से लीवर और फेफड़ों में काफी ज्यादा संक्रमण फैलने से पस पड़ गया था।

सड़क पर जाम लगाकर हंगामा करते लोग व मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

कुरसेली में सड़क निर्माण के लिए राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने किया भूमि पूजन

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के ग्राम कुरसेली में गुरुवार को दोपहर सड़क निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश और देश की सरकार आम जनमानस के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। जिसका लाभ देश वासियों को बिना भेदभाव दिया जा रहा है। विधान सभा में ग्राम कुरसेली से हरदासपुर तक 149 लाख 33 हजार रुपये से 1.900 किलो मीटर सड़क का निर्माण खंड प्रथम पीडब्ल्यूडी हरदोई द्वारा किया जायेगा। बताया कि सरकार द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम से महिलाओं को बहुत शसक्त किया है। इस अवसर पर एसडीएम अंकित तिवारी, सीओ आलोक राज नारायण, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी व अन्य अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुरसेली में भूमि पूजन करतीं उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी। ● अमृत विचार

झाड़ी शाह उर्स में मशहूर कव्वाल सुल्तान साबरी ने की सुफियानी कव्वाली

संडीला, हरदोई, अमृत विचार। नगर में चल रहे 34वें उर्स व मेले में मशहूर कव्वाल सुल्तान साबरी ने झाड़ी शाह बाबा के उर्स में कव्वाली का प्रोग्राम किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सुल्तान साबरी की कव्वाली ने लोगों को झाड़ी शाह बाबा की दरगाह पर एकत्रित किया और उनकी भक्ति और श्रद्धा को दर्शाया। सुल्तान साबरी की कव्वाली ने झाड़ी शाह बाबा के उर्स को और भी यादगार बना दिया। इस कार्यक्रम में मेला अध्यक्ष शाहनवाज आलम, सज्जाद नशीन हारून इदरीसी आदि लोग मौजूद रहे।

नगर में 5 से चलेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान, दी चेतावनी

संडीला, हरदोई, अमृत विचार। नगर पालिका परिषद संडीला द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। अधिशासी अधिकारी अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि 5 नवम्बर से नगर के मुख्य मार्ग बस स्टैंड से लेकर इमलिया बाग चौराहे तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। कहा कि नगर के अनेक स्थानों पर सड़कों पर अतिक्रमण से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है। अभियान के तहत बस स्टैंड चौराहे पर स्थित सार्वजनिक शौचालय के आगे का अतिक्रमण हटाने के साथ रास्ते को भी दुरुस्त किया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अस्थायी हो या स्थायी, किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिशासी अधिकारी ने दुकानदारों और नागरिकों से अपील की है कि वह स्वेच्छा से अपने-अपने अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा नगर पालिका द्वारा हटाए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों पर चार्ज लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और यातायात के लिए सुगम बनाना है।

राजनीतिक दलों के साथ एसडीएम ने की बैठक

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। 155 विधान सभा में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2025 अभियान के तहत निर्वाचक रजिस्ट्री करण अधिकारी एसडीएम अंकित तिवारी की अध्यक्षता में बुधवार की शाम को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रदेश में शुरू होने जा रही एसआईआर प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एसडीएम ने सभी राजनैतिक दलों से एस आईआर प्रक्रिया में सहयोग देने की अपील की है।

सीता की खोज व लंका दहन का किया मंचन

संवाददाता, मल्लावां, हरदोई

अमृत विचार। कस्बे के भगवन्तनगर में चल रहे 140वें वर्ष के श्री रामलीला महोत्सव में आठवें दिन की लीला का समाजसेवी विशाल जायसवाल और प्रधान प्रतिनिधि अभिनव त्रिपाठी, वीरेश्वर मिश्रा ने संयुक्त रूप से भगवान राम लक्ष्मण और हनुमान जी की आरती उतारकर शुभारम्भ किया।

बुधवार को रामलीला कार्यक्रम में प्रभु श्री राम अपनी पत्नी सीता को खोजते फिर रहे हैं। वन में सीता की खोज करते हुए मार्ग में घायल जटायु से भेंट होती है। जटायु ने सीताहरण का पूरी जानकारी दी और श्री राम की गोद में प्राण त्याग दिया। रामजी का हनुमान और सुग्रीव से मिलन हुआ। हनुमान जी ने लंका जाकर वहां सीता माता की खोज की। रावण की अशोक वाटिका को तहस नहस कर दिया। रावण के छोटे बेटे को मार दिया और सोने की लंका में आग लगा दी। वहां से लौटकर हनुमान जी ने श्रीराम को सीता जी के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर समिति के विशेष सहयोगी अभय शंकर शुक्ला, महामंत्री भास्कर मिश्र, मंत्री रामपाल दिवाकर, अनुज कुमार, अभिषेक दीक्षित, ऋषभ गुप्ता, मधुरेश तिवारी, सुभाष चन्द्र, उदय नारायण सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

रामलीला में श्री राम व लक्ष्मण को माला पहनाते श्रद्धालु।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार 3 घायल

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली के एगवां मोड़ पर तेज रफ्तार मिट्टी लदे डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार दो महिलाओं सहित तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल शाहजहांपुर रेफर किया गया। ऐगवा निवासी तसव्वर खान, उनकी पत्नी दिलवरी और आफरीन पत्नी आदिल बाइक से गुरुवार को शाहाबाद आ रहे थे। एगवां मोड़ पर तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे तीनों घायल हो गए।

नौ फिट नीचे गिरी कंबाइन मशीन

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। स्थानीय ब्लॉक केखाई गांव से होकर गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण चल रहा है, जिसके ऊपर से जा रही एक कंबाइन मशीन अनियंत्रित होकर नौ फीट नीचे गिरी है। ड्राइवर ने किसी तरह कूद कर जान बचा ली। लोगों की मदद से कंबाइन मशीन को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। भटौली अंटवा गांव के पास निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर कंबाइन मशीन जा रही थी, तभी अनियंत्रित होकर गंगा एक्सप्रेस पर पलट कर नौ फीट नीचे गिर गई है।

राजकीय मेला बेरियाघाट की देखी व्यवस्था

मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। कार्तिक पूर्णिमा पर बेरियाघाट पर लगने वाले मेले की व्यवस्थाओं को लेकर बारिश में छाता लेकर डीएम अनुनय झा और एसपी अशोक मीणा ने निरिक्षण कर व्यवस्था को देखा और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बेरियाघाट पर लगने वाले राजकीय मेले को प्रशासन की तरफ से सड़क, प्रकाश, चिकित्सा, पेयजल, सुरक्षा, शौचालय, साफ सफाई जैसे अहम बिंदुओं को लेकर पहले से जुटा हुआ है। एक नवंबर से श्रद्धालू पांच दिवसीय स्नान को लेकर लोग जुटने लगेंगे, जो वहां रुक कर स्नान ध्यान और पूजन अर्चन करेंगे और 5 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा पर लाखों लोग श्रद्धा की डुबकी लगाएंगे। गुरुवार को बारिश के बीच डीएम अनुनय झा और एसपी अशोक मीणा ने बिरियाघाट की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। डीएम ने घाट पर लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान ध्यान और पूजन अर्चन की व्यवस्था देखी। उसके बाद उन्होंने सड़क, पार्किंग, यातायात व्यवस्था को लेकर भी दिशा निर्देश दिए। एसपी अशोक मीणा ने सुरक्षा को लेकर निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम एन राम, सीओ रवि प्रकाश सिंह, तहसीलदार यशवंत सिंह, थानाध्यक्ष शिवांकान्त पाण्डेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बेरियाघाट का जायजा लेते डीएम-एसपी। ● अमृत विचार

ट्रेन में चोरी की घटना का 24 घंटे में खुलासा

एक आरोपी गिरफ्तार, कीमती सामान बरामद

हरदोई, अमृत विचार। लखनऊ मंडल में रेलवे सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए पुलिस अधीक्षक रेलवे लखनऊ रोहित मिश्रा के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस उपाधीक्षक रेलवे हृषिकेश यादव के पर्यवेक्षण और थाना जीआरपी हरदोई के थानाध्यक्ष पंकज भास्कर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुवार को एक युवक को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान मनोज गुप्ता (19) निवासी सैय्यापुरवा, थाना कोतवाली देहात, जिला हरदोई के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक बैग बरामद किया है, जिसमें चोरी हुआ एप्पल कंपनी का मैकबुक एयर लैपटॉप, चार्जर, एमआई का पावर बैंक, वायरलेस माउस, नेवी ब्लू जैकेट और एक पर्स मिला। पर्स में ड्राइविंग लाइसेंस, मेट्रो कार्ड और पीएनबी डेबिट कार्ड भी मौजूद थे। बरामद किए गए सामान की कुल कीमत लगभग एक लाख रुपये आंकी गई है। यह सामान वादी प्रदुमन पुत्र जितेंद्र सिंह निवासी जलालपुर ढिडार, थाना मुरादनगर, जिला गाजियाबाद का था, जिनका बैग बुधवार को काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15127) में यात्रा के दौरान हरदोई स्टेशन पर चोरी हो गया था। मामले में जीआरपी हरदोई ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

जागरूकता

जिले के शैक्षिक संस्थानों व कॉलेजों में पुलिस ने चलाया अभियान, युवाओं को किया जागरूक

छात्र-छात्राओं को नए कानूनों के बारे दी गई जानकारी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। नए कानूनों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। संडीला नगर के आईआर इंटर कॉलेज एवं राम भरोसे इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं को हाल ही में देश में लागू किए गए नए आपराधिक कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। प्रभारी निरीक्षक विद्यासागर पाल ने विद्यार्थियों को भारतीय न्याय प्रणाली में किए गए बदलावों से अवगत कराया।

हरियावां क्षेत्र के मां भगवती इंटर कॉलेज पुरैला में क्षेत्राधिकारी हरियावा अजीत सिंह चौहान एवं थानाध्यक्ष हरियावा बीर बहादुर सिंह ने छात्र-छात्राओं को जीरो एफआईआर, समय पर न्याय, महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े नए प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अपराध प्रौद्योगिकी, फॉरेंसिक साइंस के उपयोग और साइबर अपराध से बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर महिला उपनिरीक्षक शालिनी शुक्ला, अभिन्न चौधरी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। हरपालपुर संवाददाता के अनुसार अरवल थाना प्रभारी अमित सिंह ने गम्भीरी बालिका इंटर कालेज व चंदऊ में नए कानूनों के बारे में लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी अमित सिंह ने छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। इस मौके पर उपनिरीक्षक शिवकुमार सिंह, हेड कांस्टेबल वीरन, कांस्टेबल सौरभ सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। भरखनी संवाददाता के अनुसार बृजराज सिंह इंटर कालेज अनंगपुर और कृषक समाज जनता विद्यालय कमालपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पचदेवरा थानाध्यक्ष शिव नारायन सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नए अपराध कानूनों में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं जिनसे न्याय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तीव्र और प्रभावी होगी।

कॉलेज में छात्र-छात्राओं को नए कानूनों की जानकारी देती पुलिस। ● अमृत विचार

मोतियाबिंद शिविर में 125 रोगियों का हुआ पंजीकरण

संवाददाता, हरपालपुर, हरदोई

अमृत विचार। देश के प्रथम गृह मंत्री भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर में 127 मरीजों ने अपना पंजीकरण कराया।

शिविर का शुभारंभ के अवसर पर संयोजक विधायक प्रतिनिधि डॉ. रजनीश त्रिपाठी ने बताया कि विधायक सवायजपुर श्री माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू जी के निर्देश पर क्षेत्र को मोतियाबिंद मुक्त बनाने और ग्रामीणों क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए यह शिविर आयोजित किए जा रहे है। एक मैरिज लॉन में शंकरा आई हॉस्पिटल कानपुर के सहयोग से आयोजित निःशुल्क वृहद मोतियाबिंद शिविर में 53 रोगियों को चयनित कर ऑपरेशन के लिए कानपुर ले जाया गया है। शिविर में कमलेश पाल मंडल अध्यक्ष हरपालपुर, राकेश मिश्र पूर्व मंडल अध्यक्ष, डॉ. राहुल तिवारी, अभिराम सिंह, मनोज अग्निहोत्री, केके. त्रिवेदी जिला समरसता प्रमुख, डॉ. राहुल वर्मा प्रखंड अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद, शैलेन्द्र यादव, राहुल त्रिपाठी, विनय शुक्ला प्रखंड संयोजक बजरंग दल, दीपक तिवारी, गौरव द्विवेदी, अमित तिवारी आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया।

सांप के डसने से युवक की मौत

हरदोई, अमृत विचार। तालाब से मछली पकड़ कर लौट रहे युवक को रास्ते में सांप ने डस लिया। परिजन उसे अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, उसी बीच उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेते हुए मामले की छानबीन शुरु कर दी है। हरियावां थाने के कोडरा निवासी 28 वर्षीय विनय पुत्र विजेंद्र खेती-बाड़ी करता था। वह बुधवार को गांव के बाहर तालाब से मछली पकड़ने गया था। देर शाम लौटते समय सांप ने उसे काट लिया। घर वाले उसे इलाज के लिए ले जाने का बंदोबस्त करने लगे, लेकिन उसी बीच विनय की घर में ही मौत हो गई। विनय के छोटे भाई संजय के बेटे का अन्नप्राशन था, पत्नी शीतल और परिवार वाले उसी में शामिल गए हुए थे, विनय अपने पिता विजेंद्र के साथ घर में रुका था।

बेटियां समय से करें शादी, स्तनपान है कैंसर के लिए ढाल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में छात्राओं के साथ मौजूद अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार, डॉ. अमृता पांडेय और शिक्षक-शिक्षिकाएं।

- रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट व अमृत विचार के नारी कैंसर सुरक्षा अभियान के तहत असिस्टेंट प्रो. डॉ अंकिता पांडेय ने बताए कैंसर से बचाव के उपाय

अमृत विचार : महिलाओं में सबसे अधिक होने वाला कैंसर है स्तन का, लेकिन इसे रोका जा सकता है। जागरूकता के अभाव के चलते महिलाएं जब डॉक्टर के पास इलाज के लिए पहुंचती है तब तक समस्या अति गंभीर हो चुकी है। तीसरी से चौथी स्टेज का कैंसर लेकर आई मरीजों के इलाज में काफी जटिलता होती है। वहीं इससे बचाव के कुछ मूल मंत्र है, जिससे महिलाओं का कैंसर से बचाव हो सकता है। ये सुझाव रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अंकिता पांडेय ने दिए।

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट और अमृत विचार के संयुक्त तत्वावधान में ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के तहत तीन दिवसीय नारी कैंसर सुरक्षा अभियान के तीसरे दिन गुरुवार को सेक्रेड हार्ट स्कूल, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय और मैथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज में छात्राओं को स्तन कैंसर के लक्षण, बचाव और इलाज के प्रति जागरूक किया गया। सेक्रेड हार्ट्स स्कूल में डॉ. अंकिता ने बताया कि कैंसर अब लाइलाज नहीं है। समय से और उचित इलाज के जरिये इसे मात दी जा सकती है, लेकिन इससे बचाव जागरूकता से ही संभव है। कैंसर होने के कुछ मुख्य कारकों में 30 साल की उम्र के बाद शादी करना, असंतुलित जीवन शैली, असंतुलित खानपान शामिल हैं, इसलिए एक सही उम्र पर शादी करना बेहद जरूरी है। डॉ. अंकिता ने कहा कि विशेष बात ये है कि आजकल की महिलाएं बच्चे को स्तनपान कराने से कतराती हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है। बच्चा अगर 6 माह तक स्तनपान करता है तो मां को स्तन कैंसर होने की संभावना काफी कम हो जाती है। इससे पहले स्कूल की एमडी राधा सिंह, प्रधानाचार्य डॉ. उर्मिला वाजपेई और एक्जक्यूटिव डायरेक्टर निर्भय बेनीवाल ने असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंकिता पांडेय का स्वागत किया। कार्यक्रम में सेक्रेड हार्ट्स स्कूल के एचएस बिष्ट, आमिर अली व आशीष पांधी का विशेष सहयोग रहा।

पैरेंट्स काउंसिलिंग कार्यक्रम आयोजित

हरदोई, अमृत विचार। विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की बेहतर शिक्षा के अलावा उनके अच्छे रहन-सहन और बेहतर स्वास्थ्य के लिए समेकित शिक्षा के तहत बीआरसी बावन पर गुरुवार को 'पैरेंट्स काउंसिलिंग' कार्यक्रम का बीईओ बावन प्रभाष कुंवर श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। बीईओ श्री श्रीवास्तव ने मौजूद अभिभावकों को अपने बच्चों की बेहतर शिक्षा और उनके बेहतर स्वास्थ्य के साथ-साथ अच्छे रहन-सहन के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि बगैर अभिभावकों के सहयोग से ऐसा होना मुमकिन नहीं है। विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की अच्छी तरह से देखभाल रखें।

बहराइच : नदी में डूबे आठ लोगों की तलाश रही जारी

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : तहसील मिहींपुरवा के ग्राम भरथापुर में बुधवार की देर शाम कौड़ियाला नदी में हुए नाव हादसे में लापता आठ लोगों की तलाश जारी है। घाघरा बैराज के गेट को बंद कर लगभग नौ किमी के दायरे में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फ्लड पीएसी व एसएसबी की 16 टीमें टीमें नदी में रेस्क्यू कर रही हैं। हादसे के 24 घंटे बाद भी नदी में डूबे लोगों का कोई सुराग नहीं लग सका है। मंडलायुक्त, आईजी देवीपाटन मंडल, डीएम, एसपी समेत अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

कतर्नियाघाट के ट्रांस गेरुआ क्षेत्र में बुधवार देर शाम कौड़ियाला नदी में 22 लोगों से भरी नाव पलट गई थी। 13 लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई थी। जबकि आठ नदी के तेज बहाव में बह गए थे। बुधवार की देर शाम रमजैया (65) पत्नी मटरू का शव नदी से बरामद हुआ था। उप जिलाधिकारी रामदयाल ने बताया कि गुरुवार शाम चार बजे से बारिश होने के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा। आठ लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

गांव में बीमारियां फैला रहे मुर्गी फार्म को बंद करने के आदेश जारी

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। विकासखंड क्षेत्र के गांव रहीमाबाद में संचालित मुर्गी फार्म को बंद करने के निर्देश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी शशि बिंदुकर ने दिए हैं। मुर्गी फार्म से होने वाली गंदगी से निजात पाने के लिए ग्रामीण पिछले तीन माह से अभियान छेड़े हुए थे।

बता दें कि विकासखंड क्षेत्र के रहीमाबाद गांव में एक प्राइवेट व्यक्ति द्वारा मुर्गी फार्म संचालित किया जा रहा है। फार्म से उठने वाली दुर्गंध व फैली गंदगी से गांव में मक्खियों का आतंक छाया है। ग्रामीणों का कहना है कि स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि घरों के अंदर तक मक्खियों का जमावड़ा रहता है। मक्खियों के प्रकोप से गांव के बच्चे और बुजुर्ग उल्टी-दस्त, बुखार से पीड़ित हैं। खेत-खलिहानों में काम करना तो दूर, घरों में रहना भी मुश्किल हो गया है। जिससे ग्रामीण नारकीय जीवन जीने को विवश हैं। लगातार बिगड़ती स्थिति देख हुए ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से लेकर सीएम तक शिकायत की थी। इस पर पशु चिकित्साधिकारी भूपेंद्र सिंह ने गांव पहुंचकर निरीक्षण किया। जांच में मुर्गी फार्म में भारी गंदगी पाई गई। वही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कराई गई जांच में मुर्गी फार्म से गंदगी फैलना पाया गया। जिस पर बोर्ड के अधिकारी शशि बिंदकर ने मुर्गी फार्म बंद करने के निर्देश दिए हैं।

लोडर की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। क्षेत्र के हरदोई-उन्नाव मार्ग पर तेज रफ्तार लोडर ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और स्कूटी सवार युवक गंभीर घायल हो गया। घायल युवक को सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बांगरमऊ के चकपीर नगर निवासी मनीष (28) पुत्र राजकुमार मल्लावां कस्बे में एक दुकान पर कारपेंटर था। गुरुवार दोपहर वह स्कूटी से मल्लावां जा रहा था, रास्ते में रघुरामपुर के पास तेज रफ्तार लोडर पीछे से स्कूटी में टक्कर मारता हुआ खंती में घुस गया। इसमें स्कूटी पलट गई और स्कूटी सवारी मनीष गंभीर घायल हो गया। अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना से मनीष की पत्नी मधु का रो-रोकर बुरा हाल है। उसके चार वर्षीय बेटी महक व 20 दिन का एक बेटा है।

ब्लॉक कर्मचारी की हुई मौत

हरदोई, अमृत विचार। कोथावां ब्लॉक मुख्यालय पर तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मी की घर में तबियत बिगड़ गई। उसे सीएचसी पहुंचाया गया, जहां पहुंचते ही मौत हो गई। परिजनों ने बीमारी से युवक की मौत होने की बात कही है, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। बेनीगंज कोतवाली के बेलवार खेड़ा मजरा कोरोकला निवासी रामचन्द्र (42) पुत्र रामबक्श कोथावां ब्लाक मुख्यालय पर चतुर्थ श्रेणी कर्मी था। उसके परिवार में पत्नी सुमन के अलावा दो बेटी पूर्णिमा व सारिका और एक बेटा आयुष है। पत्नी सुमन ने बताया कि गुरुवार की सुबह तबियत बिगड़ गई। सीएचसी कोथावां में ले जाया गया लेकिन मृत घोषित कर दिया गया।

नीलामी सूचना

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर, बाराबंकी पर निष्प्रयोज सामग्री की नीलामी 6/11/2025 को होनी है। जीएसटी धारक इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग ले सकते हैं। विभागीय कमेटी द्वारा रखी गयी शर्तें मानने एवं सर्वाधिक बोली लगाने वाले फर्म धारक की बोली स्वीकार की जाएगी।

-अधीक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर, बाराबंकी

छात्राओं ने कागज पर उकेरा सरदार पटेल का जीवन चरित्र

हरदोई। आर्य कन्या महा विद्यालय में शासन के निर्देशानुसार सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर यूनिटी मार्च एक भारत आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लगभग 20 प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और अपनी कलात्मकता से व रंग और ब्रश से सरदार बल्लभ भाई पटेल के जीवन चरित्र को बखूबी कागज पर उकेरा। निर्णायक मंडल की भूमिका प्राचार्या डॉ सुमन वर्मा, नीता आर्या तथा प्रो सरिता यादव के द्वारा निभाई गई। पोस्टर प्रतियोगिता के परिणाम स्वरूप वैष्णवी गुप्ता बी. ए. फाइनल की प्रथम स्थान, आसमा बानो बी. ए. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान तथा अनुष्का गुप्ता एम. ए. प्रथम वर्ष की तृतीय स्थान पर रहीं।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप-मुख्य अभियन्ता/नि.-चतुर्थ/लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर मोहर बन्द निविदा दो-पैकेट में आमंत्रित की जाती हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर, उप मुख्य अभियंता निर्माण, चतुर्थ, के अधीन प्रस्तावित दिलकुशा-मल्हौर (8.20 कि. मी.) तीसरी लाइन के निर्माण के अन्तर्गत दिलकुशा और मल्हौर खंड के बीच सिंगल बीजी रेलवे लाइन के लिए प्रमुख पुल संख्या 466,468 और 469 (लखनऊ में गोमती नदी के पार) स्वीकृत जीएडी पीएससी स्लैब और ओपन वेब स्टील गर्डर के साथ सबस्ट्रक्चर, सुपर स्ट्रक्चर के अनुसार निर्माण कार्य सहित अन्य संबद्ध सहायक कार्य।
2	निविदा फार्म मूल्य	सुन्य
3	कार्य पूरा करने की अवधि	20 (बीस माह)
4	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 7486.76 लाख
5	धरोहर राशि	रु. 38,93,400.00
6	ई-निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख	क. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 01.12.2025 समय 11.30 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in ख. निविदा जमा करने की प्रारम्भ तिथि 17.11.2025. विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र शर्तों के साथ तिथि 05.11.2025 से आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी व अपलोड की जा सकती है ग. निविदा दिनाँक 01.12.2025 को समय 11.30 बजे खोली जाएगी। घ. बोली पूर्व मुलाक़ात/सम्मेलन, दिनाक: 12.11.2025 समय 11:30 बजे स्थान: कार्यालय उप मुख्य अभियंता निर्माण, चतुर्थ, उत्तर रेलवे, लखनऊ, नियर सेवाग्राम रेलवे कॉलोनी, उत्तर रेलवे, चारबाग, लखनऊ- 226004 कृपया प्रश्न (Queries) ई-मेल dycec4lkonr@gmail.com पर दिनाक 08.11.2025 तक भेजे।

संख्या 81-टेण्डर/उप-मुख्य अभियन्ता/नि.-चतुर्थ/लखनऊ, दिनाँक 29.10.2025

3367/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम KAMARUL NISHA से बदलकर KAMRUL NISHA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-KHALIL AHMED ADD-KANESTA RANGAULI, VISHWANATHGANJ, DIST-PRATAPGARH-230404(U.P.)

सूचना

भूखण्ड संख्या- C-1/199, स्थित- विशेष खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ में है। उपरोक्त भूखण्ड संख्या- C-1/68, के स्थान पर C-1/199 परिवर्तन का मूल पत्र मेरे द्वारा कही खो गया है। जिसका प्रयोग किसी व्यक्ति या अन्य द्वारा प्रयोग अवैध माना जायेगा। **श्रीमती नामिता सिंह**

सूचना

सर्वसाधारण सूचित किया जाता है की मै नूर जहाँ बेगम (NOOR JAHAN BEGUM) ग्राम -पनाह नगर बरई पोस्ट कुंडा प्रतापगढ़ की निवासी हूँ। मेरे पासपोर्ट संख्या M6353181 FILE NO-LK3068424802015 मे मेरा नाम नूर जहाँ बेगम (NOOR JAHAN BEGUM) है जो की अंग्रेजी मे NURJAHAN BEGUM लिखा है जो की गलत है मेरा सही नाम नूर जहाँ बेगम और अंग्रेजी मे NOOR JAHAN BEGUM इस तरह से लिखा व पढ़ा तथा जाना जाए एवं मेरे पासपोर्ट मे सही दर्ज किया जाए मोबाईल नं0-9415091091

सूचना

मेरी पुत्री का नाम जन्मप्रमाण पत्र में त्रुटिवश नितांशी शर्मा (NITANSHI SHARMA) दर्ज हो गया है, जबकि उसका सही नाम त्रिशिका शर्मा (TRISHIKA SHARMA) है। मेरी पुत्री को भविष्य में त्रिशिका शर्मा(TRISHIKA SHARMA) के नाम से ही जाना पहचाना जाए। **-मुकुल शर्मा पुत्र रामानन्द शर्मा निवासी 209, मोहल्ला राजीव गाँधी नगर, शहर व जिला फर्रुखाबाद।**

सूचना

यह कि मेरी 18 साल की पुत्री आफरीन का चाल चलन व रीति रिवाज गलत होने कारण उसे चल अचल संपत्ति से बेदखल करते हुए सभी प्रकार से संबध विच्छेद कर लिए। उसके द्वारा किए गए कार्यो की मेरी व मेरे पुत्रो की कोई जिम्मेदारी नही होगी। वह अपने कार्यो की स्वय जिम्मेदार होगी। **मो. रहीश पुत्र निशार निवासी रूरा थाना ठठिया, जनपद कन्नौज**

सूचना

मैं **श्रीमती कमरूल निशा पत्नी फरीद अहमद निवासिनी ग्राम हारीमऊ, थाना व परगना जगदीशपुर, तहसील मुसाफिरखाना, जिला-अमेठी, उ0प्र0**, मेरे चार पुत्र क्रमश: फिरोज व आसीन अहमद व तहसीन व फैसल हैं। मेरे मंझिले पुत्र आसीन अहमद व उसकी पत्नी हीना बानों का चाल-चलन ठीक नहीं है वह आये दिन परिवार में कलह व लड़ाई-झगड़ा करते रहते हैं। वह पूरे परिवार को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहते हैं। उनकी अनैतिक आचरण के कारण मैंने उन दोनों से अपना सारा सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। उक्त द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं उत्तरदायी होंगे, उससे मेरा व मेरे परिवार से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए मैं अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से अपने मंझिले पुत्र आसीन अहमद व उसकी पत्नी हीना बानों को बेदखल कर रही है।

सूचना

मैं **दुर्गाशंकर पाल पुत्र धनीराम पाल नि. राजू नगर मजरे बकुलिहा ब्लाक व थाना खीरों, जिला रायबरेली** का हूं। गुजरात सरकार द्वारा मेरा ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया गया था, जिसमें SHANKAR D DURAGA अंकित है। जिसे DURGA SHANKAR PAL नाम से अंकित करना चाहता हूं। मुझे दोनों ही नामों से जाना और पहचाना जाता है।

सूचना

मेरे पुत्र रिंकू व पुत्रवधू राजकली का चालचलन खराब हो गया है। वह लोग आए दिन झगडा व मारपीट करते है व किसी मामले में झूंठा फंसाने की धमकी देते है। इस कारण से मैंने व मेरी पत्नी ऊषा देवी ने उन दोनों से सम्बंध विच्छेद कर उन्हें अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई उनसे किसी प्रकार का लेनदेन करता है तो वह स्वंय ही इसका जिम्मेदार होगा। **रामौतार पुत्र स्व रामेश्वर दयाल व ऊषा देवी निवासी 69 मडैया ख्याली राम स्टेशन रोड इटावा**

कार्यालय जिलाधिकारी, बाराबंकी।

आवेदन पत्र का आमन्त्रण

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण, (यूपीडा) लखनऊ द्वारा जनपद बाराबंकी की तहसील हैदरगढ़ के कुल 06 ग्रामों बम्हरौली, सतरही, पेचरूआ, बहरामपुर, अन्दऊमऊ व घरकुइंया में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के सन्निकट विकसित किये जा रहे औद्योगिक गलियारा के संरेखण से प्रभावित निजी कृषकों की भूमि का क्रय के उपरान्त अवशेष बची भूमि एवं उन पर स्थित परिसम्पत्तियों का अर्जन किया जाना प्रस्तावित है। जिसका विवरण निम्नवत् है :-

क्रमांक	ग्राम का नाम	तहसील	जनपद	प्रस्तावित भूमि (हे0 में)
1	2	3	4	5
1	बम्हरौली	हैदरगढ़	बाराबंकी	49.3698955
2	सतरही	हैदरगढ़	बाराबंकी	25.8460000
3	पेचरूआ	हैदरगढ़	बाराबंकी	0.4100000
4	बहरामपुर	हैदरगढ़	बाराबंकी	0.2220000
5	अन्दऊमऊ	हैदरगढ़	बाराबंकी	3.6818000
6	घरकुइंया	हैदरगढ़	बाराबंकी	7.2480000
	योग			86.7776955

नोट :-उक्त प्रस्तावित भूमि का क्षेत्रफल घट-बढ़ भी सकता है।

उक्त भूमि के अर्जन से पूर्व सामाजिक समाघात आकलन (Social Impact Assessment) करने हेतु प्रतिष्ठित केन्द्रीय/राज्य सरकार/अर्द्ध सरकारी/अन्य संस्थान/ गैर सरकारी संस्थान/विश्वविद्यालय आदि से उक्त परियोजना हेतु प्रस्तावित भूमि के सम्बन्ध में ''भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013'' एवं ''भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार (उत्तर प्रदेश) नियमावली 2016'' के प्राविधानों के अनुसार अध्ययन करने के लिए तकनीकी एवं वित्तीय निविदा आमन्त्रित की जाती है।

1. पात्रता :-
   - अ. सामाजिक समाघात आकलन (Social Impact Assessment) करने हेतु प्रतिष्ठित केन्द्रीय/राज्य सरकार/अर्द्ध सरकारी/अन्य संस्थान/गैर सरकारी संस्थान/विश्वविद्यालयों द्वारा आवेदन किया जा सकता है।
   - ब. इच्छुक गैर सरकारी संस्थान अधिनियम में कम्पनी/सोसायटी के रूप में पंजीकृत हो अथवा कम से कम पिछले पॉच वर्ष पूर्व से किसी अन्य सुसंगत अधिनियम में पंजीकृत हो।
   - स. संस्थान के पास पर्याप्त मानव संसाधन जिसमें योग्य स्तर के प्रबंधन के लिये उपर्युक्त व्यक्ति, जो शीर्ष एवं मध्यम स्तर के प्रबंधन स्तर पर कुशल कार्य कर रहे हो।
   - द. संस्थान के पास पेशेवर प्रबंधन, अर्थशास्त्री, समाज शास्त्री/मनोवैज्ञानिक आदि होने चाहिए, जिसका विवरण आवेदन पत्र के साथ देना अनिवार्य होगा।
   - य. पूर्व मे जिन्होने सामाजिक समाघात अध्ययन किया हो, ऐसे संस्थान को वरीयता दी जायेगी।
2. आवेदन का प्रारूप :-

   संस्थान द्वारा किये गये आवेदन में संस्थान की संरचना का विवरण शामिल होना चाहिए, जो सामाजिक प्रभाव अध्ययन मूल्यांकन करने के लिए जिम्मेदार होगा। आवेदन के साथ सामाजिक प्रभाव अध्ययन या इसी तरह के जुड़े पूर्व में किये गये अध्ययनों का विवरण दिया जाये। जिसमें परियोजना के सम्बन्ध में अध्ययन किये जाने सम्बन्धी समय और स्वरूप का विवरण विस्तार से हो।

   आवेदन का प्रारूप

   1. संस्थान का नाम :
   2. संस्थान का प्रकार : (कम्पनी/समिति/विश्वविद्यालय/अन्य निर्दिष्ट)
   3. शासकीय नियन्त्रण की तिथि :
   4. संस्थान के पंजीकरण का विवरण: (प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रतिसंलग्न की जाये)
   5. कार्मिकों का विवरण
      (1) नियमित कर्मचारीगण
      (2) संविदा के आधार पर कार्यरत कर्मचारी
   6. शीर्ष/मध्यम प्रबन्धन के प्रमुख कार्मिकों, कार्यरत विशेषज्ञ और समूह के सदस्यों का विवरण, जिन्हे प्रस्तावित कार्य हेतु लगाया जायेगा :-

नाम	पदनाम	योग्यता	कार्यानुभव

   7. विगत पॉच वर्ष में किये गये अध्ययन का विवरण :-

अध्ययन का प्रकार	अध्ययन की अवधि	परियोजना का नाम	परियोजना का प्रकार	क्षेत्र	नाम (जिसके लिये अध्ययन किया गया)

   8. सम्पर्क विवरण :-
      दूरभाष नम्बर : मोबाइल नम्बर : ई-मेल का पता :
      दिनांक :

      हस्ताक्षर
      पदनाम सहित
3. पात्रता का चयन :-

   प्राप्त कुल आवेदनों का मूल्यांकन संस्थान द्वारा दिये गये विवरण के आधार पर किया जायेगा। इस कार्य हेतु उपलब्ध स्टाफ, कार्यरत विशेषज्ञों तथा प्रस्तावित कार्य क्षेत्र अथवा अन्य प्रकार की परियोजनाओं हेतु किये गये पूर्व अध्ययन को शामिल किया जायेगा। अतः संस्था द्वारा इसका विवरण अवश्य अंकित किया जाये।
4. संस्थान के चयन को निरस्त किये जाने के लिये किसी भी कारण का बताया जाना अनिवार्य नहीं होगा।
5. इच्छुक संस्थानों के आवेदन पूर्ण विवरण के साथ कार्यालय में अथवा पंजीकृत डाक से दिनांक 04.11.2025 तक निम्न पते पर स्वीकार किये जायेंगे।
   ''कार्यालय जिलाधिकारी/विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, (सं0सं0) बाराबंकी, कक्ष संख्या-60, कलेक्ट्रेट कैम्पस बाराबंकी।''
6. आवेदक द्वारा तकनीकी मूल्यांकन किया जायेगा। वित्तीय मूल्यांकन हेतु सामाजिक समाघात आकलन (Social Impact Assessment) अध्ययन किये जाने के लिये संस्थान द्वारा लिये जाने वाले शुल्क का विवरण (कर सहित) अलग सील बन्द लिफाफे में दिया जाना होगा। इसके अभाव में आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

नोट :-प्रस्तावित भूमि का पूर्ण विवरण यथा खसरा/खतौनी/क्षेत्रफल/प्रभावित व्यक्ति/मानचित्र आदि विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी (सं0सं0) बाराबंकी, कक्ष संख्या-60 कलेक्ट्रेट कैम्पस बाराबंकी के कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में देखा जा सकता है।

UP - 239622 दिनांक: 29/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(शशांक त्रिपाठी), जिलाधिकारी, बाराबंकी।

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार

रद्दी बिक्री हेतु निविदा सूचना

अमृत विचार प्रेस, रूहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज के सामने, नवादा जोगियान चक रोड, बरेली से रद्दी अखबार, मलाड एवं रद्दी कागज (स्वीपिंग) तथा रीलएंड (रीलकोर तथा बचा हुआ कागज) और अन्य स्क्रैप बिक्री हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। टेंडर के साथ अधोलिखित विवरण के अनुसार ऊपर दिये गये स्थान पर भेजें।

निविदा की शर्तें निम्न हैं

1. सभी रद्दी/स्क्रैप के मूल्य पर जीएसटी जो केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा लागू होगा अतिरिक्त देना होगा।
2. निविदा साफ-साफ हस्तलिखित या टाइप किया होना चाहिए।
3. रद्दी/स्क्रैप उठाने से पूर्व भुगतान नगद या ड्रॉफ्ट से करना होगा।
4. किसी भी तरह के विवाद का निपटारा बरेली स्थित न्यायाधिकरण के अंतर्गत होगा।
5. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार कम्पनी का होगा।
6. निविदा को सील बंद लिफाफे में 20.11.2025 तक कार्यालय भेजें।
7. जब टेंडर खुलेगा तब आपको सूचित करने के बाद आपको 50000 रू. जमा करने होंगे। नहीं तो आपका टेंडर निरस्त करने का अधिकार कंपनी का होगा।

स्क्रैप का विवरण निम्न प्रकार है।

1. अखबार रद्दी
2. मलाड
3. स्वीपिंग (रद्दी कागज)
4. डी.एन.पी. (थब्बा)
5. रीलएंड (रील कोर तथा बचा हुआ कागज)
6. स्क्रैप एल्यूमीनियम प्लेट
7. प्लास्टिक बाल्टी 20 किग्रा.
8. खाली कैन 20 लीटर।
9. ड्रम आयरन
10. ड्रम प्लास्टिक
11. सी.टी.पी. गत्ता

लखनऊ और बरेली के लिए सम्पर्क करें:- 9415232799

कार्यालयः जिलाधिकारी, लखनऊ।

पत्र संख्या:-1323/अ0जि0अ0(भू0अ0)/शा0सहा0परि0,कलेक्ट्रेट,लखनऊ दिनांक:-25.10.2025

अधिसूचना

भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 (भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार (उत्तर प्रदेश) नियमावली 2016 नियम 3 (1) के अधीन राज्यपाल सर्वसाधारण की सूचना के लिए अधिसूचित करते है कि नीचे अनुसूची में उल्लिखित भूमि लोक प्रयोजन अर्थात अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा संचालित राजाजीपुरम स्थित जलालपुर फाटक के समीप लक्ष्मण बिहार पारा रोड पर किमी0 17.372 पर रेलवे क्रासिंग सं0-08 स्पेशल/2टी पर रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण के लिए ग्राम पारा, तह0 सदर, जिला लखनऊमें 0.2869हे0 भूमि की स्थाई रूप से आवश्यकता है।

भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के प्रावधान के अन्तर्गत भूमि अर्जन की कार्यवाही से पूर्व चयनित एजेन्सी द्वारा लोक हित में सामाजिक समाघात आंकलन(Social Impact Assessment)व सामाजिक प्रबन्धन योजना तैयार किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

1	अपेक्षक निकाय का नाम	अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ।
2	प्रस्तावितभूमि के अर्जन का उद्देश्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ में राजाजीपुरम स्थित जलालपुर फाटक के समीप लक्ष्मण बिहार पारा रोड पर किमी0 17.372 पर रेलवे क्रासिंग सं0-08 स्पेशल/2टी पर रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण हेतु।
3	संगठनजिसके द्वारा अध्ययन कियाजायेगा।	ATLAS MANAGEMENT CONSULTANCY SERVICES Pvt. Ltd. (एटलस मेनेजमेन्ट कन्सलटेन्सी सविर्सेज प्रा0लि0)
4	संगठन का सम्पर्कविवरण	ATLAS MANAGEMENT CONSULTANCY SERVICES Pvt. Ltd. (एटलस मेनेजमेन्ट कन्सलटेन्सी सविर्सेज प्रा0लि0) 114ए अशोकपुरम विपरीत रोड 4, अशोकनगर, रांची, झारखण्ड, पिन कोड-834002 Mob no 9044488350
5	भूमि का विवरण	

	जिला	तहसील	ग्राम का नाम	गाटा संख्या	अर्जन हेतु प्रस्तावित क्षेत्रफल (हे0) में
1	लखनऊ	सदर	पारा	702सं	0.0103
2				703	0.0250
3				705	0.0133
4				755	0.0239
5				756	0.0231
6				757	0.0114
7				758	0.0057
8				763	0.0116
9				764	0.0094
10				765	0.0094
11				773अ	0.0297
12				775	0.0172
13				779	0.0137
14				781	0.0161
15				784	0.0236
16				786	0.0227
17				805	0.0013
18				1005 (प्लॉट सं0-डी-2, डी-2 व डी-4)	0.0195
				कुल योग	0.2869

1: उक्त योजना प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ से संचालित राजाजीपुरम स्थित जलालपुर फाटक के समीप लक्ष्मण बिहार पारा रोड पर किमी0 17.372 पर रेलवे क्रासिंग सं0-08 स्पेशल/2टी पर रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण सम्बन्धित है।

2: उक्त योजना हेतु प्रस्तावित भूमि का अर्जन प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ के पक्ष में किया जा रहा है।

3: अधिग्रहण हेतु प्रस्तावित भूमि परियोजना के प्रस्ताव के लिए नितान्त न्यूनतम है तथा अन्य कोई विकल्प उपलब्ध नही है।

4: सामाजिक समाघात का निर्धारण अधिकतम 60 दिनों के अन्दर पूर्ण कराया जाना है।

टिप्पणी :उक्त योजना सम्बन्धी विस्तृत विवरण कलेक्टर (अर्जन प्रयोजनार्थ) लखनऊ अथवा (कार्यालय अपर जिलाधिकारी (भूमि अर्जन), शारदा सहायक परियोजना, जिलाधिकारी कार्यालय, लखनऊ) में सभी कार्य दिवसों में देखा जा सकता है।

(कमलेश कुमार गोयल),
कलेक्टर,
(भूमि अध्याप्ति प्रयोजनार्थ),
लखनऊ।

UP - 239626 दिनांक: 29/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

दिनभर हुई बारिश, बढ़ी सर्दी और फसलों को हुआ नुकसान

सड़कों पर दिनभर सन्नाटा छाया रहा, नगर के निचले इलाकों और ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव से परेशानी

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। गुरुवार को मोंथा चक्रवाती तूफान का असर पूरे गंगाघाट क्षेत्र में स्पष्ट रूप से देखने को मिला। सुबह से शुरू हुई बारिश शाम तक रुक-रुक कर जारी रही, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम ठंडा हो गया। बारिश के कारण नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की दिनचर्या प्रभावित रही। सड़कों पर दिनभर सन्नाटा छाया रहा और जरूरतमंद लोग ही घरों से बाहर निकले। बारिश के चलते स्कूली बच्चों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। दोपहर में छुट्टी होने पर कई बच्चे भीगते हुए घर लौटे। शाम तक बूंदाबांदी जारी रहने से ठंड और बढ़ गई तथा लोगों ने गर्म कपड़े निकाल लिए।

लगातार बारिश से नगर के निचले इलाकों और ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। मौसम विभाग के अनुसार, अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में हुई यह बारिश सामान्य नहीं है। बेमौसम बरसात से किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में पड़ा पका धान भीग जाने से दानों में नमी बढ़ गई है। वहीं, जिन किसानों ने आलू की नर्सरी तैयार की थी, उनमें अधिक नमी के कारण सड़न की आशंका जताई जा रही है। सब्जी वर्ग की फसलें टमाटर, मटर, गोभी, लौकी, परवल और बैंगन लगातार भीगने से कमजोर पड़ गई हैं और तनों में गलन का खतरा बढ़ गया है। बारिश ने खेतों में खड़ी फसलों को नष्ट कर दिया है।

बारिश से बचने के लिये फोरलेन से छाता लगाकर जाता व्यक्ति। अमृत विचार

खेत में भीगी पड़ी धान की फसल।

धान की कटाई पर बारिश का असर

बारिश के कारण खेतों में पानी भर जाने से फिलहाल धान की कटाई संभव नहीं है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे ही पानी निकल जाएगा, कुछ दिनों बाद कटाई का कार्य फिर से शुरू किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि सरसों की फसल इस बारिश से प्रभावित नहीं होगी, इसलिए किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है।

आलू फसल को सड़ने से बचाएं

सिकंदरपुर सरोसी के पिपरी, शंकरपुर, लालूपुर, कनिकामऊ, गरेरेपुरवा, हाजीपुर, नरबीजपुर समेत क्षेत्र में लगभग 10 प्रतिशत आलू की बुवाई शेष है, जबकि अधिकांश खेतों में बुवाई पूरी हो चुकी है। किसानों ने बताया कि जिन खेतों में आलू बोया गया है, वहां पानी नहीं भरने देना चाहिए, क्योंकि अधिक नमी से फसल सड़ सकती है।

बेमौसम बारिश से किसान परेशान

सफीपुर। अचानक शुरू हुई बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। जहां धान की तैयार फसल सहित आलू, सरसों सहित अन्य फसलों को भी काफी नुकसान हुआ है। कुछ जगह पर गेहूं की बुआई होने से गेहूं की फसलों को भी नुकसान हुआ है ।बता दें कि बीते 24 घंटे से हो रही लगातार बारिश जहां किसानों के लिए आफत बनकर आई है वहीं मौसम भी अचानक से परिवर्तित नजर आ रहा है। जहां रात में अब बेहद ठंड महसूस हो रही है वहीं इस बेमौसम बारिश से धान की खड़ी व सूखने के लिए खेतों में पड़ी फसल को भी नुकसान हुआ है। किसानों को फसल सढ़ने का डर सता रहा है। किसान बहादुर कुरील ने कहा कि उन्होंने धान की फसल काटकर सूखने के लिए डाला था। बारिश से खेत में पानी भर गया। जिससे फसल सड़ने का डर सता रहा है। किसान हरिपाल ने कहा कि मक्के की फसल के बाद 10 दिन पहले ही गेहूं व सरसों बोई थी। जहां 24 घंटे से पानी गिरने से अब फसल न उगने का डर बना हुआ है।

बारिश के चलते छाता लेकर व गर्म कपड़े पहनकर निकलते लोग। अमृत विचार

ठंडी हवाओं से सर्दी ने दी दस्तक

उन्नाव, अमृत विचार। अक्टूबर के अंत में गुरुवार को शहर व आसपास क्षेत्र के मौसम ने अचानक करवट ले ली। गुरुवार सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे और सुबह करीब 6 बजे शुरू हुई बारिश का सिलसिला पूरे दिन रुक-रुककर जारी रहा। बारिश के साथ चलने वाली ठंडी व सर्द हवाओं ने लोगों को ठंड का अहसास कराया।

बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। जिससे लोगों को स्वेटर, शॉल व जैकेट निकालना पड़ा। बारिश से जहां मौसम सुहाना हो गया वहीं रबी की फसलों की बुआई की तैयारी कर रहे किसानों को अब कुछ समय के लिये इंतजार करना पड़ सकता है। क्योंकि खेतों में जलभराव की स्थिति बन गई है। हालांकि, यह बारिश गेहूं की बुआई के लिए मिट्टी में नमी बनाए रखने में मददगार साबित हो सकती है। बशर्ते यह बहुत अधिक न हो। बेमौसम बारिश व तेज हवाओं ने धान किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खेतों में पकी खड़ी धान की फसलें गिर गई हैं और कटी पड़ी फसल के सड़ने का भी खतरा बढ़ गया है।

न्यूज ब्रीफ

मारपीट के दोषी पिता व दो बेटों को मिली सजा

उन्नाव, अमृत विचार। अचलगंज पुलिस ने 17 जुलाई-2003 को थानाक्षेत्र के टिकौली गांव निवासी पुत्तन व उसके बेटे सुशील व संतोष पर मारपीट व गालीगलौज करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। आईओ मनोज पंत ने 29 नवंबर-2003 को आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य एकत्र कर कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने शासकीय अधिवक्ता पल्लवी भारती की दलील व साक्ष्य के आधार पर पिता व पुत्रों को दोषी ठहराते हुए उन्हें 7-7 दिन की सजा सुनाई। साथ ही सभी पर 1000-1000 का जुर्माना भी लगाया।

न्यायालय के आदेश के बाद मुक्त कराया कब्जा

उन्नाव। निष्पक्ष न्याय व्यवस्था व अधिवक्ता की सूझबूझ से काफी पुराना किराएदारी का विवाद गुरुवार को सुलझ गया। न्यायालय के आदेश पर मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने दुकान को कब्जामुक्त कराकर चाबी सौंप दी। बता दें कि शहर के हाकिम टोला स्थित एक दुकान पर बीते कई वर्षों से किराएदारों ने कब्जा कर रखा था। लंबे समय से मामला सिविज जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में लंबित था। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने अधिवक्ता मो. फैज खान व सुरेंद्र मिश्रा की दलील व साक्ष्य के आधार पर दुकान मालिक ऊषा गुप्ता के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके बाद न्यायालय के अमीन राकेश शुक्ला व पुलिस मौके पर पहुंची और दुकान को कब्जा मुक्त कराकर चाबी दुकान मालिक को सौंप दी।

दरभंगा हमसफर 45 मिनट तक रुकी रही

शुक्लागंज। बुधवार रात सहजनी रेलवे क्रॉसिंग के आगे डाउन लाइन पर लखनऊ की ओर जा रही एक मालगाड़ी की चपेट में एक गोवंश आ गया। टक्कर लगने से वह अप लाइन ट्रैक पर जा गिरा और घायल होकर वहीं पड़ा रहा। इस दौरान उन्नाव से कानपुर की ओर जा रही दरभंगा हमसफर स्पेशल ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रैक पर गोवंश को देखकर ट्रेन रोक दी। रात करीब सवा दो बजे ट्रेन चालक ने लगातार हॉर्न बजाया, लेकिन गोवंश नहीं हटा। गेटमैन की मदद से गोवंश को ट्रैक से हटाया गया, जिसके बाद लगभग तीन बजे ट्रेन को रवाना किया जा सका। इस घटना के चलते ट्रेन करीब 45 मिनट तक रुकी रही।

कार की टक्कर से महिला की मौत

उन्नाव। सड़क पार करते समय महिला को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। बारासगवर थानाक्षेत्र के नरधुवा गांव निवासी सरोजनी (50) पत्नी अवधेश इस समय सदर कोतवाली क्षेत्र के गदन खेड़ा में मकान बनवाकर रहती थी। गुरुवार को वह बाजार जाने के लिए घर से निकली थी। इसके लिए वह ई-रिक्शा में बैठने के लिए उन्नाव-लालगंज हाईवे पार कर रही थी। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

किशोर का शव घर पहुंचते ही मचा कोहराम

उन्नाव। आसीवन थानांतर्गत सरम्बा गांव में बुधवार देररात टेबुलफैन लगाते समय उसमें दौड़े करंट की चपेट में आकर 13 वर्षीय किशोर की मौत हुई थी। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। बता दें कि सरम्बा गांव निवासी सूर्यांश (13) पुत्र स्व. मनोहर गांव के सरकारी विद्यालय में कक्षा 8 का छात्र था। बुधवार रात घर में वह टेबुलफैन का तार लगा रहा था। तभी तार कटा होने से पंखे में करंट दौड़ गया।

बाग में पड़ा मिला लापता वृद्ध का शव

उन्नाव। अचलगंज थानाक्षेत्र में चार दिन से लापता वृद्ध का शव बाग में पड़ा देख चरवाहों में सनसनी फैल गई। पुलिस की जांच में शव के पास कीटनाशक की खाली शीशी व पानी की बोतल मिली है। इससे उसके आत्महत्या करने का अंदेशा जताया गया है। अचलगंज थानाक्षेत्र के भैंसई गांव निवासी रामआसरे उर्फ पुतई (66) पुत्र चंद्रिका खेती करता था। बीती 27 अक्टूबर को वह घर से निकला लेकिन वापस नहीं लौटा।

आशाओं ने सौंपा ज्ञापन

नवाबगंज। विकासखंड में कार्यरत स्वास्थ्य विभाग की आशा बहुओं ने गुरुवार को सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार को आशा बहू कल्याण समिति की नवाबगंज इकाई अध्यक्ष उमादेवी व उपाध्यक्ष कमलेश कुमारी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने अधीक्षक से उनके सभी लंबित भुगतान निर्गत किए जाने की मांग की। बकाया भुगतान न होने पर उन्होंने 1 नवम्बर से कलमबंद हड़ताल पर जाने की घोषणा की।

साइबर क्राइम पर अंबिका के छात्रों ने दिया संदेश

साइबर क्राइम पर जानकारी देते अंबिका स्कूल के बच्चे। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित अम्बिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में गुरुवार को साइबर क्राइम जागरूकता के अवसर पर एक विशेष नाटक प्रस्तुति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और अभिभावकों में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता लाने का प्रभावी माध्यम हैं। प्रधानाचार्या मोनिका तिवारी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम जिम्मेदार डिजिटल नागरिकता की भावना को मजबूत करते हैं।

शातिर चोरों की पुलिस से हुई मुठभेड़

बांगरमऊ, अमृत विचार। एसपी के निर्देश पर अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चल रहे अभियान में बीती बुधवार देररात बेहटा मुजावर पुलिस व बदमाशो में मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान एक शातिर बदमाश के पैर में गोली लग गई। इसमें वह घायल हो गया। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया। जबकि उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा।

पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बेहटा मुजावर पुलिस, सर्विलांस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा थानाक्षेत्र के बांगरमऊ-संडीला मार्ग स्थित गोशा नहर पुल के पास संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। तभी बाइक से जा रहे दो युवकों को पुलिस ने रोका तो उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। आत्मरक्षा में पुलिस टीम ने जवाबी कार्यवाही की। इसमें एक बदमाश के बाये पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल होकर गिर गया। जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर बाइक से भागने में सफल रहा। वहीं पुलिस ने घायल बदमाश को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम निसार उर्फ चांद पुत्र रज्जाक निवासी मदोखेपुर थाना कल्याणपुर जिला फतेहपुर बताया है। आरोपी निसार ने थानाक्षेत्र के गांव माखनखेड़ा स्थित प्राइमरी विद्यालय से टैब व कस्बा बेहटा व गोसाकुतुब से दुकानों की शटर तोड़कर नकदी पार करने की बात स्वीकार की है।

सीएचसी में भर्ती मुठभेड़ में घायल निसार। अमृत विचार

कल से शुरू होगी धान खरीद, बने 40 क्रय केंद्र

- धान खरीद के संबंध में कार्यशाला आयोजित की गई

उन्नाव, अमृत विचार। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में एडीएम न्यायिक अमिताभ यादव की उपस्थिति में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 धान खरीद के संबंध में कार्यशाला आयोजित की गई।

इसमें एडीएम सुशील कुमार गोंड ने कहा कि हर सेंटर में किसानों के बैठने व पानी की व्यवस्था रहे। केंद्रों पर सभी किसानों की धान खरीद हो और समय से भुगतान भी हो। कहा कि हर हाल में जिले के लक्ष्य को पूरा किया जाए। साथ ही हर दिन का टारगेट भी पूरा किया जाए। जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि धान खरीद 1 नवंबर से शुरू होगी। किसानों का रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। किसान किसी भी जनसेवा केंद्र में रजिस्ट्रेशन कर सकता है।

जिले में कुल 40 क्रय केंद्रों में धान की खरीद होगी। जिसमें विपणन शाखा के कुल 16 केंद्र, पीसीएफ के 22 और भारतीय खाद्य निगम के दो केंद्र बनाए गए हैं। जिले में 35 हजार मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें विपणन शाखा का 22 हजार, पीसीएफ का 11 हजार व भारतीय खाद्य निगम का 2 हजार खरीद का लक्ष्य है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपये है। खरीद 9 से शाम 5 बजे तक होगी।

मेले में दुकानदारों से वसूली की डीएम से शिकायत

औरास, उन्नाव। विकासखंड में कार्तिक पूर्णिमा को लगने वाले मेले में दबंग ठेकेदारों द्वारा दुकानदारों से अधिक किराया व पीडब्ल्यूडी की रोड किनारे लगने वाली दुकानों से किराया व मंदिर के पास मांस बिक्री रुकवाने के लिए बनारसी मंदिर के ट्रस्ट प्रबंधक ने डीएम व एसडीएम को शिकायतीपत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। विकासखंड औरास के गोविंदापुर गांव स्थित बनारसी मंदिर ट्रस्ट प्रबंधक विजय गुप्ता ने जिलाधिकारी गौरांग राठी व उपजिलाधिकारी हसनगंज प्रज्ञा पांडेय को शिकायती पत्र देकर बताया कि प्राचीन मेला बनारसी तीर्थ में आस्था वन हिंदू समाज के लाखों लोग बाढ़ गंगा में डुबकी लगाकर मंदिर दर्शन के बाद मेले का आनंद लेते हैं। यह मेला अति प्राचीन धार्मिक व ऐतिहासिक है। जो लाखों सनातनियों की आस्था का केंद्र है। जिलाधिकारी व उप जिलाधिकारी से की है। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने आश्वासन दिया कि जल्द कार्यवाही की जाएगी।

भारत विकास परिषद की भारत को जानो प्रतियोगिता संपन्न

सम्मानित किये गए बच्चों के साथ मौजूद पदाधिकारी। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। भारत विकास परिषद ब्रह्मावर्त प्रान्त शाखा शुक्लागंज के तत्वावधान में भारत को जानो अंतर्विद्यालयीय प्रतियोगिता का आयोजन डीएसएम पब्लिक स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता में नगर के एसवीएम गोपीनाथपुरम, एसवीएम गंगानगर, दयानंद सरस्वती विद्या मंदिर, शिवम कान्वेंट, डीएसएम व गोपीनाथ चंद्रावती विद्यालय के छात्रों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता जूनियर व सीनियर दो वर्गों में प्रोजेक्टर के माध्यम से डिजिटल रूप में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, महासचिव गिरजेश मिश्रा व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जूनियर वर्ग में शिवम कान्वेंट प्रथम, एसवीएम गंगानगर द्वितीय व डीएसएम तृतीय रहा, जबकि सीनियर वर्ग में एसवीएम गंगानगर प्रथम, गोपीनाथ चंद्रावती विद्यालय ने द्वितीय और दयानंद सरस्वती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पदाधिकारियों ने मेडल व उत्तरीय देकर सम्मानित किया। इस मौके पर अमित पांडे, अनुज तिवारी, अवनीश शुक्ला, सूर्य कुमार बाजपेई, श्रीकांत त्रिवेदी, अंकुर शुक्ला, अंजनीकांत मिश्रा समेत तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

हड़हा में चोरों ने 4 घरों को बनाया निशाना

उन्नाव। अचलगंज थानाक्षेत्र के हड़हा में बुधवार रात चोरों ने जमकर धमाचौकड़ी मचाई। बीती बुधवार रात हड़हा निवासी लीलाधर के मकान में पीछे की दीवार में सेंध काटकर चोर दाखिल हुए। लीलाधर की पत्नी लीलावती ने बताया कि चोर कमरे में रखे बक्से व अलमारी का ताला तोड़कर इसमें रखे जेवर व 15 हजार रुपए उठा ले गए। यहीं से चोर पड़ोसी गणेश के जीने से उतरकर घर पहुंचे और वहां भी बक्से का ताला तोड़कर जेवर व एक लाख रुपये ले गए। गणेश की पत्नी शिव कली ने बताया कि सुबह 5 बजे बेटे मुकेश की आंख खुली तो उसने कमरे का दरवाजा खुला देख परिजनों को जगाया। कमरे का सामान अस्त व्यस्त पड़ा था और छत पर बक्से व बैग खाली पड़े थे। बड़े बेटे शिवा ने बताया कि उसकी विदेश में नौकरी करने की तैयारी थी। पासपोर्ट बन गया था। वीजा के लिए मंगलवार को बैंक से एक लाख रुपए निकाले थे। इसके बाद चोर वसैना रोड स्थित पप्पू सोनकर के घर में पीछे की दीवार फांदकर अंदर दाखिल हुए।

खेलकूद — न्याय पंचायत रूपपुर चंदेला में हुई प्रतियोगिता

दौड़ प्रतियोगिता में मयंक व राज ने दिखाया दम

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। विकासखंड सफ़ीपुर की न्याय पंचायत रूपपुर चंदेला में हुई खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न स्पर्धाओं में प्रतिभाग कर पुरस्कार जीत कर अपने विद्यालयों के नाम रोशन किये।

रूपपुर चंदेला में हुई प्रतियोगिता का शुभारंभ संजीव संखवार ने फीता काटकर किया। 200 मीटर दौड़ में करीमाबाद के मयंक व 100 मीटर दौड़ में महपरापुर के राज ने दम दिखाया। वहीं कबड्डी में कम्पोजिट विद्यालय रनियामऊ की टीम ने जीत दर्ज की। खो-खो बालिका वर्ग में उच्च प्राथमिक विद्यालय करीमाबाद विजयी रहा। इसके अलावा कई अन्य खेल भी हुए। जिनमें बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शिक्षकों व अभिभावकों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता के बाद विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। इसमें मुख्य रूप से अमित तिवारी, ज्ञानेन्द्र कुशवाहा, मनोज कुमार, अनीता चौधरी, संतोषी देवी, आंचल शुक्ला, अमित मिश्रा, संजय त्यागी, मीरा देवी, ममता देवी, सूर्यकांत, राम लखन, अनिल कुमार, बृजेश अवस्थी, सुधीर कुमार, भगवंती देवी आदि रहे।

विजेता खिलाड़ियों के साथ शिक्षक व अन्य। अमृत विचार

सिटी डायरी

जूनियर शिक्षक संघ फतेहपुर चौरासी के संयोजक व सहसंयोजक नियुक्त

उन्नाव, अमृत विचार। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की जनपद शाखा की बैठक शहर के एक गेस्ट हाउस उन्नाव में अध्यक्ष अनुपम मिश्र की अध्यक्षता व महामंत्री राम जन्म सिंह के संचालन में हुई। बैठक में संगठन की सदस्यता व इकाइयों के पुनर्गठन पर चर्चा हुई। इसके बाद निर्णय हुआ कि जिले की सभी 16 ब्लॉक इकाइयों में सदस्यता शीघ्र पूर्ण कर नवंबर से दिसंबर माह तक ब्लॉक इकाइयों के चुनाव अनिवार्य रूप से करा लिए जाएं।

फतेहपुर चौरासी की इकाई निष्क्रिय होने से वहां वरिष्ठ शिक्षक नेता जयदीप शुक्ला को संयोजक व शिव कुमार को सहसंयोजक घोषित किया गया तथा उन्हें विकासखंड फतेहपुर चौरासी की सदस्यता शीघ्र पूर्ण कर ब्लॉक इकाई के चुनाव कराने के लिए अधिकृत किया गया। उपस्थित पदाधिकारियो ने जयदीप शुक्ला व शिव कुमार को संयोजक व सहसंयोजक के दायित्व मिलने पर हर्ष जताते हुए बधाई दी।

जयदीप शुक्ला व शिव कुमार के साथ मौजूद कार्यकारिणी के सदस्य।

व्यक्तिगत उद्यम के लिए ले सकते हैं 10 लाख रुपये का ऋण

उन्नाव। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तिगत उद्यमियों को अधिकतम 10 लाख तक की वित्तीय सहायता बैंको के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है। सामान्य वर्ग के लाभार्थी को बैंक द्वारा पूंजीगत ऋण पर लिये जा रहे ब्याज में 4 प्रतिशत ब्याज उद्यमी द्वारा वहन किया जायेगा। शेष पूंजीगत ऋण का ब्याज विभाग द्वारा बैंक को दिया जायेगा। वहीं, आरक्षित वर्ग को ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। इसमें लाभार्थी की उम्र 18 से 50 वर्ष के मध्य होनी चाहिये। आईटीआई, तकनीकी योग्यता, सेवायोजन में पंजीकृत उद्यमियों को वरीयता दी जायेगी। साथ ही भारत सरकार द्वारा संचालित यथा-मुद्रा व स्टेंड-अप योजना के लाभार्थी आवेदन कर सकते हैं। योजना के अंतर्गत शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले उद्यमी जो ग्रामीण अंचलों में उद्योग लगाना चाहते हैं वह भी आवेदन कर सकते हैं। उद्यमियों का चयन निर्धारित स्कोर कार्ड के अनुसार स्क्रुटनी करते हुए स्कोर कार्ड में पूर्णांक 100 मे 50 या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले आवेदक का आवेदन पत्र बैंकों को अग्रसारित किया जायेगा। इच्छुक लोग विभागीय वेबसाइट पर अपना आवेदन आनलाइन कर सकते हैं या अन्य जानकारी के लिये जिला ग्रामोद्योग कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं। यह जानकारी जिला ग्राम उद्योग अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने दी।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

दही पुलिस ने रंगदारी मांगने वाले को तमंचे सहित दबोचा

उन्नाव, अमृत विचार। एसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर जिले भर में अपराधियों के विरुद्ध चल रहे अभियान के तहत दही थाना की पुलिस ने नगर पालिका परिषद उन्नाव के चेयरमैन प्रतिनिधि से संबंधित पोस्ट कर उसे डिलीट किये जाने हेतु रंगदारी मांगने व अवैध रूप से धन उगाही करने के संबंध में 29 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसके आधार पर दही पुलिस ने आकाश उर्फ इंडियन पुत्र विनोद कुमार निवासी जमुका थाना अचलगंज को गुरुवार को हिरासत में लिया और उसके विरुद्ध कार्यवाही करते हुए कोर्ट में पेश किया।

पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में आंवला वृक्ष की पूजा करतीं महिलाएं। अमृत विचार

आंवला नवमी पर महिलाओं ने किया पूजन

उन्नाव। आंवला (अक्षय) नवमी पर महिलाओं ने आंवला वृक्ष का पूजन कर परिवार की सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। वृक्ष की छाया में पकवान बनाकर कन्याओं को भोजन कराया। कार्तिक शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि आंवला नवमी के नाम से प्रसिद्ध है। इस दिन महिलाएं अक्षय पुण्य प्राप्ति के लिए आंवला वृक्ष की पूजा व परिक्रमा कर दान करती हैं। कहा जाता है कि इस दिन आंवला वृक्ष की पूजा परिक्रमा व उसकी छाया में भोजन करने से अक्षय पुण्य दायक फल मिलता है।

अमृत विचार

शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

शहादत कुछ खत्म नहीं करती, वो महज शुरुआत है।
–**इंदिरा गांधी**, पूर्व प्रधानमंत्री

प्रशंसा के निहितार्थ

डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बार-बार की जाने वाली प्रशंसा के निहितार्थ गहरे हैं। यह पहली नजर में दोस्ती और सहयोग का संकेत लगती है, लेकिन इसके भीतर कूटनीतिक स्वार्थ और घरेलू राजनीति के समीकरण हैं। ट्रंप ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संधि-विराम में अपनी भूमिका का दावा किया। भारत–पाक झड़पों में विमानों के गिराए जाने तक के बयान दिए, साथ ही 'मोदी एक महान मित्र हैं', जैसी टिप्पणियां भी बार-बार दोहराईं, परंतु उसी सांस में वे भारत पर दबाव भी डालते हैं। पाकिस्तान की नीतियों को सहलाते हैं और भारत के हितों के विपरीत निर्णय लेते हैं। यह दोहरा रुख अमेरिकी राजनीति की पुरानी परंपरा है, जहां 'इंडिया' को नहीं, 'अमेरिकन इंटरेस्ट' को प्राथमिकता दी जाती है। ट्रंप का मोदी की प्रशंसा के साथ पाकिस्तानी मुनीर की तारीफ भारतीय जनमत को भ्रमित करने और दक्षिण एशिया में अपनी भूमिका को निर्णायक दिखाने की रणनीति है।

यह ट्रंप ही थे, जिन्होंने 2019 में भारत को जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज से बाहर कर दिया था और तब देश के निर्यात पर तकरीबन छह अरब डॉलर की आंच आई थी। अब उनका दावा है कि अमेरिका भारत के साथ 'महान ट्रेड डील' करने वाला है, बेशक ट्रेड डील होगी, पर अमेरिका अपनी शर्तों पर दबाव डाल कर देरी कर रहा है। भारत के साथ अमेरिका का द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 195 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जिसमें अमेरिका का घाटा लगभग 45 अरब डॉलर का है। वे इसे कम करना चहते हैं, जिसके लिए उनकी जिद है कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों, चिकित्सा उपकरणों और डिजिटल सेवाओं के लिए अपना बाजार खोले, जबकि भारत की प्राथमिकता है फार्मा, आईटी सेवाओं, स्टील-एल्युमिनियम पर लगे अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को हटवाना और एच-वन बी वीजा नियमों में राहत। यदि ट्रंप 'दोस्त' हैं, तो उन्हें भारत पर लगाए गए 25 फीसद अतिरिक्त टैरिफ हटाने और बेजा शर्तों पर दबाव बनाए बिना अपने टैरिफ को 20 फीसदी के भीतर लाना चाहिए। ट्रंप व्यक्तिगत मित्रता की भाषा बोलते हैं, पर नीतिगत स्तर पर 'अमेरिका फर्स्ट' से कभी नहीं हटते, इसलिए भारत को भी 'इंडिया फर्स्ट' के सिद्धांत पर अडिग रहना होगा।

ट्रेड डील के मामले में भारत को 'समानता और पारस्परिकता' के सिद्धांत पर टिके रह कर उन शर्तों से बचना होगा, जो उसकी कृषि सुरक्षा, डेटा संप्रभुता और स्थानीय उत्पादन नीति को कमजोर करे। अमेरिकी कंपनियों की मनमानी से बचाव के लिए भारत को अपने ई-कॉमर्स और डिजिटल डेटा नियमन को समझौते का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। विदेश नीति के स्तर पर भारत को ट्रंप के बयानों पर भावनात्मक नहीं, रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। अमेरिका महत्त्वपूर्ण साझेदार है, पर भारत की विदेश नीति 'बहु-ध्रुवीय संतुलन' की है, जिसमें वाशिंगटन के साथ ही मास्को, पेरिस व टोक्यो के साथ भी समान दूरी और सहयोग बना रहना चाहिए। ट्रंप द्वारा की गई प्रधानमंत्री की तारीफें व्यक्तिगत व क्षणिक हैं, जबकि राष्ट्रीय हित शाश्वत। भारत को उनकी मित्रता का स्वागत तो करना चाहिए, पर देश और सरकार को भरोसा केवल अपने सामरिक विवेक और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर रखना होगा।

प्रसंगवश

अखंड भारत के शिल्पकार सरदार बल्लभभाई पटेल

किसी राष्ट्र की एकता और अखंडता उसके सशक्तिकरण का मूल परिचय है। सरदार बल्लभभाई पटेल इस सूत्र को भलीभांति समझते थे, इसीलिए स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद तक उन्होंने देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया था। सरदार पटेल का जन्म गुजरात के नडियाद में 31 अक्टूबर सन् 1875 में हुआ था। स्वतंत्रता आंदोलन की दिशा में उनका पहला महत्वपूर्ण योगदान खेड़ा संघर्ष था, जिसे खेड़ा सत्याग्रह के नाम से भी जाना जाता है। बात 1918 की है।

गुजरात के खेड़ा जिले के किसानों की फसलें चौपट हो गई थीं और ब्रिटिश सरकार उन पर लगान का बोझ अलग से थोप रही थी, जिसे देने में किसान सक्षम नहीं थे। ऐसे में गांधी जी के नेतृत्व में

रमा निवास तिवारी
लेखक

सरकार के विरुद्ध किसानों की लड़ाई सरदार पटेल ने लड़ी। युवाओं को एकजुट करके उन्होंने सरकार को अपना फैसला बदलने पर मजबूर कर दिया। इसी सत्याग्रह के बाद से वे गांधी जी और जनता दोनों के ही घनिष्ठ संपर्क में आ गए। देश की आजादी के लिए उन्होंने बड़ा काम किया था। विशाल भारत बनाने का श्रेय पटेल जी को जाता है।

आजादी मिलने के पूर्व से ही वे तमाम देशी रियासतों को भारत में विलय कराने में लग गए थे। सरदार पटेल ने पीवी मेनन के साथ मिलकर इन रियासतों के राजाओं को समझा-बुझाकर भारत में विलय करने पर राजी करा लिया था। केवल हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ इन तीन रियासतों को छोड़कर सभी रियासत के राजाओं ने विलय के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। ये सभी रियासतें स्वायत्त थीं और इनकी अपनी स्वतंत्र संप्रभुता थी। यह सरदार पटेल की देन थी, जो भारत की भौगोलिक सीमा का विस्तार हो पाया। आजादी मिलने तक लगभग सभी रियासतें भारतीय संघ का हिस्सा बन चुकी थीं। भारतीय संघ में विलय को लेकर जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध वहां की जनता ने विद्रोह कर दिया, जिससे नवाब पाकिस्तान भाग गया।

पटेल ने मौका अनुकूल जानकर जूनागढ़ को भारतीय संघ में मिला लिया। हैदराबाद के निजाम ने विलय के प्रस्ताव को अस्वीकार किया तो वहां सेना भेजकर सरदार पटेल ने उसका आत्मसमर्पण करा लिया। इस प्रकार सरदार पटेल ने लगभग छह सौ के आसपास छोटी-बड़ी रियासतों का विलय भारत में कराया। उनकी सूझबूझ और दूरदर्शिता का अंदाजा इस घटना से लग जाता है, जब देश आजाद हुआ तो लक्षद्वीप समूह को पाकिस्तान अपने कब्जे में न ले ले, इसलिए उन्होंने आजादी मिलने के दस-पंद्रह दिन बाद वहां भारत का झंडा फहराया। बाद में पता चला कि पाकिस्तान के नौसैनिक जहाज में सवार होकर वहां अपना झंडा फहराने आए थे, लेकिन भारत का झंडा लगा देख, वे वापस लौट गए।

सरदार पटेल स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री थे। इरादों के मजबूत और नीतिगत दृढ़ता के धनी होने के नाते महात्मा गांधी ने सरदार बल्लभभाई पटेल को लौहपुरुष की संज्ञा दी थी। जनता की समस्याओं को लेकर वे जनता की आवाज बन जाते थे, इसलिए लोग उन्हें सरदार भी कहने लगे थे। सरदार से उनका अभिप्राय मुखिया या प्रमुख हुआ करता था। बारदोली सत्याग्रह की सफलता के बाद उनका यह नामकरण हुआ था। सरदार पटेल को अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने में बड़ा वक्त लगा। 22 वर्ष की अवस्था में उन्होंने दसवीं उत्तीर्ण की। परिवार में आर्थिक तंगी के कारण कालेज नहीं जा सके तो किताबें खरीदकर स्वयं से अध्ययन किया। 36 वर्ष की अवस्था में वे वकालत की पढ़ाई करने इंग्लैंड गए।

धरती पर बढ़ रहा संकट, समझें कुदरत के इशारे

विवेक सक्सेना
अयोध्या

पर्यावरण संकट आज मानवता के समक्ष सबसे गंभीर और बहुआयामी चुनौती के रूप में उभरकर सामने आया है। प्रकृति के सीमित संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, औद्योगिक प्रदूषण और बेलगाम उपभोग की प्रवृत्ति ने पृथ्वी का संतुलन बुरी तरह बिगाड़ दिया है। पिछले कुछ दशकों में इसका प्रभाव संभावित चेतावनी मात्र न रहकर प्रत्यक्ष अनुभव बन चुका है। प्रचंड चक्रवाती तूफान मोंथा, पहली बार मानसून का हिमालय पार कर तिब्बत पहुंचना, रिकॉर्ड तोड़ तापमान, समुद्र के जल स्तर में वृद्धि, विनाशकारी चक्रवात, अप्रत्याशित वर्षा चक्र, बादलों का फटना, इससे लोगों की मौतें आदि घटनाएं यह स्पष्ट करती हैं कि पृथ्वी का प्राकृतिक चक्र गंभीर असंतुलन की ओर अग्रसर है। यह संकट अब पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं रहा, बल्कि हमारे अस्तित्व, स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा सीधा प्रश्न बन गया है। वनों की कटाई और जैव-विविधता का क्षरण इस संकट की गंभीरता को और गहरा बना रहा है।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह संकट दोहरी चुनौती है। एक ओर आर्थिक प्रगति जरूरी है, तो वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विकसित देशों ने भी विकास के तेजी से बढ़ते पहिए के कारण पर्यावरण को होने वाले व्यापक विनाश को रोकने की आवश्यकता महसूस की है। उद्योगों की तेज गति, शहरों का विस्तार और बढ़ती आबादी ने पर्यावरण को और अधिक नुकसान पहुंचाया है। बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के कारण समस्याएं और भी बदतर हो रही हैं, जो दैनिक दिनचर्या और देश की अर्थव्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर रही हैं। इनसे पर्यावरण के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य और जीविकोपार्जन के उनके अवसरों को भी नुकसान पहुंच रहा है।

देश में बढ़ते शहरीकरण, प्रदूषित नदियां और ठोस कचरे का अंबार पर्यावरणीय चुनौतियों को रेखांकित करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी 17 सितंबर को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को न सिर्फ वायु प्रदूषण से निपटने की कार्य योजना तीन सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, अपितु सीएक्यूएम, सीपीसीबी आदि में रिक्त पड़े पदों को भरने में देरी पर भी नाखुशी जाहिर की।

प्रदूषण के कारण वायु और जल की गुणवत्ता निरंतर गिर रही है और इसके दुष्परिणाम मानव स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष रूप से देखे जा सकते हैं। वायु प्रदूषण खतरनाक होता जा रहा है। वाहनों व कारखानों से निकलने वाले धुएं, फसलों को जलाने और निर्माण स्थलों पर होने वाली गतिविधियों के कारण वायु की गुणवत्ता कम हो रही है। हवा में कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य कणों की मात्रा बढ़ने से और PM 2.5 कणों की अधिकता के कारण लोगों को सांस और हृदय संबंधी बीमारियां हो रही हैं। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में हवा में सांस लेना बेहद खतरनाक हो गया है। भारत में पानी की गंभीर कमी है, क्योंकि इसका अत्यधिक उपयोग किया गया। इसका उचित प्रबंधन नहीं किया गया। गंगा और यमुना नदियों का जल असुरक्षित औद्योगिक अपशिष्ट, सीवेज उत्सर्जन और प्लास्टिक प्रदूषण के कारण प्रदूषित है, जिससे यह पीने योग्य नहीं रह गया है।

गौरतलब है कि देश के 15वें राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू ने पहली बार देश को संबोधित करते हुए कहा था कि मेरा तो जन्म उस जनजातीय परंपरा में हुआ है, जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर जीवन को आगे बढ़ाया है। मैंने जंगल और जलाशयों के महत्व को अपने जीवन में महसूस किया है। हम प्रकृति से जरूरी संसाधन लेते हैं और उतनी ही श्रद्धा से प्रकृति की सेवा भी करते हैं। उससे पहले निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने जब आखिरी बार देश को संबोधित करते हुए कहा था कि प्रथम नागरिक के रूप में अगर मुझे अपने देशवासियों को कोई एक सलाह देनी हो तो मैं उनसे कहना चाहूंगा कि प्रकृति माता गहरी तकलीफ में हैं और जलवायु संकट इस समूचे ग्रह के भविष्य को खतरे में डाल सकता है। दोनों राष्ट्रपतियों द्वारा पर्यावरण के मुद्दे को अपने भाषण में शामिल करना अकारण नहीं हो सकता। पर्यावरण आज हर मनुष्य के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है।

इस सचाई से इनकार नहीं किया जा सकता कि पर्यावरण संरक्षण के मामले में हम बहुत पीछे हैं। हमें बहुत कुछ करना है। वर्तमान में जरूरत है, नीतियों के क्रियान्वयन में कठोरता और व्यवहारिक बदलाव की। इस संकट का हल आधे-अधूरे प्रयासों से संभव नहीं है। वनों के संरक्षण के साथ-साथ पौधरोपण और उनकी देखभाल को औपचारिकता मात्र नहीं राष्ट्रीय प्राथमिकता का दर्जा देना होगा। प्रदूषण नियंत्रण के कठोर कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा।

वैश्विक स्तर पर सहयोग और जलवायु न्याय सुनिश्चित किए बिना, यह संकट टल नहीं सकता। पर्यावरण संकट अब आने वाले कल का नहीं, वर्तमान का जीवंत प्रश्न है। यदि हम इसे नजरअंदाज करेंगे तो आने वाली पीढ़ियां केवल हमारे उपेक्षापरक दृष्टिकोण की विरासत पाएंगी। समय आ गया है कि देश की सरकारें, व्यवस्था से जुड़े जिम्मेदार और प्रत्येक नागरिक पृथ्वी के संरक्षण का संकल्प ले। यह हमारी नैतिक, सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी को मिलकर गंभीरता से न सिर्फ काम करना होगा, अपितु नियमों को और सख्ती से लागू करना होगा। पर्यावरण की रक्षा के लिए एक दीर्घकालिक योजना बनानी होगी। स्वच्छ भारत अभियान जैसे प्रयास सराहनीय हैं, किंतु यह पर्याप्त नहीं हैं। नागरिक और सरकार तालमेल बनाए रखते हुए, तेजी से आगे बढ़ें और दुनिया के सामने मिसाल पेश करें।

> प्रकृति का अंधाधुंध दोहन, औद्योगिक प्रदूषण और बेलगाम उपभोग की प्रवृत्ति ने पृथ्वी का संतुलन बुरी तरह बिगाड़ दिया है। इसका प्रभाव प्रत्यक्ष अनुभव बन चुका है।

नरेंद्र मोदी वोट के लिए ड्रामा करते हैं। नरेंद्र मोदी को छठ पूजा से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें सिर्फ आपका वोट चाहिए। आप वोट के लिए उनसे कोई भी ड्रामा करवा लो वो कर देंगे। नीतीश कुमार खुद कोई फैसला नहीं ले रहे हैं। वो रिमोट से चल रहे हैं।
–**राहुल गांधी**, कांग्रेस नेता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपनी हालिया टिप्पणी और छठी मईया और उनके भक्तों का अपमान करने की कीमत चुकानी पड़ेगी। राहुल ने मोदी के बारे में अपमानजनक तरीके से बात की। जब भी उन्होंने ऐसा किया है, हर बार कीचड़ से कमल खिला है।
–**अमित शाह**
केंद्रीय गृहमंत्री

शिक्षा से दूर क्यों हैं गणित और विज्ञान!

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

स्कूली शिक्षा में जब तब सुधार की बात होती है, तो भाषा या फिर इतिहास पर आकर विवाद खड़े होते हैं और बच्चे की न्यूनतम अधिगम क्षमता वहीं की वहीं खड़ी रह जाती है। यह सच है कि भाषा पर पकड़ मजबूत होने पर ही बच्चा अन्य कोई विषय को भलीभांति समझ सकता है, लेकिन असली दिक्कत भाषा को सही तरीके से सिखाने से कहीं अधिक भाषा की राजनीति में भटक जाना है। शुरुआती शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण और वैश्विक स्तर का होने का मूल आधार तार्किकता, वैज्ञानिक समझ और गणना है।

प्राथमिक स्तर पर किताबों के मूल चार उद्देश्य हैं– बच्चा वर्णमाला पहचान सके और उसका इस्तेमाल कर सके, अंक को पहचाने और चार आधारभूत प्रक्रिया(जोड़-बाकी-गुणा-भाग) भली-भांति कर सके, रंग और आकृति को पहचाने और फिर मानवीय गुणों के प्रति संवेदनशील हो। हमारी पाठ्य पुस्तकें एकालाप करती हैं। सशंकित और उत्तर न देने पर असफल घोषित होने के भय से सहमा हुआ बच्चा। ऐसे में राजनेता इस बात पर लड़ते हैं कि अकबर को वीर कहें या राणा सांगा को अधिक बड़ा लड़ैया या फिर मद्रास का बच्चा हिंदी क्यों पढ़े? स्कूल से निराश 12.3% लड़कियां माध्यमिक विद्यालय आते-आते स्कूल छोड़ देती हैं। वहीं लड़कों में यह ड्रॉपआउट 13 फीसद है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के 'परख (PARAKH) सर्वेक्षण 2025' और वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (ASER) 2024 से उजागर होता है कि कक्षा तीन से पांच के लगभग 38% बच्चे और कक्षा 6 से 8 के लगभग 46% बच्चे गणित के बुनियादी सवालों को हल करने में असमर्थ हैं। दस तक के पहाड़े भी नहीं जानते। यह बात सरकार स्वीकार करती है कि कक्षा छह के 71% छात्र गणित में फ्रेक्शन अर्थात भिन्न को पहचानने और तुलना करने में असमर्थ हैं। गणित का इतना भय है कि कक्षा नौ में 63% छात्र बुनियादी गणित में असफल रहे। विज्ञान विषयों जैसे रासायनिक परिवर्तन, विद्युत प्रवाह व जटिल जैविक प्रक्रियाओं में भी काफी बच्चों को परेशानी होती है।

रिपोर्ट में राज्य-स्तर पर भी अंतर दिखा है। जैसे- केरल, हिमाचल प्रदेश, पंजाब जैसे राज्य बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, लक्षद्वीप, पुडुचेरी, गोवा, त्रिपुरा जैसे राज्यों के बच्चे गणित और विज्ञान में सबसे कमजोर हैं। वहीं सरकारी स्कूलों के बच्चों का इस संबंध में प्रदर्शन निजी स्कूलों की तुलना में कमजोर है, हालांकि निजी स्कूलों के बच्चे भी गणित में अपेक्षाकृत पिछड़े हैं। शिक्षा मंत्रालय के 'निपुण भारत मिशन' के तहत आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में बच्चे बुनियादी गणित व विज्ञान के कौशल में पिछड़े हैं।

गणित को 'तर्क की भाषा' और 'विज्ञान की रीढ़' कहा जाता है, लेकिन भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां हर पांचवा बच्चा सीखने की मूलभूत चुनौतियों से जूझ रहा है, वहां गणित प्राथमिक शिक्षा की सबसे कठिन और डरावनी इकाई बनकर उभरी है। समाज यह मान बैठा है कि विज्ञान और गणित कठिन विषय हैं और यह सभी के बस की बात नहीं। इसी के चलते बच्चों में बचपन से ही विज्ञान-गणित के प्रति डर पैदा हो जाता है। यह डर उन्हें सीखने से रोकता है। जब बच्चों को सीखने में मजा नहीं आता, तो उनकी रुचि कम हो जाती है और वे इस विषय से दूर भागने लगते हैं। चूंकि यह सोच, समूचे समाज में घर की हुई है, सो कई अभिभावक बच्चों को गणित में मदद नहीं कर पाते, क्योंकि वे खुद इन दोनों विषयों से डरे हुए होते हैं, जिससे बच्चों को घर पर पर्याप्त सहायता नहीं मिल पाती। अक्सर बच्चे को ट्यूशन में धकेल दिया जाता है, जहां की शिक्षण प्रणाली विद्यालय से अधिक अलग नहीं होती।

हालांकि बच्चों का गणित और विज्ञान में कमजोर होने के कारण किसी से छुपे नहीं हैं। सबसे बड़ा कारण तो विज्ञान और गणित को पढ़ाते समय समझने के बजाय सवालों को रटने पर जोर दिया जाता है। इससे बच्चों में अवधारणात्मक समझ विकसित नहीं हो पाती है और वे केवल यांत्रिक तरीके से सवालों को हल करते हैं। प्राथमिक स्तर पर बच्चों को मूर्त अनुभवों के माध्यम से सिखाना बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन कई स्कूलों में यह कमी देखी जाती है। बच्चों को खेल-खेल में या दैनिक जीवन से जोड़कर विज्ञान- गणित सिखाने के बजाय सीधे फॉर्मूले और नियम बताए जाते हैं। वैसे भी हमारे यहां दूरस्थ अंचलों में प्राथमिक शिक्षा भवन, शिक्षक और मूलभूत सुविधा के अभाव से आहत है।

स्कूल में शिक्षण के अलावा मध्यान्ह भोजन और ऐसी ही गतिविधियों पर अधिक चिंता रहती है। बच्चे को उत्तीर्ण करना भी अनिवार्य है। यह समझना होगा कि हर कक्षा में अलग-अलग स्तर के बच्चे होते हैं। कुछ जल्दी सीखते हैं और कुछ देर से, लेकिन शिक्षक अक्सर एक ही विधि प्रयोग करते हैं, जबकि बच्चों की सीखने की क्षमता और शैली अलग होती है। वह भी क्या करें जब एक ही शिक्षक को पांच कक्षा पढ़ानी हो तो नवाचार से अधिक कक्षा प्रबंधन अनिवार्य होता है। यह बात भी बच्चे को भयभीत करती है कि गणित और विज्ञान को केवल संख्याओं और संक्रियाओं तक सीमित रखा जाता है, जिससे बच्चों में तार्किक सोच और समस्या-समाधान कौशल विकसित नहीं हो पाता।

> एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि कक्षा तीन से पांच के लगभग 38 प्रतिशत बच्चे और कक्षा छह से आठ के लगभग 46 फीसदी बच्चे गणित के बुनियादी सवालों को हल करने में असमर्थ हैं।

सोशल फोरम

'सरहदी गांधी' की छोटी गठरी और इंदिरा जी

रवि माथुर
सेवानिवृत इंजीनियर

खान अब्दुल गफ्फार खान हमेशा अपने साथ एक कपड़े की गठरी (थैला) रखते थे। आखिर क्या था उनकी गठरी में, जिसे वह किसी को नहीं सौंपते थे। जब 1969 में गांधी जन्म शताब्दी पर इंदिरा जी के विशेष आग्रह पर खान अब्दुल गफ्फार खान इलाज के लिए भारत आए तो हवाई अड्डे पर उन्हें लेने इंदिरा जी और जेपी नारायण जी खुद आए। खान साहब जब हवाई जहाज से बाहर आए तो उनके हाथ में वही पोटली थी, जिसके बारे में गांधी जी मजाक करते थे। मिलते ही श्रीमती गांधी ने पोटली की तरफ हाथ बढ़ाया- इसे हमें दीजिए, हम ले चलते हैं। खान साहब ठहरे, बड़े ठंडे मन से बोले- यही तो बचा है, इसे भी ले लोगी?

बंटवारे का पूरा दर्द खान साहब की इस बात से बाहर आ गया। जेपी नारायण और इंदिरा जी दोनों ने सिर झुका लिया। जेपी अपने आप को संभाल न पाए। उनकी आंख से आंसू गिर रहे थे।

1985 में कांग्रेस स्थापना शताब्दी के अवसर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने उन्हें विशेष अतिथि के रूप में पुनः आमंत्रित किया और इसके लिए तत्कालीन पाकिस्तान के तानाशाह जिया उल हक को उन्हें भारत आने की इजाजत देने के लिए कहा। जब खान साहब भारत आए, तब भी उनके हाथों में वही पोटली थी, जो पिछली बार 1969 में इंदिरा गांधी के आमंत्रण पर वो साथ लाए थे। राजीव गांधी इस पोटली के बारे जानते थे। उन्होंने खान साहब से कहा- आपने कभी महात्मा गांधी और इंदिरा जी को ये पोटली को हाथ भी नहीं लगाने दिया, लेकिन अगर आप चाहें तो क्या मैं इस पोटली को खोल कर देख सकता हूं? खान साहब ने हंस कर अपने पठानी अंदाज में कहा- तू तो हमारा बच्चा है... देख ले... नहीं तो सभी सोचते होंगे, पता नहीं खान इस पोटली में क्या छुपाए फिरता है। जब राजीव गांधी ने पोटली खोल कर देखा, तो उसमें सिर्फ दो जोड़ी लाल कुर्ता-पाजामा थे।

सामयिकी

नेपाल: राजदूतों को वापस बुलाने पर उठते सवाल

नेपाल में चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में संशय बढ़ता जा रहा है। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शपथ ग्रहण के फौरन बाद छः महीने के भीतर चुनाव कराकर सत्ता नई सरकार के हवाले करने का वादा किया था, लेकिन जिस तरह प्रशासनिक हलकों में फेरबदल और राजदूतों को वापस बुलाने में तेजी दिख रही है, उस रफ्तार में चुनाव को लेकर सरकार की तैयारी नहीं दिख रही। बता दें कि नेपाल की अंतरिम सरकार ने विभिन्न देशों में राजनीतिक आधार पर नियुक्त 11 राजदूतों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है।

एमाले और नेपाली कांग्रेस ने विदेशों में तैनात नेपाली राजदूतों को थोक में वापस बुलाने के अंतरिम सरकार के फैसले को अनुचित

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

करार देते हुए कहा कि इससे हमारी विदेश नीति का संतुलन गड़बड़ाएगा नेपाल की साख पर भी सवाल खड़ा होगा। वहीं सूचना एवं प्रसारण मंत्री जगदीश खरेल का कहना है कि सरकार ने यह कदम कूटनीतिक संतुलन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उठाए हैं। नेपाल सरकार ने जिन 11 देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का फरमान जारी किया है, उसमें भारत का नाम नहीं है। इसे लेकर नेपाल के राजनीतिक गलियारों में अलग तरह की चर्चा है।

नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रकाश शरण महत ने कहा है कि अंतरिम सरकार द्वारा विभिन्न देशों में कार्यरत नेपाली राजदूतों को बार-बार वापस बुलाए जाने से नेपाल के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर प्रतिकूल असर पड़ना तय है। कांग्रेस की केंद्रीय समिति की बैठक के बाद सरकार के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए महत ने कहा कि सरकार लगातार अलग-अलग देशों से राजदूतों को वापस बुला रही है। इस तरह की जल्दबाजी और अस्थिर नीति से न केवल कूटनीतिक साख कमजोर होती है, बल्कि हमारे अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने अंतरिम सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपनी सारी शक्ति और ऊर्जा आगामी निर्वाचन की तैयारी में लगाने के बजाय राजनीतिक प्रतिशोध में उलझी हुई है। महत के अनुसार, देश में शांति और सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित करना सरकार की पहली जिम्मेदारी है, लेकिन सरकार इस दिशा में गंभीर दिखाई नहीं देती। उन्होंने कहा कि केवल निर्वाचन आयोग की कार्य तालिका जारी कर देने से चुनाव संभव नहीं होगा, इसके लिए शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण बनाना आवश्यक है।

एमाले ने अंतरिम सरकार के इस फैसले पर हैरानी जताते हुए कहा कि इससे सरकार के छः महीने में चुनाव कराने के उसके दावे पर संदेह होता है। एमाले के निवर्तमान सांसद मंगल प्रसाद गुप्ता ने कहा कि इससे राजदूतों की स्थिति फुटबाल जैसी हो जाएगी और उनमें अनिश्चितता का भाव पैदा होगा। उन्होंने कहा कि छः महीने में चुनाव कराने के सरकार के वादे के अनुरूप अब समय सीमा घट कर चार ही महीने रह गई।

इस दौरान सरकार का प्रशासन और राजदूतों में भारी फेरबदल करने की तैयारी संदेहास्पद है। इससे अंतरिम सरकार के अपने वादे के मुताबिक तय समय सीमा में चुनाव कराने में संदेह है और यदि चुनाव हो भी जाए तो क्या गारंटी है कि संसद का विघटन कर अंतरिम सरकार का गठन करने वालों के मनमाफिक सरकार ही सत्ता रूढ़ हो? ऐसा नहीं हो पाया तो जाहिर है, जिसकी सरकार बनेगी, वह फिर अपने हिसाब से राजदूतों की नियुक्ति करेगा। मंगल प्रसाद गुप्ता ने कहा कि अंतरिम सरकार को समझना होगा कि चुनाव में आखिर राजदूतों की क्या भूमिका है?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

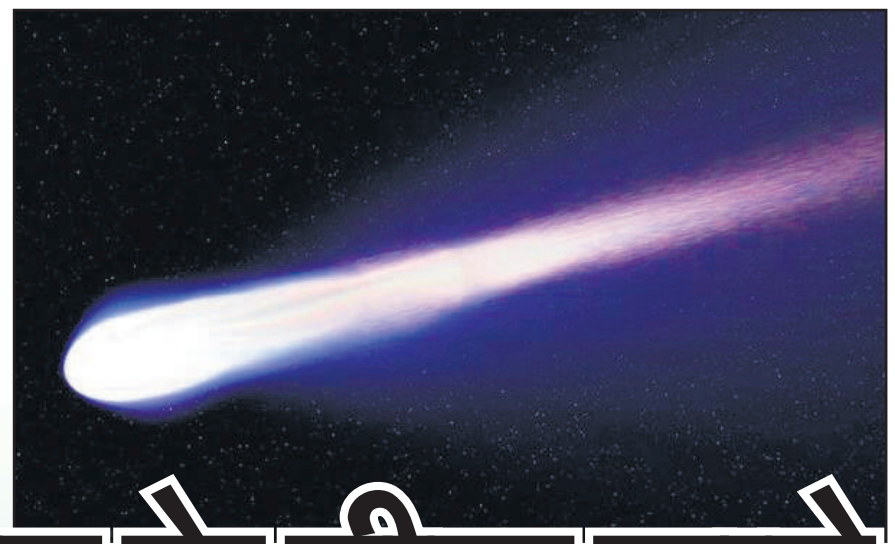

जीवन के बीज लाते धूमकेतु

पुच्छल तारों के विषय में भला कौन नहीं जानना चाहता। आजकल ऐसे कई पिंड सूर्य के करीब आ रहे हैं और धरती से उन्हें उनकी लंबी पूंछ से पहचाना जा सकता है। धूमकेतु (कॉमेट), जिन्हें पुच्छल तारा कहा जाता है, प्राचीनकाल से ही मानव के लिए कौतुहल का विषय रहे हैं। ग्रह और उपग्रहों की तरह इन पिंडों के भी नाम होते हैं। खास बात यह है कि कुछ पिंड सूर्य के पास नियमित आते हैं और कुछ को आने में हजारों या लाखों वर्ष का समय लग सकता है। धूमकेतु को सौर मंडल का प्राचीन अवशेष माना जाता है। आधुनिक विज्ञान धूमकेतु को बर्फ, धूल और गैस का मिश्रण मानता है, जो सूर्य के पास आने पर पूंछ विकसित करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये जीवन के मूल बीज जैसे अमीनो एसिड, पानी और अन्य रासायनिक तत्व पृथ्वी पर ला सकते हैं। यह विचार 'पैनस्पर्मिया' सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें कहा जाता है कि जीवन के निर्माण ब्लॉक्स अंतरिक्ष से धूमकेतुओं या उल्कापिंडों के माध्यम से पृथ्वी पर पहुंचे। यह कनेक्शन दशकों से विवादास्पद रहा है, लेकिन हाल के अध्ययनों ने इसे मजबूत प्रमाण दिए हैं।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

पैनस्पर्मिया के अनुसार जीवन पृथ्वी पर स्वतः उत्पन्न नहीं हुआ, बल्कि अंतरिक्ष से आया है। धूमकेतु, जो सौर मंडल के बाहरी हिस्सों से आते हैं, कार्बनिक अणु जैसे अमीनो एसिड, पेप्टाइड्स और फॉस्फोरस ले जाते हैं। प्रारंभिक पृथ्वी पर इनकी टक्कर से ये तत्व सतह पर जमा हुए, जो जीवन की शुरुआत के लिए 'प्रीबायोटिक सूप' बनाते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि सौर मंडल के निर्माण के दौरान बने कार्बनिक पदार्थ पृथ्वी पर धूमकेतुओं से पहुंचे यानी पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत करने में धूमकेतुओं का महत्वपूर्ण योगदान है।

पहले भी आ चुका है स्वान

धूमकेतु C/2025 R2 (स्वान), जिसे सामान्यत: स्वान धूमकेतु के नाम से जाना जाता है, एक लंबी अवधि का धूमकेतु है, जो सूर्य मंडल के बाहरी क्षेत्र से आया। यह 2025 के अक्टूबर महीने में पृथ्वी के निकट पहुंचने के कारण खगोलप्रेमियों के लिए विशेष रूप से रोचक रहा। यह धूमकेतु ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न माना जाता है। ओर्ट क्लाउड सूर्य से हजारों खगोलीय इकाई दूर एक बर्फीली संरचना है। इसे 11 सितंबर, 2025 व्लादिमीर बेजुगली को खोजा गया, जो सोहो उपग्रह के स्वान कैमरे की छवियों का विश्लेषण कर रहे थे। यह गैर-आवर्ती धूमकेतु है अर्थात् यह सूर्य की परिक्रमा के लिए 200 वर्ष से अधिक समय लेता है। सोहो मुख्य रूप से सौर हवा का अध्ययन करता है, लेकिन इसकी छवियां धूमकेतुओं की खोज के लिए उपयोगी साबित हुई हैं। इस धूमकेतु की कक्षा अंडाकार है, लेकिन उच्च विकेंद्रीकरण के कारण लगभग परवलयिक जैसी है। यह सूर्य के चारों ओर एक लंबी यात्रा करने वाला धूमकेतु है। वर्तमान में (अक्टूबर के अंत में), यह लगभग 6 वीं परिमाण की चमक के साथ नग्न आंखों से सीमित रूप से दिखाई दे सकता है, विशेष रूप से दूरबीनों से इसे देखा जा सकेगा। इस धूमकेतु को देखना एक दुर्लभ अवसर होगा, क्योंकि फिर यह हजारों वर्षों बाद लौटेगा।

पहली बार दिखा लेमन

धूमकेतु C/2025 A6 (लेमन), जिसे सामान्यत: लेमन धूमकेतु के नाम से जाना जाता है, एक लंबी अवधि का धूमकेतु है, जो सूर्य मंडल के बाहरी क्षेत्र, संभवत: ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न हुआ है। यह 2025 के अक्टूबर-नवंबर में पृथ्वी के निकट पहुंचने और चमकदार होने के कारण खगोलप्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना। अक्टूबर में यह धूमकेतु उत्तरी गोलार्ध में पूर्वोत्तर आकाश में सूर्योदय से पहले दिखाई दिया और इसकी चमक लगभग 7-8 मैग्निट्यूड के आसपास पहुंची, जो बाइनोकुलर से आसानी से दृश्यमान बनाती है। यह धूमकेतु C/2025 R2 (स्वान) के साथ अक्टूबर के अंत में डबल धूमकेतु घटना का हिस्सा बना। यह धूमकेतु माउंट लेमन सर्वे, जो कैटलीना स्काई सर्वे का हिस्सा, 3 जनवरी, 2025 को खोजा गया। यह सर्वे एरिजोना, अमेरिका में स्थित है और क्षुद्रग्रहों व धूमकेतुओं की खोज के लिए जाना जाता है। ज्ञात हुआ है कि यह एक गैर-आवर्ती धूमकेतु है अर्थात् इसकी कक्षीय अवधि 200 वर्ष से अधिक है। इसकी चरम चमक अक्टूबर के अंत या नवंबर की शुरुआत में 31 अक्टूबर या 1 नवंबर के आसपास होगी और सूर्य के सबसे निकट 8 नवंबर को होगा। मध्य नवंबर तक यह दृश्यमान रहेगा, उसके बाद चमक कम हो जाएगी। यह लगभग 1,000 वर्षों में एक बार लौटता है।

दो एटलस धूमकेतु

- 3I/ATLAS (जिसे C/2025 N1 भी कहा जाता है) और C/2025 K1 (ATLAS) दोनों ही 2025 में खोजे गए धूमकेतु हैं, लेकिन ये मूल रूप से अलग-अलग प्रकार के हैं। 3I/ATLAS एक अंतरतारकीय धूमकेतु है, जो सौर मंडल से बाहर से आया है, जबकि C/2025 K1 एक लंबी अवधि का सौर मंडलीय धूमकेतु है, जो ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न हुआ है। नीचे इनके मुख्य अंतरों की तुलना दी गई है। पहला एटलस धूमकेतु, जिसे अंतरतारकीय धूमकेतु 3I/ATLAS कहा जाता है। जुलाई 2025 में एटलस (Asteroid Terrestrial-impact Last Alert System) से खोजा गया। यह सौर मंडल से बाहर से आया है और हाइपरबोलिक कक्षा में है। यह कन्या नक्षत्र में स्थित है। सूर्य के सबसे निकट पहुंचने की तारीख 30 अक्टूबर 2025 है (1.4 खगोलीय इकाई दूरी पर), लेकिन दिसंबर 2025 की शुरुआत में सूर्य के दूसरी ओर से फिर दिखाई देगा। इसकी पृथ्वी के सबसे निकट पहुंच 19 दिसंबर 2025 को 1.8 खगोलीय इकाई (लगभग 269 मिलियन किमी) पर होगी।
- दूसरा धूमकेतु C/2025 K1, जिसे सामान्यत: एटलस धूमकेतु के नाम से जाना जाता है, एक हाइपरबोलिक (अवर्ती) धूमकेतु है, जो सूर्य मंडल के बाहरी क्षेत्र से आया है। यह ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न माना जाता है और 2025 के अक्टूबर में सूर्य के अत्यंत निकट पहुंचने के कारण खगोलप्रेमियों के लिए रोचक, लेकिन चुनौतीपूर्ण है। यह धूमकेतु स्वान और लेमन के साथ अक्टूबर के 'ट्रिपल धूमकेतु' घटना का हिस्सा है, लेकिन इसकी चमक अपेक्षाकृत कम है। यह 25 मई 2025 को चिली में खोजा गया। यह एक गैर-आवर्ती धूमकेतु है, लेकिन इसकी विकेंद्रीकरण होने से हाइपरबोलिक कक्षा है अर्थात् यह सूर्य मंडल से बाहर चला जाएगा और फिर कभी लौटेगा नहीं। इसके पृथ्वी के निकटतम दृष्टिकोण की बात करें, तो यह 25 नवंबर 2025, 0.40 खगोलीय इकाई (60 मिलियन किमी) पर रहेगा। यह धूमकेतु अवर्ती होने के कारण कभी लौटेगा नहीं, इसलिए 2025 में इसे देखने का यह एक सुनहरा अवसर है।
- इन दोनों एटलस धूमकेतुओं के ये अंतर मुख्य रूप से उनकी उत्पत्ति, कक्षा और अवलोकन क्षमता पर आधारित हैं। 3I/ATLAS सौर मंडल के बाहर की दुनिया की झलक देता है, जबकि C/2025 K1 सूर्य के निकट आने से उज्ज्वल, लेकिन जोखिमपूर्ण है। वर्तमान में दोनों ही दूरबीनों से देखे जा सकते हैं। स्टेलेरियम जैसे ऐप से आप घर बैठे इन धूमकेतुओं की वर्तमान स्थिति जांच सकते हैं।

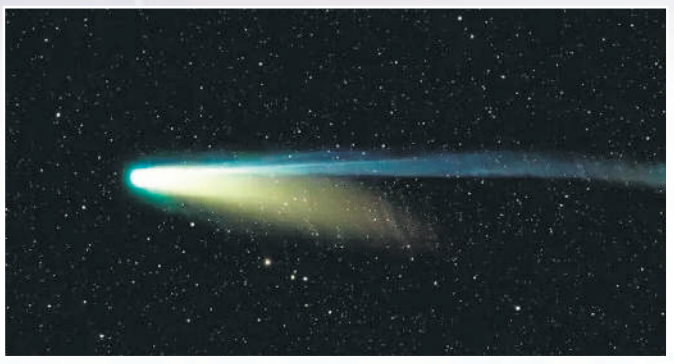

जंगली हाथियों की घटती आबादी

हाथियों पर डीएनए आधारित जनगणना के नतीजे आ गए हैं। सार्वजनिक हुए नजीते सुखद नहीं, दुखद हैं? भारत के जंगलों से गजराजों की आबादी तेजी से घटी बताई गई है। घटने की तेजी में अगर रफ्तार ऐसी ही रही, तो जंगलों से गजराजों का गर्जना भविष्य में शांत भी हो सकता है। निश्चित रूप से यह रिपोर्ट सोचने पर विवश करती है। ये रिपोर्ट, पर्यावरणविदों की उन बातों पर मुहर लगाती है, जिनमें वह केंद्र और राज्य सरकारों से लंबे समय से हाथियों को बचाने की मांग करते आए हैं। पीलीभीत के जंगल में नेपाल से जंगली हाथियों का आना कम हुआ है, वहीं रामनगर के जंगल में हाथियों की संख्या बढ़ी है।

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में पहली मर्तबा डीएनए आधारित इस नई टेक्नोलॉजी द्वारा हाथियों की गिनती हुई है, जिसमें यह चिंतनीय रिपोर्ट सामने निकलकर आई है। नई डीएनए तकनीक प्रत्येक हाथी की उसके जेनेटिक सिग्नेचर से पहचान करती है। इससे गिनती बिल्कुल सटीक बाहर निकलती है। इसे दुनिया की पहली व्यापक डीएनए-आधारित हाथी गणना का तगमा हासिल है। रिपोर्ट ने सबसे ज्यादा हाथी कर्नाटक में बताए हैं, वहां 6,013 हाथी हैं। दूसरे स्थान पर असम को रखा है, जहां 4,159 हाथी हैं। इसके अलावा तमिलनाडु में 3,136, केरल में 2,785, उत्तराखंड में 1,792 और ओडिशा में 912 हाथी शेष बचे हैं। उत्तराखंड, तराई क्षेत्र, हिमाचल क्षेत्रों के हालात बहुत खराब दर्शाते हैं, जो संख्या जांची गई है, उसमें हाथियों की कोई प्रजाति ऐसी नहीं बची, जिनमें कमी न दर्ज की गई हो। मौजूदा गणना की मानें तो पिछले 8 सालों में करीब 25 फीसदी हाथियों की संख्या भारत में सिमट गई है।

हाथियों की गणना

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने हाथियों को लेकर पिछली गणना साल-2017 में कराई गई थी, जिसमें 29964 हाथी बताए गए थे। वहीं, मौजूदा गणना में संख्या घटकर मात्र 22446 रह गई। यानी वर्ष 2017 से 2025 के बीच इन 8 वर्षों में करीब साढ़े सात हजार हाथी कम हो गए। हाथियों की कम होती आबादी जंगलों के सिकुड़ते आकार और इंसानों व हाथियों के बीच बढ़ते टकराव की ओर इशारा आज से नहीं, बल्कि बहुत पहले से कर रही है, लेकिन हम बेखबर थे। असम के जंगलों में हाथियों की संख्या सर्वाधिक हुआ करती थी। वहां उनका अवैध शिकार बड़े स्तर पर आज भी जारी है। हाथियों की कुछ प्रजातियां ऐसी हैं, जो सिर्फ भारत में ही पाई जाती हैं। उन हाथियों के दांत व अन्य शरीर के अंग अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारी डिमांड रहती है। मोटी कमाई के लालच में तस्कर बेजुबान हाथियों का शिकार करते हैं। इस कृत्य में कई मर्तबा फॉरेस्ट कर्मचारियों की भी मिलीभगत सामने आती आई है।

जनमानस का सहयोग भी आवश्यक

अभी कुछ नहीं बिगड़ा, हाथियों को अभी भी बचाया जा सकता है। क्योंकि विश्व के 90 देशों के मुकाबले भारत में गजराजों की आबादी अभी भी सर्वाधिक है। भारत के पश्चिमी घाट अभी भी हाथियों के सबसे बड़े गढ़ हैं, वहां 11,934 हाथी हैं, जबकि 2017 में संख्या 14,587 थी। उत्तर-पूर्वी पहाड़ियों और ब्रह्मपुत्र के बाढ़ वाले मैदानों में 6,559 हाथी हैं, जो 2017 के 10,139 से कम हैं। मध्य भारत के ऊंचे इलाके और पूर्वी घाट में कुल मिलाकर 1,891 हाथी हैं, जो 2017 की रिपोर्ट में बताए गए 3,128 हाथियों से कम हैं। आबादी बढ़ाने के लिए सबसे पहले सुरक्षित आवासों को संरक्षित करना होगा और अवैध शिकार करने वाले तस्करों पर लगाम लगानी होगी। साथ ही सबसे जरूरी ध्यान मादा हथनियों के स्वास्थ्य देखभाल और उनके आवश्यक रखरखाव पर ध्यानकार्षण करना होगा। इससे प्रजनन क्रियाओं को बढ़ावा मिलेगा। असम, कर्नाटक जैसे राज्यों को 'टाइगर रिजर्व' की भांति 'हाथी रिजर्व परियोजना' या 'प्रोजेक्ट एलीफेंट' जैसे विंग गठित होने चाहिए। इन जरूरी तथ्यों पर ध्यान दिए बिना हाथी को नहीं बचाया जा सकता। इसमें सामाजिक स्तर पर प्रत्येक इंसान को भी अपनी भागीदारी निभानी होगी, क्योंकि बिना जनमानस के सहयोग से कोई भी सरकारी योजना सफल नहीं होती।

टेक अपडेट्स

व्हाट्सएप का नया फीचर: चैट स्टोरेज मैनेजमेंट

आपका फोन बार-बार "स्टोरेज फुल" का नोटिफिकेशन दिखाता है और आप व्हाट्सएप का डेटा डिलीट करते-करते परेशान हो चुके हैं, तो अब राहत मिलने वाली है। व्हाट्सएप जल्द ही एक ऐसा नया फीचर लेकर आ रहा है, जिसकी मदद से यूजर हर चैट की स्टोरेज को अलग-अलग मैनेज कर सकेंगे। यानी अब किसी खास चैट या ग्रुप में कौन-सी फोटो, वीडियो या डॉक्यूमेंट सबसे ज्यादा जगह ले रही है, यह जानकारी सीधे उसी चैट से मिल जाएगी।

क्या है फीचर

WaBetaInfo की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाट्सएप अपने नए अपडेट में "मैनेज स्टोरेज" नाम का एक विकल्प जोड़ने की तैयारी कर रहा है। यह फीचर हर चैट या ग्रुप के चैट इंफो पेज पर मिलेगा। इसके जरिए यूजर यह देख पाएंगे कि किसी विशेष चैट या ग्रुप ने फोन की कितनी स्टोरेज घेर रखी है। यूजर को यह समझना आसान होगा कि कौन-सी फाइलें ज्यादा जगह ले रही हैं और किन्हें हटाया जा सकता है।

क्यों खास है यह फीचर

अभी तक व्हाट्सएप में केवल एक ग्लोबल स्टोरेज मैनेजमेंट फीचर मौजूद है, जो पूरी ऐप की मीडिया फाइल्स को एक साथ दिखाता है। इससे बार-बार सेटिंग्स में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और बड़ी फाइल्स को हटाना बहुत आसान हो जाएगा। यह फीचर खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा, जो कई ग्रुप चैट्स में एक्टिव रहते हैं, जहां रोजाना ढेर सारी फोटो और वीडियो शेयर होती हैं, जो मिलकर फोन की मेमोरी जल्दी भर देती हैं।

कब मिलेगा यह नया अपडेट

फिलहाल यह फीचर iOS बीटा वर्जन में कुछ चुनिंदा यूजर्स के लिए उपलब्ध है। कंपनी ने इसे धीरे-धीरे Android और iPhone दोनों यूजर्स के लिए रोलआउट करना शुरू कर दिया है। आने वाले कुछ हफ्तों में यह अपडेट सभी यूजर्स तक पहुंचने की संभावना है।

पृथ्वी गतिशील है फिर पता क्यों नहीं चलता

पृथ्वी की गति एक दिलचस्प और रहस्यमयी विषय है। हम सभी जानते हैं कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती रहती है और साथ ही सूर्य के चारों ओर भी चक्कर लगाती है। फिर भी हम यह क्यों नहीं महसूस करते कि पृथ्वी गति कर रही है? इसका उत्तर प्राकृतिक नियमों और हमारे पर्यावरण से जुड़ा हुआ है। पृथ्वी की गति मुख्यत: दो प्रकार की होती है: एक अपनी धुरी पर घूमना (रोटेशन) और दूसरी सूर्य के चारों ओर घूमना (ऑर्बिट)। पृथ्वी अपनी धुरी पर 24 घंटे में एक पूरा चक्कर लगाती है और इस गति का आभास हमें दिन-रात के परिवर्तन से होता है। जब हम सूर्य को आकाश में बदलते हुए देखते हैं, तो हम समझ पाते हैं कि पृथ्वी घूम रही है, लेकिन यह गति हमें महसूस नहीं होती। इसका कारण यह है कि पृथ्वी का घूमना बहुत समान और स्थिर गति से होता है। जब किसी वस्तु की गति स्थिर और समान होती है, तो हम उस गति को महसूस नहीं कर पाते। जैसे किसी गाड़ी में हम सफर करते हैं, तो अचानक गाड़ी की गति में परिवर्तन होने पर हमें इसकी गति का अहसास होता है, लेकिन जब गाड़ी समान गति से चलती है, तो हमें कोई फर्क नहीं लगता। ठीक इसी तरह, पृथ्वी की गति में कोई भी बदलाव नहीं होता है, जिससे हम इसे महसूस नहीं कर पाते। एक और कारण है, हमारा आकार और पृथ्वी का आकार। पृथ्वी इतनी बड़ी है कि हम जैसे छोटे जीव इसके मुकाबले कण के समान हैं। हमारी गति पृथ्वी के साथ एक जैसी होती है और हम उसके साथ घूम रहे होते हैं, जिससे हमें किसी भी प्रकार की अस्थिरता का एहसास नहीं होता। साथ ही पृथ्वी के घूमने का वातावरण पर भी कोई स्पष्ट असर नहीं होता, क्योंकि हमारे चारों ओर का वायुमंडल भी पृथ्वी के साथ उसी गति से घूमता है। इसके अलावा, पृथ्वी के घूमने से पैदा होने वाली गुरुत्वाकर्षण शक्ति भी हमारे शरीर को स्थिर रखती है। यह शक्ति हमें पृथ्वी की सतह से चिपकाए रखती है और इसके चलते हमें किसी प्रकार की गति का आभास नहीं होता। अगर पृथ्वी अचानक अपनी गति बदलती, तो हमें इसका एहसास हो जाता, लेकिन यह इतनी धीरे-धीरे और समान गति से होती है कि हम इसे महसूस नहीं कर पाते। इसलिए पृथ्वी का घूमना और उसकी गति हमें महसूस नहीं होती, क्योंकि यह गति बहुत ही धीमी, स्थिर और समान होती है। इसका आभास हमें केवल सूर्य की स्थिति से होता है, जो दिन और रात के रूप में हमें दिखाई देती है।

विज्ञान फैक्ट

-फीचर डेस्क

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,404.46	25,877.85
बढ़त	592.67	176.05
प्रतिशत में	0.70	0.68

सोना 1,23,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,55,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

भारत में डीपी करेगी 5 अरब डॉलर निवेश

मुंबई। लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड ने भारत में अपने एकीकृत आपूर्ति शृंखला नेटवर्क को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पांच अरब डॉलर का निवेश करने का संकल्प किया है जो निर्यात एवं घरेलू व्यापार दोनों को मजबूत करेगा। कंपनी ने कहा कि यह निवेश तीन दशकों में डीपी वर्ल्ड द्वारा भारत में किए गए तीन अरब डॉलर के निवेश के अतिरिक्त है। ये निवेश भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, बहुविध संपर्क को बढ़ावा देने और वैश्विक व्यापार में देश की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर केंद्रित हैं। डीपी वर्ल्ड के चेयरमैन (ग्रुप) सुल्तान अहमद बिन सुलेयम ने कहा कि डीपी वर्ल्ड तीन दशकों से भारत की वृद्धि का हिस्सा रही है।

टाटा मोटर्स ने थिंक गैस से की साझेदारी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने भारत में लंबी दूरी एवं भारी सामान ढोने वाले ट्रकों के लिए तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) भरने की व्यवस्था को मजबूत करने के वास्ते शहरी गैस वितरण कंपनी थिंक गैस के साथ साझेदारी की है। टाटा मोटर्स ने कहा कि दोनों साझेदारों ने इस उद्देश्य के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के उपाध्यक्ष एवं व्यवसाय प्रमुख (ट्रक) राजेश कौल ने कहा कि भारत टिकाऊ एवं कुशल माल ढुलाई की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में एलएनजी लंबी दूरी और भारी सामान ढोने वाले ट्रकों के लिए एक आकर्षक समाधान प्रस्तुत करता है।

कॉग्निजेंट भारत में प्रवेश पर कर रही विचार

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी कॉग्निजेंट भारतीय बाजार में उतरने की संभावनाओं पर विचार कर रही है। नैस्डेक सूचीबद्ध कंपनी कॉग्निजेंट के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जतिन दलाल ने कहा कि कॉग्निजेंट का निदेशक मंडल एवं प्रबंधन दल नियमित रूप से शेयरधारक मूल्य बढ़ाने के अवसरों का आकलन करता है। इस उद्देश्य से, हम अपने कानूनी एवं वित्तीय सलाहकारों के साथ भारत में एक संभावित आरंभिक पेशकश पर विचार कर रहे हैं। हम बाजार में सूचीबद्धता के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए भारत एवं अमेरिका के विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत कर रहे हैं।

भारत समुद्री क्षेत्र में निवेश के लिए आदर्श स्थान

प्रधानमंत्री मोदी बोले- हमारे पास बुनियादी ढांचा एवं नवाचार, कानूनों को बनाया सरल और वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने का इरादा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों को भारत के समुद्री क्षेत्र में निवेश करने के लिए गुरुवार को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत के पास बुनियादी ढांचा एवं नवाचार है और वह इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने का इरादा भी रखता है। मोदी ने पेशेवर मंच 'लिंक्डइन' में लिखा कि सरकार ने कानूनों को सरल बनाया है। बंदरगाहों का विकास किया है और समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ रुपये के एक व्यापक 'पैकेज' को मंजूरी दी है जिसमें जहाज निर्माण को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

प्रधानमंत्री ने बुधवार शाम मुंबई में 'मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव' को संबोधित किया था और इस क्षेत्र के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) तथा अग्रणी हितधारकों के साथ बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि 2014 में उनके पदभार ग्रहण करने के बाद से समुद्री क्षेत्र ने बुनियादी ढांचे, सुधारों और जन भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई बदलाव देखे हैं। मोदी ने कहा कि आज यह क्षेत्र आधुनिक बुनियादी ढांचे, वैश्विक विश्वास और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में तब्दील हो गया है। मैं विश्वास से कह सकता हूं कि भारत निवेश के लिए एक आदर्श स्थान है। हमारे पास बहुत लंबी तटरेखा है। हमारे पास रणनीतिक वैश्विक व्यापार मार्ग हैं, हमारे पास विश्वस्तरीय बंदरगाह हैं और हमारे पास नीली अर्थव्यवस्था की वृद्धि के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण है। हमारे पास बुनियादी ढांचा, नवाचार और उसे हासिल करने का जज्बा है।

मोदी ने कहा कि 'बिल ऑफ लैडिंग बिल' से लेकर भारतीय बंदरगाह विधेयक (2025) तक पांच ऐतिहासिक विधेयकों ने समुद्री शासन को आधुनिक बनाया है। व्यापार को सरल बनाया है, राज्यों को सशक्त बनाया है और भारत को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया है। इस वृद्धि को गति देने के लिए सरकार ने समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी है। मोदी ने कहा कि जहाज निर्माण सहायता योजना, समुद्री विकास कोष और जहाज निर्माण विकास योजना से 4.5 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आकर्षित होगा। साथ ही 2,500 से अधिक जहाजों के निर्माण में मदद मिलेगी। मोदी ने कहा कि यह पहल भारत को जहाज निर्माण और समुद्री नवाचार में वैश्विक अग्रणी देशों में शामिल करेगी। भारत की बंदरगाह क्षमता 1,400 से दोगुनी होकर 2,762 एमएमटीपीए हो गई है और माल ढुलाई (कार्गो हैंडलिंग) 972 से बढ़कर 1,594 एमएमटी हो गई है। जहाज से माल ढुलाई का समय (टर्नअराउंड) 93 से घटाकर 48 घंटे हो गया। शुद्ध अधिशेष 1,026 करोड़ रुपये से नौ गुना होकर 9,352 करोड़ रुपये हो गया। परिचालन अनुपात 73 से बढ़कर 43% हो गया, जो दक्षता के नए युग का प्रतीक है। भारत का नाविक कार्यबल 1.25 लाख से बढ़कर तीन लाख से अधिक है जो वैश्विक नाविक कार्यबल का 12% है। मोदी ने कहा कि भारत दुनिया में प्रशिक्षित नाविकों के शीर्ष तीन आपूर्तिकर्ताओं में है। विझिंजम बंदरगाह भारत का पहला गहरे पानी का ट्रांसशिपमेंट केंद्र है। कांडला बंदरगाह पहली हरित हाइड्रोजन सुविधा युक्त और जेएनपीटी ने अपनी क्षमता दोगुनी कर ली है। बंदरगाह ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित किया है।

● कहा- बंदरगाहों का विकास और समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ के पैकेज को दी मंजूरी

समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की जरूरत : मांडविया

मुंबई। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। मंत्री ने भारत समुद्री सप्ताह 2025 में दावा किया कि पुर्तगाल के वास्को डी गामा ने भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज नहीं की थी, बल्कि उन्होंने केवल गुजराती नाविकों का पीछा किया था। समुद्री क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार सृजन की क्षमता है और 11 वर्ष में भारत में इस क्षेत्र में प्रगति हुई है। मांडविया ने कहा कि समुद्री क्षेत्र वैश्विक क्षेत्र है, भारत को इस पर अधिक ध्यान केंद्रित करना होगा। भारत 18वीं शताब्दी तक एक बड़ी समुद्री शक्ति था, जिसे बाद में ब्रिटिश शासन ने नष्ट कर दिया। भारत का मात्रा के हिसाब से 95 प्रतिशत व्यापार तथा मूल्य के हिसाब से 70 प्रतिशत व्यापार समुद्र के रास्ते होता है। जो देश समुद्र पर राज करते हैं, वे दुनिया पर राज करते हैं।

फेडरल रिजर्व के अस्पष्ट रुख से बाजार में गिरावट सेंसेक्स 593 अंक लुढ़का

मुंबई। विदेशी कोषों की ताजा बिकवाली और अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दरों पर स्पष्ट रुख न आने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार में खासी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 593 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 176 अंक की गिरावट रही।

बीएसई का सेंसेक्स 592.67 अंक टूटकर 84,404.46 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 176.05 अंक टूटकर 25,877.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ लार्सन एंड टुब्रो, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और मारुति के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,540.16 करोड़ के शेयरों की बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,692.81 करोड़ के शेयर खरीदे। बीएसई स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत नुकसान में रहा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप अपरिवर्तित रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में दूरसंचार खंड में 2.52% की गिरावट रही जबकि प्रौद्योगिकी में 1.02%, बैंकिंग में 0.72% और वित्तीय सेवा खंड में 0.59 प्रतिशत की गिरावट रही।

यूपी वेस्ट सर्किल में जियो के 2.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल सब्सक्राइबर : ट्राई

संवाददाता, मेरठ

जियो नंबर-वन पर कायम, एयरटेल से 63 लाख अधिक

● 1.88 करोड़ के साथ एयरटेल दूसरे, 1.39 करोड़ के साथ वोडाफोन आइडिया तीसरे पर

● सितंबर में जियो ने 2 लाख से ज्यादा लोग जोड़े, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया के घटे

अमृत विचार : यूपी वेस्ट सर्किल में रिलायंस जियो के मोबाइल यूजर्स का आंकड़ा बढ़कर 2 करोड़ 51 लाख के पहुंचा गय है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (ट्राई) द्वारा जारी टेलीकॉम सब्सक्रिप्शन डेटा में यह बात सामने आई।

रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में 2 लाख से ज्यादा नए मोबाइल सब्सक्राइबर जियो से जुड़े। इसी दौरान, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने क्रमशः 13 हज़ार और 1.88 लाख सब्सक्राइबर खो दिए, जबकि सरकारी कंपनी बीएसएनएल का प्रदर्शन ठीक रहा, उसने 67 हज़ार नए सब्सक्राइबर जोड़े। ट्राई के अनुसार यूपी वेस्ट सर्किल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य हैं।

भारती एयरटेल 1.88 करोड़ मोबाइल सब्सक्राइबर बेस के साथ यूपी वेस्ट सर्किल में दूसरे नंबर पर है। वोडाफोन-आइडिया के साथ जुड़े यूजर्स की तादाद 1.39 करोड़ रही। वहीं बीएसएनएल का मोबाइल सब्सक्राइबर बेस 52 लाख दर्ज किया गया। यूपी वेस्ट में मोबाइल सब्सक्राइबर के मामले में जियो नंबर वन बनी हुई है। जियो का मोबाइल सब्सक्राइबर बेस, दूसरे नंबर पर काबिज एयरटेल से 63 लाख ज्यादा है। 30 सितंबर 2025 तक यूपी वेस्ट सर्किल में कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस लगभग 6.30 करोड़ रहा। जियो, यूपी वेस्ट सर्विस एरिया में होम ब्रॉडबैंड सेगमेंट में भी सबसे आगे बना हुआ है। जियो का कुल सब्सक्राइबर बेस 14.78 लाख से ज़्यादा है, जिसमें 8.07 लाख जियोफाइबर और 6.71 लाख जियोएयरफाइबर यूज़र हैं।

बीएसएनएल ने लक्षित राजस्व का 93% किया हासिल : सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि बीएसएनएल ने 2025-26 की दूसरी तिमाही में अपने लक्षित राजस्व का 93 प्रतिशत यानी 5,347 करोड़ रुपये हासिल कर लिया। बीएसएनएल की तिमाही समीक्षा के बाद मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में कंपनी का राजस्व 11,134 करोड़ रुपये रहा।

सिंधिया ने कहा कि इस (जुलाई-सितंबर) तिमाही में हमने अपने लक्ष्य का 93 प्रतिशत राजस्व हासिल कर लिया। हमने 5,740 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था जिसमें से हमने 5,347 करोड़ रुपये हासिल कर लिए। इसलिए, हम उस बड़े लक्ष्य के काफी करीब हैं जो हमने पिछले साल की आय में उछाल के आधार पर अपने लिए तय किया था। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में बीएसएनएल का लक्ष्य राजस्व को 20 प्रतिशत बढ़ाकर 27,500 करोड़ रुपये करना है। हमारा एआरपीयू भी बढ़ा है। इस वर्ष की पहली तिमाही में यह 81 रुपये था, जो इस वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर 91 रुपये हो गया है। इस प्रकार एआरपीयू में 12 प्रतिशत का सुधार हुआ है। प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) किसी दूरसंचार संचालक की वृद्धि को मापने का एक प्रमुख पैमाना है।

अनिल अंबानी के समूह ने किया 41,900 करोड़ रुपये का दुरुपयोग : कोबरापोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

● रिलायंस समूह ने आरोपों को दुष्प्रचार अभियान एवं साजिश बताते हुए किया खारिज

खोजी ऑनलाइन मंच 'कोबरापोस्ट' ने गुरुवार को दावा किया कि अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों ने अपने कोष को दूसरी जगह भेजकर 2006 से अब तक 41,921 करोड़ रुपये का वित्तीय फर्जीवाड़ा किया है। हालांकि, रिलायंस समूह ने इन आरोपों को 'दुष्प्रचार अभियान एवं साजिश' बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया।

कोबरापोस्ट ने रिपोर्ट में कहा कि 28,874 करोड़ रुपये बैंक ऋण, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और बॉण्ड से जुटाए गए थे। इस रकम को रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस कैपिटल, रिलायंस होम फाइनेंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस और रिलायंस कॉरपोरेट एडवाइजरी सर्विसेज जैसी सूचीबद्ध कंपनियों से निकालकर प्रवर्तक से जुड़ी फर्मों में भेज दिया गया। रिपोर्ट में आरोप है कि 1.535 अरब डॉलर (13,047 करोड़ रुपये) विदेशी मुखौटा कंपनियों के मार्फत भारत में धोखाधड़ीपूर्ण तरीके से भेजे गए। सिंगापुर, मॉरीशस, साइप्रस, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड, अमेरिका और ब्रिटेन में पंजीकृत इकाइयों का इस्तेमाल किया गया। कोबरापोस्ट का दावा है कि सिंगापुर स्थित कंपनी 'इमर्जिंग मार्केट इन्वेस्टमेंट्स एंड ट्रेडिंग पीटीई (ईएमआईटीएस)' को रहस्यमयी कंपनी नेक्सजेन कैपिटल से 75 करोड़ डॉलर मिले थे जिन्हें रिलायंस इनोवेंचर्स को स्थानांतरित हुआ। यह रिपोर्ट कहती है कि ये निष्कर्ष सरकारी अभिलेखों, मंत्रालयों, नियामकीय संस्थाओं और विदेशी न्यायालयों के आदेशों पर आधारित हैं।

राष्ट्रीय

ईवीएम का बटन इतनी जोर से दबाएं झटके इटली तक महसूस किए जाएं

नालंदा, लखीसराय और मुंगेर जिले की रैलियों को केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने किया संबोधित

चुनाव रैली में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी।

नालंदा/लखीसराय/मुंगेर, एजेंसी

बिहार विस चुनाव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि बिहार चुनाव में विपक्षी गठबंधन का सफाया हो जाएगा क्योंकि लोग कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान करने और राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री एवं 'छठी मैया' का उपहास किए जाने का बदला लेंगे। नालंदा, लखीसराय और मुंगेर जिलों में एक के बाद एक रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यह दावा कर 'छठी मैया' का अपमान किया है कि छठी मैया की पूजा करने वाले मोदी एवं अन्य लोग नाटक कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने लोगों से ईवीएम पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चुनाव चिह्न वाले बटन को इतनी जोर से दबाने का आह्वान किया कि उसके झटके इटली तक महसूस किए जाएं।

गृह मंत्री ने दावा किया कि लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के मुख्यमंत्री रहने के दौरान बिहार में जंगल राज था। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को दिया गया प्रत्येक वोट राज्य में विकास लाएगा। 1992 से 2004 तक लालू-राबड़ी शासन के दौरान बिहार में 32,000 से अधिक अपहरण और 12 बड़े नरसंहार हुए... नीतीश कुमार ने जंगल राज को समाप्त किया... लेकिन राजद एक नए चेहरे के साथ राज्य में जंगल राज को वापस लाने की कोशिश कर रहा है। शाह ने नीतीश कुमार शासन और राजद राज की तुलना करते हुए कहा कि जहां कुमार के 20 साल के शासन में 'एक भी नरसंहार नहीं हुआ', वहीं राजद के सत्ता में रहने के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में '38 नरसंहार' हुए थे। शाह ने आरोप लगाया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने 10 साल के शासन के दौरान 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले किए जबकि मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भ्रष्टाचार के लिए कोई भी उंगली नहीं उठा सकता। लालू प्रसाद चारा, जमीन के बदले नौकरी, तारकोल और बाढ़ राहत घोटालों में शामिल थे।

राजग के शासन में बिहार प्रगति के पथ पर: नड्डा

नालंदा (बिहार)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के तहत बिहार के विकास ने गति पकड़ी है, जिसने राज्य को अंधकार के युग से निकालकर प्रगति के पथ पर ला दिया है। नालंदा जिले के बख्तियारपुर विस क्षेत्र की रैली में उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और उसकी सहयोगी कांग्रेस को लोगों के कल्याण की फ्रिक नहीं है। 2005 से पहले, बिहार अंधकार के युग में जी रहा था, लेकिन अब चारों ओर प्रगति है। बिहार 'बीमारू' राज्य से एक अग्रणी राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ा है, और यह लोगों की वोट देने की शक्ति के माध्यम से संभव हुआ है। बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को इंगित करने वाला बीमारू संक्षिप्त शब्द है, जो सामाजिक और आर्थिक मापदंडों पर पीछे रहते थे। नड्डा ने कहा कि राजद और कांग्रेस को आपके कल्याण की चिंता नहीं है। लालू जी को अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने की चिंता है, जबकि सोनिया जी को अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाने की चिंता है। राजमार्ग, इंटरनेट, रेलवे और हवाई अड्डे (एचआईआरए) बिहार में विकास के प्रतीक हैं और राजग सरकार द्वारा इनमें सुधार किया जा रहा है। नड्डा ने कहा, "राजग के कार्यकाल में बिहार का रेल बजट नौ गुना बढ़ गया है।

मोदी में ये कहने का दम नहीं कि ट्रंप झूठे हैं: राहुल

नालंदा/शेखपुरा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने का दावा कर प्रधानमंत्री मोदी का 50 बार अपमान किया है, लेकिन मोदी में ये कहने का दम नहीं है कि ट्रंप झूठे हैं। उन्होंने दूसरे दिन दो जनसभाओं को संबोधित किया और दावा किया कि बिहार में सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नहीं चला रहे हैं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और 'नागपुर' (आरएसएस) चला रहे हैं। राहुल ने दावा किया कि मोदी के हाथ में नीतीश का रिमोट कंट्रोल है। वह जो बटन दबाते हैं, वही चैनल नीतीश चालू कर देते हैं। आखिरी मिनट पर वोट चोरी का प्रयास होगा, लेकिन युवाओं को इसे रोकना है। उन्होंने जनता से वादा किया कि केंद्र में गठबंधन की सरकार बनने पर नालंदा को फिर शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनाया जाएगा तथा महागठबंधन की सरकार सभी वर्गों के लिए काम करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश को लूटा है : राबड़ी देवी

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने प्रधानमंत्री मोदी के उस तंज पर कड़ी प्रतिक्रिया दी कि जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सत्ता में था तो बिहार में शोरूम से वाहन लूटे गये थे। इस टिप्पणी को राबड़ी देवी की सबसे बड़ी बेटी एवं पाटलिपुत्र की सांसद मीसा भारती की शादी के दौरान हुई घटना के अप्रत्यक्ष संदर्भ के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें समारोह के लिए कई नए वाहनों को शोरूम से जबरन बाहर निकाल लिया गया था। प्रधानमंत्री के आरोप पर राबड़ी देवी ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें (मोदी) ही चोर कहा जाना चाहिए। उन्होंने देश को लूटा है। राबड़ी देवी 1997 तक गृहिणी थीं, जब उनके पति एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने चारा घोटाला मामले में सीबीआई के आरोप-पत्र के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

बहाने बनाकर मुआवजा देने से नहीं बच सकतीं बीमा कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी

● अदालत ने द न्यू इंडिया इंश्योरेंस की अपील को किया खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बीमा कंपनियां दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा देने से सिर्फ इसलिए इन्कार नहीं कर सकतीं कि वाहन का मार्ग बदला गया था और यह परमिट का उल्लंघन था। न्यायमूर्ति संजय करोल और प्रशांत मिश्रा की पीठ ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बीमा पॉलिसी का उद्देश्य मालिक या संचालक को ऐसी अप्रत्याशित या दुर्भाग्यपूर्ण घटना होने पर प्रत्यक्ष उत्तरदायित्व से बचाना है।

पीठ ने कहा कि केवल इसलिए पीड़ित या आश्रितों को मुआवजा देने से इन्कार करना कि दुर्घटना परमिट सीमा के बाहर हुई और इसलिए बीमा पॉलिसी के दायरे से बाहर है, न्याय की भावना के लिए अपमानजनक होगा। बीमा कंपनी को निश्चित रूप से भुगतान करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने वाहन मालिक और बीमा कंपनी 'द न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड' द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। सात अक्टूबर 2014 को एक मोटरसाइकिल चालक को तेज गति व लापरवाही से चलाए जा रहे वाहन ने टक्कर मार दी थी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने ब्याज सहित 18.86 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था। मुआवजे की राशि से असंतुष्ट होकर याचिकाकर्ता ने कर्नाटक हाईकोर्ट में इस आधार पर अपील दायर की कि न्यायाधिकरण ने मुआवजे की गणना सही ढंग से नहीं की थी। बीमा कंपनी ने न्यायाधिकरण के आदेश को इस आधार पर चुनौती दी कि बीमाकर्ता ने पॉलिसी में उल्लिखित शर्तों का उल्लंघन किया है।

दिल्ली दंगा 2020

पुलिस ने किया उमर, शरजील की जमानत का विरोध

दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों के कथित षडयंत्र से संबंधित यूएपीए मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में विरोध किया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की आड़ में सत्ता परिवर्तन अभियान (रिजीम चेंज ऑपरेशन) के जरिए देश की संप्रभुता और अखंडता पर हमला करने की साजिश रची। दिल्ली पुलिस ने हलफनामे में दलील दी कि कथित अपराधों में देश को अस्थिर करने का जानबूझकर किया गया प्रयास शामिल है, जिसके लिए जमानत नहीं बल्कि जेल उचित है। पुलिस ने कहा कि उसने आरोपियों के खिलाफ प्रत्यक्ष, दस्तावेजी और तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं, जो सांप्रदायिक आधार पर देशव्यापी दंगों को अंजाम देने में उनकी गहरी और संगठित संलिप्तता को दर्शाते हैं। खालिद, इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं पर शुक्रवार को न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ के समक्ष सुनवाई होनी है।

न्यायिक अधिकारी से जुड़े 'हिट-एंड-रन' मामले की सुनवाई पंजाब से दिल्ली स्थानांतरित की

सुप्रीम कोर्ट ने परिवीक्षाधीन न्यायिक अधिकारी से जुड़े कथित 'हिट एंड रन' मामले को पंजाब से रोहिणी की अदालत में स्थानांतरित करने की गुरुवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मृतक के परिवार द्वारा मुकदमे में पक्षपात का आरोप लगाए जाने के बाद मामले को स्थानांतरित कर दिया। मृतक के परिजन का कहना है कि आरोपी न्यायिक अधिकारी है, जिससे मुकदमे में पक्षपात हो रहा है। सुनवाई के दौरान न्यायिक अधिकारी के वकील ने कहा कि यदि मुकदमे को पंजाब से दिल्ली स्थानांतरित किया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि मुकदमे को उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थानांतरित किया जाए क्योंकि मृतक की रिश्तेदार दिल्ली में वकील हैं।

डिजिटल अरेस्ट में 1.2 करोड़ गंवाने के कुछ हफ्ते बाद बुजुर्ग की मौत

पुणे। डिजिटल अरेस्ट में 1.2 करोड़ रुपये गंवाने वाले 83 वर्षीय बुजुर्ग की एक माह बाद दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि धोखाधड़ी करने वालों ने खुद को पुलिस और सीबीआई कर्मी बताकर बुजुर्ग और उनकी पत्नी को फंसाया था।

उन्होंने बताया कि जालसाजों ने सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी को धमकी देकर दावा किया कि उनका नाम प्रमुख व्यक्ति से जुड़े धन शोधन मामले में आया है। साइबर पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग व्यक्ति की पत्नी ने दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत के एक सप्ताह बाद इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई।

बुजुर्ग को अगस्त में एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को कोलाबा पुलिस थाने का अधिकारी बताया। आरोपी ने नरेश गोयल धन शोधन मामले का हवाला दिया और बुजुर्ग व्यक्ति से कहा कि उनकी संलिप्तता सामने आई है लेकिन उन्होंने इन्कार कर दिया। एक अन्य वीडियो कॉल के दौरान दो जालसाजों ने खुद को आईपीएस विजय खन्ना और सीबीआई अधिकारी दया नायक बताते हुए धमकी दी कि उन्हें और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके बाद दंपति को घंटों तक वीडियो कॉल पर रहने के लिए मजबूर किया गया और ठगा गया।

भारत में 2022 में पीएम 2.5 प्रदूषण से 17 लाख से अधिक मौतें : लांसेट

नई दिल्ली, एजेंसी

● लांसेट में प्रकाशित वैश्विक रिपोर्ट अनुसार 44% मौतों के लिए जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार

● 71 संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के 128 विशेषज्ञों ने तैयार की रिपोर्ट

वर्ष 2022 में भारत में मानवजनित पीएम 2.5 वायु प्रदूषण से 17 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई जो 2010 की तुलना में 38% अधिक है। इनमें से 44% मौतों के पीछे जीवाश्म ईंधन का उपयोग जिम्मेदार रहा। यह जानकारी द लांसेट पत्रिका में प्रकाशित वैश्विक रिपोर्ट में दी गई है।

'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्ट' के अनुसार, सड़क परिवहन में पेट्रोल के उपयोग से ही 2.69 लाख मौतें हुईं। 2022 में बाहरी वायु प्रदूषण के कारण समय से पहले होने वाली मौतों से भारत को 339.4 अरब डॉलर (जीडीपी का 9.5%) का आर्थिक नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के नेतृत्व में 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के 128 विशेषज्ञों की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने तैयार की है। यह रिपोर्ट 30वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (सीओपी30) से पहले प्रकाशित की गई है और जलवायु परिवर्तन तथा स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक का सबसे व्यापक आकलन मानी जा रही है।

रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब दिल्ली में लगातार वायु गुणवत्ता खराब से बेहद खराब श्रेणी के बीच बनी हुई है। बीते सप्ताह प्रदूषण से निपटने को कई इलाकों में कृत्रिम वर्षा के प्रयोग हुए, लेकिन पर्यावरण विशेषज्ञों ने कहा कि यह वायु गुणवत्ता में गिरावट के मूल कारणों को हल नहीं करता। भारत में 2022 में मानवजनित वायु प्रदूषण (पीएम2.5) से 17,18,000 मौतें हुईं, जो 2010 की तुलना में 38% अधिक हैं। इनमें 7,52,000 (44%) मौतें जीवाश्म ईंधन (कोयला व तरल गैस) से जुड़ी थीं।

वर्ल्ड ब्रीफ

मादक पदार्थ ले जा रही एक और नाव पर अमेरिका का हमला

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को बताया कि अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थ ले जा रही एक और नाव पर हमला किया, जिससे उस पर सवार सभी चार लोग मारे गए। यह हमला ऐसे समय में किया गया है जब ट्रंप प्रशासन दक्षिण अमेरिका के समुद्री क्षेत्र में मादक पदार्थ माफियाओं के खिलाफ अपने अभियान को आगे बढ़ा रहा है। हेगसेथ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि खुफिया जानकारी थी कि नौका एक ऐसे मार्ग से गुजर रही है जिसे मादक पदार्थ तस्करी मार्ग के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने कहा कि हमला अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में किया गया और अमेरिकी सेना को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

ब्रिटेन: बिना लाइसेंस मकान किराए पर देने के लिए मंत्री ने माफी मांगी

लंदन। ब्रिटेन की वित्त मंत्री रेचेल रीव्स ने लंदन स्थित अपना मकान लाइसेंस के बिना किराए पर देकर कानून का उल्लंघन करने के लिए माफी मांगी है। प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कहा कि वह रीव्स द्वारा अनजाने में की गई गलती के लिए कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। रीव्स और उनका परिवार दक्षिण लंदन स्थित अपने मकान में रहता था तथा जुलाई 2024 में लेबर पार्टी के सत्ता में आने के वे प्रधानमंत्री के 'डाउनिंग स्ट्रीट' निवास के पास स्थित एक सरकारी अपार्टमेंट में रहने चले गए थे। समाचार पत्र 'डेली मेल' ने बुधवार देर रात खबर दी कि रीव्स के पास किराये का लाइसेंस नहीं था, जबकि इलाके के स्थानीय निकाय के अनुसार यह जरूरी है। जिन मकान मालिकों के पास लाइसेंस नहीं है, उन पर मुकदमा चलाया जा सकता है या जुर्माना लगाया जा सकता है।

बांग्लादेश: दिसंबर के पहले सप्ताह में घोषित होगी चुनाव की तारीख

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार कार्यालय ने घोषणा की है कि देश का चुनाव आयोग इस साल दिसंबर के पहले सप्ताह तक आगामी राष्ट्रीय चुनाव की तारीख घोषित कर सकता है। मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने बुधवार को मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में चुनाव तैयारियों पर एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह घोषणा की। आलम ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, बांग्लादेश के अगले राष्ट्रीय चुनाव की तारीख दिसंबर के पहले सप्ताह तक घोषित कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उच्चस्तरीय बैठक में मुख्य रूप से चार प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई, अधिकारियों की तैनाती, बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण, सुरक्षा व्यवस्था और सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं से निपटने की रणनीति।

अमेरिका: निर्दोष होकर भी 43 साल जेल और अब निर्वासन

फिलाडेल्फिया, एजेंसी

- भारतीय मूल के वेदम पर लगा था मित्र की हत्या करने का आरोप

अपने मित्र की 1980 में हुई हत्या के आरोप से बरी होने का इंतजार करते हुए 43 वर्ष जेल में बिताने के बाद भारतीय मूल के सुब्रमण्यम वेदम को इस महीने पेंसिल्वेनिया की जेल से रिहा होना था। लेकिन उन्हें संघीय अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि उनके खिलाफ 1999 का एक पुराना निर्वासन आदेश अभी प्रभावी है।

पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के प्राध्यापकों के पुत्र वेदम और थॉमस किंसेर की उम्र 1980 में करीब 18 वर्ष थी। किंसेर की हत्या के मामले में प्रत्यक्षदर्शी या कोई ठोस कारण न होने के बावजूद वेदम को दो बार दोषी ठहराया गया था। अगस्त में एक न्यायाधीश ने वेदम की सजा रद्द कर दी जब उनके वकीलों को नए साक्ष्य मिले, जिन्हें अभियोजन पक्ष ने पहले उजागर नहीं किया था। तीन अक्तूबर को 64 वर्षीय वेदम की बहन उन्हें घर ले जाने की तैयारी कर रही थीं, तभी आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। अब उन्हें निर्वासन के खिलाफ एक नई कानूनी लड़ाई लड़नी होगी।

वेदम नौ महीने की उम्र में भारत से अमेरिका आए थे। निर्वासन पर ट्रंप प्रशासन के कड़े रुख के बीच, वेदम के वकीलों को यह साबित करना होगा कि 1980 के दशक में मादक पदार्थ के मामले में उनकी दोषसिद्धि के बजाय उनकी गलत सजा के 43 वर्ष को तवज्जो दी जानी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन की एक और चेतावनी

पहले से ज्यादा विनाशकारी तूफान

वैसे तो दुनिया में तूफानों की संख्या में पिछले वर्षों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है लेकिन जलवायु परिवर्तन ने उन्हें पहले से ज्यादा शक्तिशाली और विनाशकारी जरूर बनाया है। वैज्ञानिक दावों के मुताबिक दुनिया में आने वाले तूफानों की तीव्रता लगातार बढ़ रही है, वे अपने साथ पहले से ज्यादा वर्षा भी ला रहे हैं। तूफान गर्म महासागरों से उत्पन्न होते हैं, जहां हवा में नमी के कारण कम दबाव वाला क्षेत्र बनता है जो तेज़ हवाओं और भारी बारिश का कारण बनता है। श्रेणी पांच के चक्रवातों को सबसे घातक तूफान माना जाता है जिनकी हवा की गति 252 किमी प्रति घंटा से भी अधिक होती है। वैज्ञानिक पूर्वानुमान हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण निकट भविष्य में तूफानों की तीव्रता और वर्षा और भी बढ़ेगी। भारत फिलहाल मोंथा तूफान का कहर झेल रहा है। दुनिया के कई और देश भी अलग-अलग तूफानों की विनाशलीला का सामना कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

- समुद्र की सतह के गर्म होने से तूफानों को अधिक ऊर्जा मिलती है, जिससे उनकी हवा की गति बढ़ जाती है।
- गर्म हवा अधिक नमी धारण कर सकती है, इससे तूफान अधिक बारिश लाते हैं और बाढ़ का खतरा बढ़ाते हैं।
- जलवायु परिवर्तन से तूफानों को बाधित करने वाली हवा धीमी हो रही है, इससे तूफान और तीव्र होने लगते हैं।
- जलवायु परिवर्तन से श्रेणी 4 और श्रेणी 5 के तूफानों की संख्या में वृद्धि हुई है जो काफी खतरनाक माने जाते हैं।

कैसे पैदा होते हैं तूफान

- गर्म महासागरों पर हवा गर्म होकर ऊपर उठती है और एक कम दबाव वाला क्षेत्र बनाती है।
- इससे खाली हुई जगह भरने के लिए नम हवा तेजी से ऊपर आती है, जिससे बादल बनते हैं।
- हवा का यह घूमने वाला पैटर्न बड़ा चक्रवात बनाता है, तेज हवा के साथ भारी बारिश होती है।
- हवा की गति 63 किमी प्रति घंटा से अधिक होने पर इसे उष्णकटिबंधीय तूफान कहा जाता है।
- 119 किमी से तेज तूफान अटलांटिक-प्रशांत में हरिकेन, हिंद महासागर में चक्रवात कहलाते हैं।

भारत में कब कितनी तबाही

- वर्ष 1999 में आए ओडिशा सुपर साइक्लोन की गति 260 किमी/घंटा थी, इसमें 10,000 से अधिक लोगों की मौत और बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान हुआ।
- वर्ष 1977 में आए आंध्र तटीय चक्रवात की भी रफ्तार 250 किमी/घंटा थी, इससे भी 10,000 से अधिक मौतें होने के साथ लाखों लोगों को बेघर होना पड़ा।
- वर्ष 1971 में आए ओडिशा चक्रवात भी विनाशकारी था, इससे हजारों लोगों की जान चली गई थी और 10 लाख से ज्यादा लोगों को बेघर होना पड़ा था।

- दुनिया भर में हर साल आते हैं करीब 80 उष्णकटिबंधीय चक्रवात

सबसे विनाशकारी तूफान

- बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में 1970 में आए ग्रेट भोला चक्रवात से 5 लाख लोगों की मौत हुई थी।
- अमेरिका में 2024 में हरिकेन मिल्टन से भारी तबाही, अनुमानित तौर पर 60 बिलियन डॉलर से अधिक क्षति।
- वर्ष 2013 में फिलीपींस में हरिकेन हैयान ने रिकॉर्डतोड़ गति और तूफानी लहरों के साथ बड़े पैमाने पर विनाश।
- वर्ष 2024 में ही हरिकेन हेलेन से अमेरिका, क्यूबा, मैक्सिको में 55 बिलियन डॉलर का नुकसान, 232 मौत।

वैज्ञानिक भविष्यवाणियां

पूर्वानुमान है जलवायु परिवर्तन के कारण भविष्य में उच्च तीव्रता श्रेणी 4 और 5 के उष्णकटिबंधीय तूफानों की संख्या और वर्षा की मात्रा में वृद्धि होने की आशंका है। भारत जैसे तटीय क्षेत्रों में तूफानी लहरों और बाढ़ से खतरे बढ़ सकते हैं। वर्ष 2025 में भी कुछ बड़े तूफानों, बाढ़, सुनामी और सौर तूफानों की भविष्यवाणी की गई हैं जिनसे बिजली और संचार प्रणालियों में बाधा आ सकती है।

शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन पर टैरिफ घटाकर 47% किया

बीजिंग दुर्लभ धातुओं के निर्यात और अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमत

एयर फोर्स वन विमान से, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा कि वह चीन पर लगाए गए टैरिफ में कटौती करेंगे जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमति जताई है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से कहा कि अमेरिका इस वर्ष की शुरुआत में चीन पर लगाए गए 20 प्रतिशत के दंडात्मक टैरिफ में कटौती कर इसे 10 प्रतिशत करेगा। ये टैरिफ फेंटानिल बनाने में उपयोग होने वाले रसायनों की बिक्री को लेकर लगाए गए थे। इसके साथ ही चीन पर कुल संयुक्त टैरिफ दर 57 प्रतिशत से घटकर 47 प्रतिशत रह जाएगी। ट्रंप ने कहा, अगर मैं इस बैठक का शून्य से 10 के पैमाने पर आकलन करूं तो 10 अंक दूंगा, बल्कि मैं बैठक को 12 अंक दूंगा। उन्होंने बताया कि वह अप्रैल में चीन की यात्रा करेंगे और शी चिनफिंग उसके कुछ समय बाद अमेरिका आएंगे।

ट्रंप ने कहा कि दोनों नेताओं ने उन्नत कंप्यूटर चिप्स के निर्यात पर भी चर्चा की। एनविडिया कंपनी इस मुद्दे पर चीनी अधिकारियों से बातचीत करेगी। ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही चीन के साथ एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हमारे बीच अब बहुत कम बड़े अवरोध बचे हैं। ट्रंप और शी जिनपिंग की बैठक दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई, जो ग्योंगजू से लगभग 76 किमी दक्षिण में स्थित है।

दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच बैठक।

टिकटॉक के स्वामित्व पर फैसला नहीं, वार्ता जारी

बुसान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन के शीर्ष नेता शी जिनपिंग के साथ बृहस्पतिवार को हुई बैठक में व्यापार तनाव कम करने के लिए कई फैसले लिए गए लेकिन टिकटॉक के स्वामित्व पर कोई समझौता नहीं हो सका। बैठक के बाद चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, चीन टिकटॉक से संबंधित मुद्दों को उचित तरीके से हल करने के लिए अमेरिका के साथ काम करेगा। इसमें अमेरिका में लोकप्रिय 'वीडियो-शेयरिंग' मंच के भाग्य के बारे में अनिश्चितता को समाप्त करने की दिशा में किसी भी प्रगति के बारे में कोई विवरण नहीं दिया गया। ट्रंप प्रशासन संकेत दे रहा था कि वह अंततः अमेरिका में टिकटॉक को चालू रखने के लिए बीजिंग के साथ एक समझौते पर पहुंच गया है। राजस्व मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने रविवार को सीबीएस टीवी चैनल के कार्यक्रम में कहा था कि दोनों नेता बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में इस समझौते को अंतिम रूप देंगे।

- दक्षिण कोरिया में 100 मिनट लंबी बैठक के बाद ट्रंप ने आशावादी रुख दिखाया लेकिन दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव की आशंका अब भी बनी हुई है। दोनों देश उद्योग, एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास और यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक मामलों में प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ट्रंप ने दूसरे कार्यकाल आक्रामक रूप से टैरिफ लगाए थे और इसके जवाब में चीन ने दुर्लभ मृदा तत्वों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसके मद्देनजर यह बैठक आवश्यक हो गई थी।

भारत के प्रतिकूल फैसला

विदेशी गैरप्रवासी श्रमिकों के लिए वर्क परमिट का स्वतः विस्तार समाप्त

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की पिछली सरकार के एक नीतिगत फैसले को वापस ले लिया और वर्क परमिट के विस्तार का अनुरोध करने वाले विदेशी गैरप्रवासी वीजा धारकों के दोबारा सत्यापन को अनिवार्य कर दिया है। यानी अब उन्हें वर्क परमिट बढ़वाने के लिए फिर से सुरक्षा जांच या सत्यापन प्रक्रिया से गुजरना होगा। इस कदम का असर भारतीय नागरिकों पर भी पड़ने की संभावना है। कुछ श्रेणियों के विदेशी कामगारों के लिए रोजगार अनुमति पत्र (ईएडी) की वैधता को स्वतः बढ़ाने की प्रक्रिया को समाप्त करने वाले नए नियम बृहस्पतिवार से लागू हो गए। बाइडन प्रशासन ने मई 2022 में उन नियमों में संशोधन किया था, जिनके तहत रोजगार अनुमति पत्र के नवीनीकरण के लिए नए आवेदन दाखिल करने पर आवेदकों को बिना किसी सत्यापन प्रक्रिया के स्वतः ही 540 दिनों का विस्तार मिल जाता था। बिना किसी सत्यापन प्रक्रिया के विस्तार देने का बाइडन सरकार का निर्णय उस दौरान वर्क परमिट प्रदान करने के लिए लंबित 15 लाख अनुरोधों को देखते हुए लिया गया था क्योंकि ऐसी आशंका थी कि इन अनुरोधों को सत्यापित और संसाधित करने में देरी से बेरोजगारी बढ़ सकती है।

रूस से तेल आयात कम करने के मुद्दे पर बहुत अच्छा रहा है भारत का रुख: ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस से तेल आयात कम करने के मुद्दे पर भारत का रुख बहुत अच्छा रहा है। उन्होंने अपने इस दावे को दोहराया कि मॉस्को से अपनी ऊर्जा खरीद में भारत उल्लेखनीय कमी लाएगा।

ट्रंप बुसान में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक के बाद वाशिंगटन लौटते समय एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनसे रूसी तेल खरीद के बारे में पूछा गया। ट्रंप ने कहा, शी लंबे समय से रूस से तेल खरीद रहे हैं। यह चीन के एक बड़े हिस्से की देखभाल करता है। और, आप जानते हैं, मैं कह सकता हूँ कि भारत इस मोर्चे पर बहुत अच्छा रहा है। लेकिन हमने तेल पर ज्यादा चर्चा नहीं की। हमने साथ मिलकर काम करने पर चर्चा की ताकि यह देखा जा सके कि क्या हम उस युद्ध को ख़त्म कर सकते हैं।

परमाणु हथियारों का फिर से परीक्षण शुरू करेगा अमेरिका

बुसान, एजेंसी

- ट्रंप ने बुसान में किया एलान, अन्य देशों के परीक्षणों को बताया कारण

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि उनका देश तीन दशकों में पहली बार परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह परीक्षण रूस और चीन के समान स्तर पर किया जाएगा।

ट्रंप ने अपने बयान में अमेरिकी नीति में संभावित बड़े बदलाव की बहुत कम जानकारियां दी हैं। ट्रंप ने यह घोषणा बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात से कुछ मिनट पहले अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर की। अमेरिकी सेना पहले से ही परमाणु मुखास्त्र ले जाने में सक्षम मिसाइलों के परीक्षण करती रही है, लेकिन 1992 से अमेरिका ने परमाणु विस्फोट परीक्षणों पर रोक लगा रखी है। ट्रंप ने कहा कि अब बदलाव जरूरी है क्योंकि अन्य देश हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि वह किन देशों की बात कर रहे हैं, लेकिन यह बयान शीत युद्ध काल जैसी परमाणु होड़ की याद दिलाता है।

उन्होंने कहा, दूसरे देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि हमारे परमाणु हथियारों का समान स्तर पर परीक्षण शुरू करें। यह प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। व्हाइट हाउस ने इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन के अधिकारियों ने भी परमाणु मिसाइल परीक्षणों पर ट्रंप की घोषणा पर सवालों का जवाब नहीं दिया।

चीन अंतरिक्ष में चूहों पर करेगा शोध अध्ययन

जिक्वान। चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंग पर चूहों पर वैज्ञानिक शोध करेगा। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी 'चाइना मैन्ड स्पेस स्पेस एजेंसी' (सीएमएसए) ने बताया कि दो नर और दो मादा चूहों को शेनझोउ-21 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष स्टेशन ले जाया जाएगा और उन पर शोध किया जाएगा।

शेनझोउ-21 को शुक्रवार रात 11:44 बजे उत्तर-पश्चिम चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा। इस यान से अंतरिक्ष यात्री झांग लू, वू फी और झांग होंगझांग रवाना होंगे। सीएमएसए के प्रवक्ता झांग जिंगबो ने शेनझोउ-21 के उड़ान भरने से एक दिन पहले कहा कि यह पहली बार है जब चीन चूहों पर अंतरिक्ष में प्रयोग करने जा रहा है। कक्षा में सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण जैसी अंतरिक्ष की स्थितियों का इन चूहों के व्यवहार पर पड़ने वाले असर का अध्ययन किया जाएगा। झांग ने कहा कि बाद में चूहों को अन्य अंतरिक्ष यान से वापस पृथ्वी पर लाया जाएगा। यहां पृथ्वी पर उन पर फिर से वैज्ञानिक शोध किया जाएगा कि अंतरिक्ष वातावरण में चूहों के विभिन्न ऊतकों और अंगों पर क्या प्रभाव पड़ा।

- आज रात अंतरिक्ष रवाना होगा चीन का शेनझेउ- 21 यान

रूस के हमलों के बाद पूरे यूक्रेन में बिजली गुल

कीव, एजेंसी

रूस ने एक बार फिर ड्रोन और मिसाइल से बड़े पैमाने पर हमला करके यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया, जिसके कारण बृहस्पतिवार को पूरे देश में बिजली गुल हो गई। यूक्रेनी प्रधानमंत्री ने रूस की इस रणनीति को 'व्यवस्थित ऊर्जा आतंक' करार दिया है।

इन हमलों में कम से कम दो लोगों की मौत भी हो गई और 17 घायल हो गए। रूस कड़ाके की सर्दी शुरू होने के साथ ही यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचा रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने हमले में 650 से ज्यादा ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 50 से अधिक मिसाइलें दागीं। यूक्रेन के शहर पानी, सीवेज और 'हीटिंग सिस्टम' चलाने के लिए केंद्रीकृत सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करते हैं और बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण ये काम नहीं कर पाते। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने कहा, रूस व्यवस्थित ऊर्जा आतंक जारी रखे हुए है और सर्दियां शुरू होते ही यूक्रेनवासियों के जीवन और गरिमा पर प्रहार कर रहा है। उसका लक्ष्य यूक्रेन को अंधकार में डुबोना है, हमारा लक्ष्य प्रकाश बरकरार रखना है। उन्होंने कहा, इस आतंक को रोकने के लिए यूक्रेन को और अधिक वायु रक्षा प्रणालियों, मॉस्को के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों और अधिकतम दबाव बनाने की आवश्यकता है।

- सर्दी शुरू होने से पहले यूक्रेन को भीषण संकट में लाने की रणनीति

पुतिन का यूक्रेन के दो शहरों को घेरने का दावा

कीव। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को दावा किया कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के दो प्रमुख पूर्वी शहरों में यूक्रेनी सेना को घेर लिया है और उनसे आत्मसमर्पण करने को कहा है, वहीं यूक्रेन के सैन्य अधिकारियों ने पुतिन के इस दावे का खंडन किया है। पुतिन ने मॉस्को के एक सैन्य अस्पताल में घायल सैनिकों के साथ बातचीत में कहा कि रूसी सैनिक यूक्रेन और पश्चिमी देशों के पत्रकारों के लिए सुरक्षित गलियारे खोलने के लिए तैयार है ताकि वे अपनी आंखों से देख सकें कि क्या हो रहा है।

कनाडा में मनी दिवाली, उत्तराखंडी संस्कृति की जगमग

अमृत विचार संवाददाता, टोरेंटो

कनाडा में उत्तराखंड कल्चरल एसोसिएशन ऑफ कनाडा की तरफ से दिवाली धूमधाम के साथ मनाई गई। मेयर पैट्रिक ब्राउन ने दीप प्रज्वलित कर इसका आगाज किया और उत्तराखंड परिवार को बधाई भी दी। इस दौरान सभी अपने पारंपरिक परिधानों में आए।

आयोजन में कनाडा भर से उत्तराखंडी समुदाय के सदस्यों के साथ अन्य भारतीय समुदायों के प्रतिनिधियों व स्थानीय अतिथियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। शुरुआत भारत और कनाडा के राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसने आपसी सम्मान और सांस्कृतिक एकता का संदेश प्रसारित किया। मेयर ने भारतीय समुदाय की सक्रियता, योगदान और सांस्कृतिक विविधता की सराहना की। दीप प्रज्वलन के बाद गणेश वंदना तथा उत्तराखंड के लोकनृत्य झोड़ा, चांचरी और छपेली की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों और युवाओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर वातावरण को उल्लास से भर दिया।

संघ के अध्यक्ष संजय जोशी ने कहा कि ऐसे आयोजन कनाडा में बसे उत्तराखंडवासियों को जड़ों से जोड़ते हैं और आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराते हैं। कार्यक्रम सफल बनाने में संजय जोशी, राज कोठियाल, मनु जखवाल, मुकेश रावत, कोषाध्यक्ष, नीरजा जोशी, सीमा कांती पराशर, बबीता तिवारी कपूर, गीतू बहुगुणा और श्वेता कोठियाल ने योगदान दिया।

दिवाली के आयोजिन में मेयर पैट्रिक ब्राउन और उत्तराखंडी समुदाय के सदस्य।

- उत्तराखंड कल्चरल एसोसिएशन ऑफ कनाडा ने किया आयोजन

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 31 अक्टूबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 10.03 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

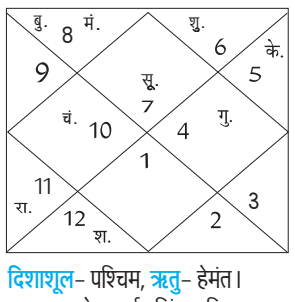

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 18.51 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष आज राजनीति से जुड़े लोगों को अत्यधिक यश प्राप्त होगा। मित्रों से सुखद समाचार मिल सकता है। अधिकारी वर्ग से अपने संबंध मधुर रखें। धार्मिक कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। बच्चों के साथ बहुत ही अच्छा समय बिताएंगे।

वृष आज पूरा दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। परिवार में कुछ कलह हो सकती है। सोशल मीडिया पर आप आप सक्रिय रहेंगे। लोग आपके व्यवहार से प्रभावित रहेंगे। व्यर्थ की गतिविधियों में ध्यान न दें। संतान पक्ष से हर्षदायक समाचार प्राप्त होगा।

मिथुन आज उच्च अधिकारियों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। नकारात्मक विचारों से दूरी बनाकर रखें। दूसरों के साथ मिलकर किए गए कार्यों में तालमेल को लेकर समस्या हो सकती है। धैर्य से निर्णय न लेने के कारण आपको नुकसान हो सकता है।

कर्क आज दिन की शुरुआत में आलस्य हो सकता है। राजनीतिक लोगों के लिए का दिन शुभ नहीं है। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। मित्रों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलेगा।

सिंह आज आर्थिक उन्नति होने के योग बन रहे हैं। कानूनी अड़चनों को दूर करने में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपको आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। बुद्धिमान व्यक्तियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रेम संबंधों को आप काफी समय देंगे।

कन्या आज पुराने कार्यों को पूरा करने की चिंता रहेगी। विदेश से नए जॉब के ऑफर मिलने के योग बन रहे हैं। परिवार को आप अत्यधिक महत्व देंगे। उधार में लिया हुआ धन वापस लौटा सकते हैं। सेहत के मामले में काफी फिट रहेंगे।

तुला आज शेयर मार्केट और म्यूचुअल फंड में निवेश से लाभ मिलेगा। दूसरों के सामने अपनी बातें खुलकर रखें। आपको नए स्रोतों से धन प्राप्त होगा। घर के वातावरण में थोड़ी गंभीरता रहेगी। गृहस्थ जीवन में प्रेम और सद्भावना बढ़ेगी।

वृश्चिक आज परिजनों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिलेगा। अधिक बोलने से आपका अनादर हो सकता है। आपको अधिक भागदौड़ नहीं करनी चाहिए। दुविधा के कारण काम प्रभावित हो सकते हैं। विरोधी आपको भ्रमित करने का प्रयास कर सकते हैं।

धनु आज जॉब की तलाश कर रहे व्यक्तियों को सफलता मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतरीन रहने वाली है। व्यवसाय में आशा के अनुरूप लाभ मिलेगा। अपने महत्वपूर्ण लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

मकर आज सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें। लोग आपका मनोबल भी गिराने का प्रयास कर सकते हैं। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार खराब न करें। उधार लेन-देन से बचें। व्यर्थ की भागदौड़ करने से आपका स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है।

कुंभ आज आपको सुखद समाचार प्राप्त होंगे। आपके द्वारा दी गई सलाह से लोगों को लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे। नए व्यवसाय में आप जुड़ने का प्रयास कर सकते हैं। दोस्तों के साथ पुरानी यादें साझा करेंगे।

मीन आज आपका मन थोड़ा विचलित रहेगा। संपत्ति के दस्तावेजों को संभालकर रखें। अत्यधिक श्रम करने के कारण आपको थकान महसूस होगी। अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें। वाणी में संयम रखें। प्रतिद्वंद्वियों से आपको सावधान रहना चाहिए।

सुडोकू-146

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		3
	2				3			4
	5							7
		3	4					
		8				9		
		1		7	9	6		
6			8				1	
4			9					
7		9						

सुडोकू - 145 का हल

9	5	1	2	6	7	4	3	8
2	7	8	3	4	5	6	1	9
6	4	3	9	8	1	2	7	5
3	2	5	1	7	9	8	4	6
4	8	9	6	2	3	1	5	7
7	1	6	8	5	4	3	9	2
5	6	7	4	1	2	9	8	3
1	3	2	7	9	8	5	6	4
8	9	4	5	3	6	7	2	1

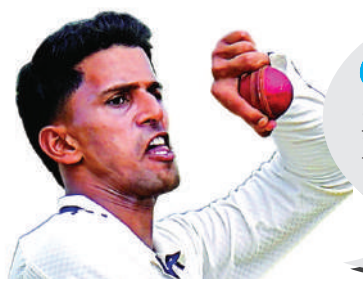

मुंबई के अनुभवी बल्लेबाजों जैसे अजिंक्य रहाणे को नेट्स पर गेंदबाजी करने से उनके ऑफ-स्पिन कौशल को निखारने में मदद मिली। मुंबई रणजी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारत के लिए खेल चुके हैं और वे स्पिन के खिलाफ किसी भी टीम में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं।
-तनुश कोटियन

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

कनाडा ओपन में अनाहत का सफर थमा

टोरंटो : भारत की युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह के कनाडा ओपन में शानदार अभियान पर विराम लग गया जब वह सेमीफाइनल में इंग्लैंड की जिना कैनेडी से सीधे गेम में हार गई। सत्रह वर्ष की अनाहत को दुनिया की दसवें नंबर की खिलाड़ी कैनेडी ने 96250 डॉलर ईनामी राशि के पीएसए सिल्वर टूर्नामेंट में 11 .5, 11 .8, 12 .10 से हराया। अनाहत ने प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस की मेलिसा अल्वेस को हराया था। वहीं क्वार्टर फाइनल में दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी और गत चैम्पियन बेल्जियम की टिन्ने गिलिस को मात दी थी।

किरण ने पोपोव को हराकर उलटफेर किया

सारब्रकेन (जर्मनी) : भारत के किरण जॉर्ज ने बृहस्पतिवर को यहां 475000 डॉलर इनामी हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंट टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराकर पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी किरण ने 69 मिनट चले मुकाबले में आठवें वरीय पोपोव को 18-21, 21-18, 21-19 से हराया। प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग करने वाले 25 साल के किरण जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। ओडिशा ओपन 2022 और इंडोनेशिया मास्टर्स 2023 के रूप में दो सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाले किरण अगले दौर में दूसरे वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और चीनी ताइपे के ची यू जेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

भारत की महिला टीम विश्वकप के फाइनल में पहुंची

आईसीसी महिला विश्व कपः दूसरे सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया, जेमिमा ने बनाए 127 रन

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय महिला टीम आईसीसी महिला विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है। दूसरे सेमीफाइनल में उसने आस्ट्रेलिया को पांच विकेट से पराजित किया। जेमिमा रोड्रिगेज ने 14 चौकों की मदद से शानदार 127 रनों की पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी शानदार 89 रन बनाए। इसके पहले सलामी बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड (119 रन) के शतक तथा एलिस पैरी (77 रन) और एश्ले गार्डनर (63 रन) के अर्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बृहस्पतिवार को यहां आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत को जीत के लिए 339 रन का लक्ष्य दिया।

अगर बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी (49 रन देकर दो विकेट) ने 3-0-9-2 के तीसरे स्पैल में शानदार गेंदबाजी नहीं की होती तो ऑस्ट्रेलियाई टीम इससे भी विशाल स्कोर तक पहुंच गई होती। श्री चरणी ने बेथ मूनी (24) और फॉर्म में चल रही एनाबेल सदरलैंड (03) को आउट किया। श्री चरणी ने भारत को पारी पर नियंत्रण लाने में मदद की क्योंकि अन्य भारतीय गेंदबाजों को पिच पर संघर्ष करना पड़ रहा था जिस पर उन्हें कोई मदद नहीं मिल रही थी। वहीं कुछ गलतियां क्षेत्ररक्षण में भी हुईं जिससे मेजबान टीम के लिए चीजें और मुश्किल हो गईं। बल्कि श्री चरण के इस स्पैल से ऑस्ट्रेलियाई रन गति धीमी हुई। मेहमान टीम दो विकेट पर 220 रन के स्कोर से छह विकेट पर 265 रन तक पहुंच गई लेकिन इसके बाद गार्डनर की 45 गेंद में चार चौके और इतने ही छक्के जड़ित पारी ने टीम को 300 रन के पार करा दिया।

टीम एक गेंद रहते 338 रन के स्कोर पर सिमट गई। लिचफील्ड ने 93 गेंद की पारी के दौरान 17 चौके और तीन छक्के जड़े। पैरी ने 88 गेंद में छह चौके और दो छक्के जमाए। लिचफील्ड और पैरी ने दूसरे विकेट के लिए 133 गेंद में 155 रन की साझेदारी निभाई। पारी की शुरूआत में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीसरे ओवर में एलिसा हीली का कैच छोड़कर उन्हें जीवनदान दिया। हालांकि अंतिम एकादश में वापसी करने वाली ऑस्ट्रेलियाई कप्तान छठे ओवर में सस्ते में आउट हो गईं। लिचफील्ड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए महज 77 गेंद में तीसरा वनडे शतक जड़ दिया जिससे ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़े स्कोर की नींव पड़ी। यह 22 वर्षीय खिलाड़ी अभी तक टूर्नामेंट में केवल एक अर्धशतक ही लगा सकी थी। लेकिन उनकी बल्लेबाजी को देखकर ऐसा लगा जैसे वह शानदार फॉर्म में हों। लिचफील्ड ने मैदान के हर कोने पर शॉट लगाए और हर तरह के शॉट लगाए।

रिवर्स स्वीप खेलने की इस महारथी ने 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर श्री चरणी की गेंद पर सीधा शॉट लगाया जो अमनजोत कौर के हाथ में जाता दिखा जिससे वह वापस लौट गईं, लेकिन अंपायरों ने उन्हें वापस बुला लिया क्योंकि गेंद टर्फ से टकराने के बाद शॉर्ट थर्ड मैन पर खड़ी क्षेत्ररक्षक के हाथों में चली गई थी। लिचफील्ड की शानदार पारी का अंत अमनजोत कौर की गेंद पर हुआ जिसे वह डीप फाइन लेग में खेलना चाह रही थीं लेकिन इससे उनके मिडिल स्टंप उखड़ गए। पैरी उनका अच्छा साथ निभा रही थीं और उन्होंने अर्धशतक जड़कर टीम के लिए अहम योगदान दिया।

शतकीय पारी के दौरान शॉट लगातीं ऑस्ट्रेलिया की फोबे लिचफील्ड। एजेंसी

शतकीय भागेदारी के दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रॉड्रिग्स। एजेंसी

मिताली व करीना ने ट्रॉफी वॉकआउट किया

मुंबई : पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज और यूनिसेफ इंडिया की राष्ट्रीय राजदूत करीना कपूर खान ने यहां भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला क्रिकेट विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल मैच के शुरू होने से पहले ट्रॉफी वॉकआउट की अगुआई की। इन दोनों के साथ यूनिसेफ इंडिया प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्रे और दो बच्चे लुबना शाह व गौरव शर्मा मौजूद थे।

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने से टीम के हौसले बुलंद

मेलबर्न, एजेंसी

कप्तान सूर्यकुमार यादव के फॉर्म में लौटने के बाद भारतीय टीम शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक एमसीजी मैदान पर होने वाले दूसरे टी-20 मैच के लिए यहां बुलंद हौसलों के साथ पहुंच गई है। अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और शिवम दुबे अपने आक्रामक खेल से टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की नई परिभाषा गढ़ने के बाद आस्ट्रेलिया पहुंचे हैं लेकिन पिछले कुछ समय से कप्तान सूर्यकुमार का बल्ला खामोश रहना चिंता का सबब बना हुआ था।

पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में हालांकि सूर्यकुमार ने 24 गेंद में 39 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। उन्होंने जोश हेजलवुड को 125 मीटर ऊंचा छक्का लगाया जो लंबे समय तक याद रहेगा। बारिश के कारण हालांकि कैनबरा में दूसरा मैच धुल गया जब भारत ने 9.4 ओवर में एक विकेट पर 97 रन बनाये थे। सूर्यकुमार और शुभमन गिल दोनों आस्ट्रेलियाई आक्रमण की बखिया उधेड़ने को तत्पर लग रहे थे। मेलबर्न में भी शुक्रवार को बारिश होने का अनुमान है हालांकि भारतीय टीम अपनी लय बनाये रखने की पूरी कोशिश करेगी।

समयः दोपहर 1:45 बजे से

दूसरे मैच से पहले भारत के लिये अच्छी बात सूर्यकुमार का फॉर्म में लौटना है। विश्व कप से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर अपनी टीम से बेखौफ खेल की उम्मीद करते हैं और उसके लिये सूर्यकुमार का फॉर्म अहम होगा। गंभीर चाहते हैं कि उनकी टीम नियमित तौर पर 250, 260 और उससे अधिक स्कोर बनाये। हाल ही में भारतीय बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन से जाहिर है कि बल्लेबाज गंभीर का फलसफा बखूबी समझ गए हैं। भारत की नजरें श्रीलंका के साथ सह मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब बरकरार रखने पर लगी होंगी। भारत ने पिछली बार रोहित शर्मा की कप्तानी में वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुआ टी20 विश्व कप जीता था। भारत को कैनबरा में गेंदबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन जसप्रीत बुमराह, वरूण चक्रवतर्ह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की मौजूदगी में भारत का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है। उन्हें हालांकि मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड के बल्लों पर अंकुश लगाना होगा जो अतीत में उनके लिये परेशानी का सबब बन चुके हैं।

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टी-20 मुकाबला आज

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस

टी-20 लीग के चेयरमैन बने डॉ. संजय कपूर

कानपुर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की 20वीं वार्षिक आमसभा में कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर को यूपी टी-20 लीग का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। गाजीपुर के संजीव सिंह को लीग का कंवीनियर बनाया गया है। इसके अलावा संघ के लाइफ मेंबर राजीव शुक्ला ही बीसीसीआई में यूपीसीए का प्रतिनिधित्व करेंगे।

होटल लैंडमार्क में हुए यूपीसीए के चुनाव में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला की मौजूदगी में नई कार्यकारणी व समितियों की घोषणा की गई। सभी पदों पर केवल एक ही नामांकन थे। डॉ. निधिपति सिंघानिया ने दोबारा अध्यक्ष पद संभाला। पिछली कार्यकारणी में कोषाध्यक्ष रहे कानपुर के प्रेम मनोहर गुप्ता यूपीसीए के नए सचिव बने हैं। गाजियाबाद के राकेश मिश्रा उपाध्यक्ष, उमर मुस्तफा हसन संयुक्त सचिव और कानपुर के सचिन आनंद शुक्ला कोषाध्यक्ष बने हैं, जो राजीव शुक्ला के भतीजे हैं।

भारत ए ने पहले दिन दक्षिण अफ्रीका ए को 299 रनों पर रोका

बेंगलुरु, एजेंसी

जोर्डन हरमान और जुबैर हमजा की शतकीय साझेदारी के बावजूद तनुष कोटियान की अगुवाई में भारत ए के स्पिनरों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेते हुए दक्षिण अफ्रीका ए को चार दिवसीय मैच के पहले दिन नौ विकेट पर 299 रन पर रोक दिया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर दक्षिण अफ्रीका ए के लिए हरमान (71) और हमजा (66) ने दूसरे विकेट के लिये 130 रन की साझेदारी की। हमजा को तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने आउट किया जो विकेट के पीछे ऋषभ पंत को कैच दे बैठे। इसके बाद से भारतीय गेंदबाजों ने पकड़ बना ली।

हरमान को आफ स्पिनर कोटियान ने पगबाधा आउट किया। कोटियान ने 83 रन लेकर चार विकेट चटकाए। सलामी बल्लेबाज लेसेगो सेनोकवाने ने तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज की गेंद पर पहली स्लिप में आयुष म्हात्रे को कैच थमाया। वहीं रिवाल्डो मूनसैमी ने बायें हाथ के स्पिनर मानव सुतार की गेंद पर स्लिप में आयुष बडोनी को कैच दिया।

भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत टीम के साथियों के साथ। एजेंसी

गुवाहाटी में लंच से पहले हो सकता है चाय सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी : देश के पूर्वोत्तर हिस्से में सर्दियों के महीनों में जल्दी सूर्यास्त होने के चलते भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी के बरसापारा में 22 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में ब्रेक में फेरबदल करते हुए पहले सत्र के बाद चाय का सत्र और दूसरे सत्र के दौरान लंच का सत्र कराया जा सकता है। भारत में टेस्ट मैच सुबह 9:30 बजे शुरू होते हैं और शाम 4:30 बजे समाप्त होते हैं लेकिन गुवाहाटी में मैच सुबह नौ बजे शुरू होकर शाम चार बजे समाप्त होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''ऐसी संभावना है कि पहला ब्रेक सुबह 11 बजे से 11:20 बजे तक चाय का ब्रेक होगा जबकि दोपहर 1:20 बजे से 2:00 बजे तक लंच हो सकता है। चाय के बाद का सत्र दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक होगा। गुवाहाटी में आमतौर पर सूरज 4:15 बजे तक डूब जाता है। ब्रेक की अदला-बदली एक संभावना है जिसे खेल की परिस्थितियों में शामिल किया जा सकता है।

जीत का जश्न

इंडोनेशिया की जेनिस टीजेन गुरुवार को चेन्नई के एसडीएटी टेनिस स्टेडियम में डब्ल्यूटीए चेन्नई ओपन 2025 में चेकिया एल. फ्रुहविर्टोवा के खिलाफ महिला एकल राउंड ऑफ 16 मैच जीतने के बाद जश्न मनाती हुईं। ● एजेंसी

केकेआर के मुख्य कोच बने अभिषेक नायर

नई दिल्ली : कोलकाता नाइट राइडर्स ने भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया। इस तरह वह आईपीएल फ्रेंचाइजी में चंद्रकांत पंडित की जगह लेंगे जिन्होंने तीन सत्र तक यह जिम्मेदारी संभाली थी।

नायर 2018 से केकेआर से जुड़े हुए हैं और उनके टीम प्रबंधन के अहम सदस्यों में से एक हैं। टीम चयन के मामले में ड्रेसिंग रूम में उनका दबदबा रहा है। लगभग नौ महीने तक नायर भारतीय टीम में गौतम गंभीर के कोचिंग दल का हिस्सा थे लेकिन भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद उन्हें बिना किसी औपचारिकता के बर्खास्त कर दिया गया। केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने कहा अभिषेक 2018 से नाइट राइडर्स टीम का अहम हिस्सा रहे हैं।

दु:खद टी-20 मैच से पहले नेट अभ्यास कर रहे थे बेन ऑस्टिन, 2014 में फिल ह्यूज की मौत की यादें हो गई ताजा

ऑस्ट्रेलियाई युवा क्रिकेटर की गले पर गेंद लगने से मौत

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के 17 वर्ष के क्रिकेटर बेन ऑस्टिन की यहां अभ्यास के दौरान गले में गेंद लगने से मौत हो गई जिससे 2014 में फिल ह्यूज की मौत की दुखद यादें ताजा हो गई।

ऑस्टिन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। उन्हें फर्नट्री गली में अभ्यास के दौरान गेंद गले और सिर में लगी थी। वह टी-20 मैच से पहले नेट अभ्यास कर रहे थे। उन्हें हादसे के बाद वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने बृहस्पतिवार को उनकी मौत की पुष्टि की।

क्लब ने कहा हम बेन की मौत से बहुत दुखी हैं। उसके परिवार, दोस्तों और जानने वालों के प्रति हमारी संवेदनाएं। अभ्यास के वक्त उन्होंने हेलमेट पहना था लेकिन

बेन ऑस्टिन।

'नेकगार्ड' नहीं। इस हादसे के बाद एक बार फिर हर स्तर पर खेल में सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग की मांग जोर पकड़ने लगी है। इससे पहले क्रिकेट विक्टोरिया ने बेन के पिता जेस आस्टिन के हवाले से परिवार की ओर से एक बयान जारी किया था। बयान में कहा गया हम अपने चहेते बेन के निधन से बेहद दुखी हैं। ट्रेसी और मेरे लिये बेन लाड़ला बेटा था और कूपर तथा जाश का चहेता भाई था। वह हमारे परिवार और दोस्तों के जीवन का उजाला था। इस हादसे ने उसे हमने छीन लिया।

उसे क्रिकेट से प्यार था और यह खेल उसके जीवन की खुशी था। इसमें यह भी कहा गया हम उस गेंदबाज के भी साथ खड़े हैं जो उस समय नेट्स पर गेंदबाजी कर रहा था। इस हादसे ने दो युवाओं को प्रभावित किया है। उसके और उसके परिवार के साथ भी हमारी संवेदनायें हैं। बेन हमेशा हमारी यादों में रहेगा। नवंबर 2014 को सिडनी में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर फिल ह्यूज ने दम तोड़ा था जब एक प्रथम श्रेणी मैच के दौरान उन्हें बल्लेबाजी करते समय बाउंसर कान के पास लगा था।

प्रतिदिन स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है : श्रेयस

सिडनी, एजेंसी : भारत के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह प्रतिदिन बेहतर हो रहे हैं और चोट से उबरने की राह पर हैं। श्रेयस को आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान एलेक्स कैरी का कैच लपकते समय तिल्ली की चोट (स्प्लीनिक रप्चर) के साथ पसली में चोट लगी थी। उन्होंने चोट लगने के बाद पहली बार एक्स और अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट में लिखा, '' मैं रिकवरी की राह पर हूं और प्रतिदिन स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है। उन्होंने लिखा इतनी शुभकामनाओं और समर्थन से मैं अभिभूत हूं। मुझे याद रखने के लिये धन्यवाद। श्रेयस मैच के दौरान फिजियो की मदद से मैदान से बाहर चले गए, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ गई, जिसके कारण उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना

पड़ा। बाद में किए गए परीक्षणों से पता चला कि तिल्ली में चोट लगने के कारण आंतरिक रक्तस्राव हुआ था, जिसके बाद उन्हें गहन निगरानी के लिए आईसीयू में भर्ती कराया गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान में कहा चोट का तुरंत पता चल गया और खून बहने को तुरंत रोका गया। उसकी हालत अब स्थिर है और वह अब भी निगरानी में है। मंगलवार 28 अक्टूबर को दोबारा किए गए स्कैन में काफी सुधार दिखा और श्रेयस ठीक हो रहा है।